फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 322 प्रभात जयपुर, गुरूवार 25 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Boys Need Their Fathers

Mothers ruin boys. They don't ruin girls. Girls are taught boundaries, manners, caring, responsibility and accountability. But not boys

The King Who United With Traditions

The Revival of Odissi to Classical Recognition

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ पंजाब में किसानों का प्रदर्शन

चंडीगढ़ , 24 जून। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में बुधवार को किसानों का गुस्सा खुलकर सामने आया। किसान संगठनों ने पंजाब के 21 जिलों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन करते हुए केन्द्र सरकार के खिलाफ रोष मार्च निकाले। कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने केन्द्र सरकार और अमेरिकी राष्ट्रपति

- किसान संगठनों ने 21 जिलों में रोष मार्च निकाले।

डॉनल्ड ट्रंप के पुतले भी फूंके।

अमृतसर में किसान नेता सरवन सिंह पंधेर की अगुवाई में सैकड़ों किसान भाजपा कार्यालय के बाहर एकत्र हुए और भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि इस समझौते को जुलाई के अंत तक लागू करने की तैयारी की जा रही है, लेकिन इस संबंध में किसानों, खेत मजदूरों और अन्य संबंधित वर्गों से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया गया।

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि यदि यह ट्रेड डील लागू होती है तो पंजाब सहित, पूरे देश के किसानों, खेत मजदूरों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। उनका कहना है कि विदेशी उत्पादों के लिए बाजार खोलने से स्थानीय कृषि और डेयरी क्षेत्र पर दबाव बढ़ेगा, जिससे किसानों की आय प्रभावित हो सकती है।

राहुल ''छात्रों की गूंज'' को राष्ट्रीय रूप देंगे

गुरुवार को वे पूरे देश में प्रेस कॉन्फ्रेंस की झड़ी लगाकर, पूरा दबाव बनाना चाहते हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। राहुल गांधी ने देशभर के छात्रों की आवाज़ को मंच देने और शिक्षा व्यवस्था में निष्पक्षता तथा सुधार की मांग को आगे बढ़ाने के लिए ''छात्रों की गूंज'' नाम से एक राष्ट्रव्यापी छात्र अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस कल देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगी, जिनमें युवाओं और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

राहुल गांधी ने इस पूरे आंदोलन की शुरुआत तब की थी, जब उन्होंने सीबीएसई, नीट, छात्र आत्महत्याओं, शिक्षा व्यवस्था में अनुचित प्रथाओं और अन्य संबंधित मुद्दों को उठाया था।

उन्होंने कोटा में एक विशाल रैली की थी, जो कोचिंग संस्थानों का प्रमुख केन्द्र माना जाता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि कोचिंग सेन्टरों का कारोबार सैकड़ों करोड़ रुपये का है।

प्रधानमंत्री ने इस पूरे मुद्दे पर सहानुभूति का एक शब्द भी नहीं कहा है।

- कोचिंग व्यवस्था की राजधानी कोटा में उन्होंने यह अभियान शुरु किया था और अब, कोचिंग सैन्टर्स की अव्यवस्थाओं के कारण, लगातार जो हादसे हुए हैं, उन्होंने राहुल गांधी के अभियान में अनायास जान डाल दी है।
- और, अभी तक पूरे संकट में व्यवस्था सुधारने की दिशा में कोई ठोस काम नहीं हुआ है तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्री भी कोई गलती सुधारने की मुद्रा में नहीं दिख रहे।
- अतः राहुल गांधी इस मुद्दे को छोड़ने की तैयारी में नहीं लगते, जब तक कोई स्थायी बदलाव के संकेत नज़र ना आयें या शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की बात पूरी होती दिखे।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को हटाने की लगातार मांगों के बावजूद, वे अपने पद पर बने हुए हैं।

देशभर में होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंसों से राजनीतिक माहौल गरमाने और सरकार पर छात्रों के हित में कदम उठाने तथा उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए दबाव बढ़ने की उम्मीद है।

सूत्रों का कहना है कि राहुल इस मुद्दे को तब तक नहीं छोड़ेंगे, जब तक लंबे समय से लंबित कुछ महत्वपूर्ण बदलाव नहीं किए जाते और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को उनके पद से नहीं हटाया जाता।

नाबालिक से दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

जयपुर, 24 जून। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3, महानगर द्वितीय ने 14 साल की किशोरी को बहला, फुसलाकर अपने साथ ले जाने और उसके साथ करीब 55 दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त अनिल नायक को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, पीठासीन अधिकारी नीरजा दाधीच ने अभियुक्त पर 53 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ललिता संजीव महरवाल ने बताया कि घटना को लेकर

- अभियुक्त 14 साल की पीड़िता को बहला फुसला कर दूसरे शहरों में ले गया व दुष्कर्म किया।

पीड़िता के पिता ने 3 अप्रैल, 2024 को करणी विहार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस जांच में सामने आया कि अभियुक्त उसे बहला, फुसला कर अपने साथ दौसा, अजमेर और आखिर में उदयपुर ले गया। जहां वह किशोरी के साथ किराए पर कमरा लेकर पति-पत्नी की तरह रहने लगा। इस दौरान अभियुक्त ने पीड़िता का नाम भी बदला और उसे बालिग बताया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को 18 मई को गिरफ्तार कर पीड़िता को बरामद किया।

दुविधा में फंसे हैं मोदी, खामनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के निमंत्रण से

जा कर अमेरिका व इज़रायल को नाराज़ नहीं करना चाहते हैं और ना ही ना जाकर ईरान को

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने के लिए भेजे गए निमंत्रण ने भारत को एक कठिन दुविधा में डाल दिया है।

मोदी सरकार न तो इस निमंत्रण की पुष्टि कर रही है और न ही इससे इनकार कर रही है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि मोदी स्वयं तेहरान जाने के इच्छुक नहीं हैं। इसलिए वे इस कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन या लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भेजने का फैसला कर सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार, मोदी इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को नाराज़ नहीं करना चाहते, क्योंकि उनका तेहरान जाना न तो तेल अवीव को, और न ही वॉशिंगटन को अच्छा लगेगा।

राजनयिक सूत्रों ने बताया कि पेज़ेश्कियन का निमंत्रण भारत को मिल चुका है। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार समारोह 5 से 9 जुलाई तक आयोजित किए जाएंगे।

- अतः बीच का रास्ता सोचा जा रहा है कि अपने प्रतिनिधि के रूप में उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन या लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भेजा जाना चाहिए।
- चीन, रूस, कतर, पाकिस्तान, फ्रांस इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

तीन दशकों तक ईरान का नेतृत्व करने वाले खामेनेई 28 फरवरी को तेहरान पर हुए बड़े अमेरिकी और इज़रायली हवाई हमलों के पहले दिन ही मारे गये थे।

अंतिम संस्कार 5, 6 और 7 जुलाई को तेहरान और क़ोम में आयोजित किया जाएगा। 9 जुलाई को उन्हें मशहद शहर में दफनाया जायेगा।

सूत्रों के अनुसार, औपचारिक निमंत्रण मंगलवार को नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास द्वारा विदेश मंत्रालय (एमईए) को भेजा गया। नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास को यह निमंत्रण दो दिन पहले प्राप्त हुआ था।

अंतिम संस्कार समारोह 4 जुलाई को तेहरान में शुरू होंगे और 9 जुलाई को खामेनेई के पैतृक शहर मशहद में उनके दफ़न के साथ समाप्त होंगे।

86 वर्षीय खामेनेई की मृत्यु 28 फरवरी को उनके परिसर पर हुए अमेरिका-इज़रायल के संयुक्त हवाई हमले में हो गई थी। पहले उन्हें मार्च में दफनाया जाना था, लेकिन युद्ध लंबा खिंचने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

मोदी उन कई विश्व नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति पेज़ेश्कियन की ओर से औपचारिक निमंत्रण मिला है। इनमें चीन, रूस, क़तर, फ्रांस और पाकिस्तान के नेता भी शामिल हैं। शुक्रवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने घोषणा की थी कि एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मेयर के सामने सरकारी कर्मचारी खुले ''मैनहोल'' में गिरा

मेयर ऋतु तावड़े, मुम्बई में विलम्ब से आए मानसून के प्रथम दिन, निरीक्षण के लिए निकली थीं कि उनके सामने ही एक सरकारी कर्मचारी खुले ''मैन होल'' में गिर गया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। बुधवार सुबह जब मुंबई की मेयर बारिश के बीच जमीनी हालात का जायजा लेने निकलीं, तो उन्हें यह कतई उम्मीद नहीं थी कि उनकी आंखों के सामने एक व्यक्ति मैनहोल में गिर जाएगा। इसके बाद मेयर का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने संबंधित अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई और चेतावनी दी कि यदि कोई भी मैनहोल खुला पाया गया, तो उस वॉर्ड के जिम्मेदार अधिकारी को निलंबन का सामना करना पड़ेगा।

दक्षिण-पश्चिम मानसून मंगलवार को मुंबई पहुंचा, जो सामान्य आगमन तिथि से लगभग दो सप्ताह देर से आया है। इसके साथ ही, शहर में व्यापक बारिश हुई। रातभर हुई मूसलाधार

- एरिया इंचार्ज को लताड़ पड़ी और भविष्य में ऐसी दुर्घटना होने पर निलंबन की चेतावनी दी।

बारिश के कारण जलभराव, यातायात बाधित होने और दीवार गिरने जैसी घटनाएं सामने आई हैं।

मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े सुबह-सुबह दादर, हिंदमाता और गांधी मार्केट जैसे इलाकों का निरीक्षण कर रही थीं। इसी दौरान एक व्यक्ति खुले नाले में गिर गया। उसकी पहचान बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) से जुड़े एक सफाई कर्मचारी के रूप में हुई है।

घटना के बाद मेयर संबंधित अधिकारियों पर जमकर बरसीं, उन्हें कड़ी चेतावनी दी और कहा कि यदि कहीं भी कोई मैनहोल खुला पाया गया, तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ निलंबन सहित, सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि संबंधित मैनहोल का ढक्कन कचरा निकालने के लिए हटाया गया था।

ऋतु तावड़े ने कहा, ''उस व्यक्ति को भी चेतावनी वाले बोर्ड को पढ़ना चाहिए था और मैनहोल के चारों ओर लगाए गए बैरिकेड्स को देखना चाहिए था। जब स्पष्ट रूप से लिखा है कि सतर्क रहें, तो लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। मैं मुंबई के लोगों से अपील करती हूं कि वे बीएमसी द्वारा लगाए गए नोटिस और पोस्टर जरूर पढ़ें।'' उन्होंने बताया कि सड़कों से अतिरिक्त पानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संसद का ऑफिस उद्धव ठाकरे की शिवसेना के हाथ से निकलेगा

नई दिल्ली, 24 जून। उद्धव ठाकरे की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं। एक तरफ पहले जहां लोकसभा सांसदों ने शिवसेना (यूबीटी) का दामन छोड़ा और

- उद्धव ठाकरे के पास अब 4 सांसद ही रह जायेंगे, जबकि संसद में उन पार्टियों को ही कार्यालय दिया जाता है जिनके पास कम से कम 5 सांसद हों।

एकनाथ शिंदे गुट में जाकर मिल गए। वहीं अब उद्धव ठाकरे को एक और झटका लगने वाला है।

शिवसेना (यूबीटी) से, उसे संसद परिसर में मिला ऑफिस लिया जा सकता है। इसका मतलब ये होगा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी अपनी बची-खुची पार्टी को समेटने में लगी हैं

इस माहौल में उनकी निकटतस्थ समर्थक महुआ मोइत्रा द्वारा शुभेन्दु अधिकारी की प्रशंसा ने सबको चकित किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। बंगाल में इस समय दल-बदल का दौर चल रहा है। चुनाव हारने के बाद तृणमूल कांग्रेस ताश के पत्तों की तरह बिखरती नजर आ रही है। ऐसे समय में पार्टी की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी की अप्रत्याशित प्रशंसा करके राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है।

बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में, ममता बनर्जी की कट्टर समर्थक मानी जाने वाली महुआ मोइत्रा ने कहा कि राजनीतिक रास्ते अलग होने के बावजूद, उनका शुभेन्दु अधिकारी के साथ एक ''भावनात्मक जुड़ाव'' है।

तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल में ममता के बचे-खुचे वफादारों में शामिल मोइत्रा की इस टिप्पणी ने बंगाल

- बीबीसी को दिए गए इन्टरव्यु में मोइत्रा ने शुभेन्दु अधिकारी को अपना व्यक्तिगत मित्र बताया और कहा, जब शुभेन्दु अधिकारी व महुआ मोइत्रा दोनों तृणमूल कांग्रेस में थे, कई अवसरों पर शुभेन्दु अधिकारी ने उनसे सहानुभूति रखी और मदद भी की, जब वे नई-नई आई थीं राजनीति में।
- महुआ मोइत्रा को हाल ही में ममता बनर्जी ने नैशनल वर्किंग कमेटी में शामिल भी किया है।
- महुआ मोइत्रा ने अपना यह इन्टरव्यु ''एक्स'' पर दोबारा प्रसारित भी किया है।

के राजनीतिक गलियारों में नई अटकलों को जन्म दे दिया है। ममता बनर्जी पहले से ही ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी विधायकों के गुट से पार्टी पर नियंत्रण के लिए जूझ रही हैं।

संसद में भी तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि उसके 20 लोकसभा सांसद सत्तारूढ़ भाजपा का समर्थन करने के लिए नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए हैं।

ऐसे माहौल में शुभेन्दु अधिकारी की प्रशंसा का समय कई सवाल खड़े कर रहा है। उन्होंने अपने इस साक्षात्कार का एक अंश सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा भी किया।

महुआ मोइत्रा ने कहा, ''व्यक्तिगत स्तर पर मेरे शुभेन्दु अधिकारी के साथ बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। जब हम दोनों तृणमूल कांग्रेस में थे, तब उन्होंने मेरा बहुत समर्थन किया था।''

उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के एक कठिन दौर को याद करते हुए बताया कि जब उन्हें 2014 के लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं मिला था, तब शुभेन्दु अधिकारी ने उनका हौसला बढ़ाया था।

कृष्णानगर से सांसद महुआ ने कहा, ''2014 में मुझे लोकसभा का टिकट मिलने वाला था, लेकिन मुझे टिकट नहीं मिला। मैं पूरी रात रोती रही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा अध्यक्ष ने 82 देशों के राजनयिकों को आम भेजे

नई दिल्ली, 24 जून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने यहां तैनात 82 देशों के राजनयिकों को बुधवार को उपहार स्वरूप भारतीय आम भिजवाए।

भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी डॉ विजय चौथाईवाले

- नितिन नबीन द्वारा भेजे गये आमों में केसर, दशहरी, बंगनपल्ली और लंगड़ा शामिल हैं।

ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में आम के महत्व पर उनके विचारों से प्रेरित होकर पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने नई दिल्ली में तैनात 82 देशों के मिशन प्रमुखों को भारतीय आम भिजवाए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय सरकार को अगूँठा दिखाने की बजाय, प.बंगाल की सरकार अब केन्द्रीय सरकार की स्कीमों का पूरा लाभ ले रही है

इस सोच में परिवर्तन के पूरे लक्षण अब साफ नज़र आ रहे हैं, बंगाल सरकार के बजट में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। पश्चिम बंगाल में नई भाजपा सरकार ने अपना पहला बजट पेश किया है। किसी राज्य के बजट के रूप में यह बजट जरा ज्यादा ध्यान आकर्षित कर रहा है, क्योंकि लंबे अंतराल के बाद आज बंगाल एक नई सुबह की शुरुआत की तरफ देख रहा है। इसलिए इस पहले बजट पर थोड़ा विस्तार से नजर डालना उचित होगा।

किसी भी राज्य के बजट की चर्चा करते समय देश की वर्तमान वित्तीय व्यवस्था को ध्यान में रखना आवश्यक है। जीएसटी व्यवस्था लागू होने और जीएसटी परिषद के गठन के बाद राज्यों ने अपने सबसे बड़े राजस्व स्रोत, बिक्री कर (सेल्स टैक्स) पर टैक्स लगाने का अधिकार छोड़ दिया। इसके अलावा, केन्द्र ने भी अपने बड़े टैक्स स्रोतों में से एक, एक्साइज़ ड्यूटी पर स्वतंत्र रूप से टैक्स लगाने का अधिकार सीमित कर दिया।

इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह समझना होगा कि राज्य के वित्त मंत्रियों के पास संसाधन जुटाने की कितनी सीमित गुंजाइश बची है। वे मुख्य रूप से इस बात पर निर्भर रह सकते हैं

- जनता को अधिक से अधिक सब्सिडी देने की होड़ में ममता बनर्जी की सरकार पीछे नहीं रहना चाहती थी, पर, ममता बनर्जी की सरकार की यह भी कोशिश थी कि किसी भी स्कीम पर केन्द्रीय सरकार की छाप नहीं होनी चाहिए। अतः, पैसे उधार लेकर भी ममता बनर्जी सरकार सब्सिडी बढ़ाती गई और यह नौबत आ गई कि जीडीपी का चालीस प्रतिशत हिस्सा ऋण चुकाने में जा रहा था।
- पर, नई भाजपा सरकार, शुभेन्दु सरकार, में ऐसी कोई हठधर्मिता नहीं और वो केन्द्रीय सरकार की हर स्कीम का भरपूर लाभ ले रही है, वित्तीय स्थिति बेहतर हो रही है तथा भविष्य में और बेहतर होने की आशा है। उदाहरण के लिए केन्द्रीय सरकार के, ''एयर कनैक्टिविटी'' बेहतर बनाने के नारे के अंतर्गत चार और नए हवाई अड्डे विकसित हो रहे हैं।

कि राज्य में व्यापार और आर्थिक गतिविधियां बढ़ें, जिससे जीएसटी के साझा राजस्व में राज्य की हिस्सेदारी बढ़ सके।

इसी व्यापक वित्तीय पृष्ठभूमि में पश्चिम बंगाल के नए वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता को वर्ष 2026-27 का बजट तैयार करना पड़ा। नई सरकार को सत्ता में आए बहुत कम समय हुआ था। वास्तव में यह पूर्ण बजट नहीं है, बल्कि जुलाई से अगले वर्ष मार्च तक की अवधि के लिए आय और व्यय का वित्तीय विवरण है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केदारनाथ दर्शनार्थियों की संख्या 13.21 लाख पहुंची

रुद्रप्रयाग, 24 जून। उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में बुधवार को 8,618 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। इसके साथ ही, इस वर्ष की यात्रा में अब तक दर्शन करने वाले

- 23-24 जून के चौबीस घंटों में 8618 श्रद्धालुओं ने दर्शन किये।

श्रद्धालुओं की कुल संख्या 13.21 लाख से अधिक हो गई है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 23 जून शाम पांच बजे से 24 जून शाम पांच बजे तक 4654 पुरुष, 3909 महिला श्रद्धालु तथा 55 बच्चों ने केदार बाबा के दर्शन किए। इस अवधि में किसी भी विदेशी श्रद्धालु के दर्शन के लिए पहुंचने का रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ। यात्रा प्रशासन के अनुसार, केदारनाथ धाम में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अपमानपूर्ण जीवन से मृत्यु अच्छी है। –कहावत

खाद की मारामारी नहीं, उर्वरक नीति पर पुनर्विचार की आवश्यकता

राजस्थान सहित देश के अनेक राज्यों में इन दिनों उर्वरकों की भारी कमी से किसान परेशान हैं। हाल ही में बारां जिले में हजारों किसानों को खाद प्राप्त करने के लिए घंटों तक कड़ी धूप में कतारों में खड़ा रहना पड़ा। खेल मैदान में पुलिस एवं कृषि अधिकारियों की निगरानी में टोकन वितरित किए गए और किसानों को मात्र दो-दो बैग खाद उपलब्ध कराई गई। यही स्थिति हाड़ौती क्षेत्र के छबड़ा और छीपाबड़ौद, डीग, ब्यावर, पाली, जैतारण, मसूदा, प्रतापगढ़ तथा टोंक सहित अनेक क्षेत्रों में देखने को मिल रही है। कहीं लंबी कतारें हैं, कहीं धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी, तो कहीं कालाबाजारी के आरोपों के कारण विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

राज्य सरकार का दावा है कि खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध हैं, किंतु जमीनी हकीकत इससे अलग दिखाई देती है। जब किसी वस्तु की मांग उसकी उपलब्धता से अधिक हो जाती है, तब कालाबाजारी और अव्यवस्था स्वाभाविक रूप से जन्म लेती है। वर्तमान स्थिति इसी आर्थिक सिद्धांत का प्रत्यक्ष उदाहरण है। यह समस्या केवल राजस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के अनेक राज्यों में किसान उर्वरकों की कमी से जूझ रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने का आव्हान कर रहे हैं। निस्संदेह प्राकृतिक खेती पर्यावरण संरक्षण और मृदा स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, परंतु यह भी विचारणीय है कि क्या केवल प्राकृतिक खेती के माध्यम से 145 करोड़ आबादी वाले देश की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति संभव है?

स्वतंत्रता के बाद के प्रारंभिक दशकों में भारत में मुख्यत: प्राकृतिक खेती ही प्रचलित थी। उस समय देश की जनसंख्या लगभग 35 करोड़ थी, फिर भी खाद्यान्न उत्पादन पर्याप्त नहीं था और भारत को विदेशी सहायता एवं आयातित अनाज पर निर्भर रहना पड़ता था। हरित क्रांति के बाद उन्नत बीजों, सिंचाई सुविधाओं और रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग ने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। आज भारत विश्व के प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक देशों में शामिल है।

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि भारत में रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग हो रहा है और इससे भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हो रही है। किंतु अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो स्थिति कुछ भिन्न दिखाई देती है। वियतनाम में लगभग 420 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर, चीन में 394 किलोग्राम, बांग्लादेश में 392 किलोग्राम तथा इंडोनेशिया में 311 किलोग्राम उर्वरकों का उपयोग होता है, जबकि भारत में यह आंकड़ा लगभग 199 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। अत: यह कहना उचित नहीं होगा कि भारत उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग करने वाले देशों में शामिल है। आवश्यकता रासायनिक एवं जैविक खादों के संतुलित उपयोग की है, न कि किसी एक को पूर्णत: त्याग देने की।

पिछले पांच दशकों के कृषि इतिहास पर नजर डालें तो उर्वरक खपत और खाद्यान्न उत्पादन के बीच स्पष्ट एवं सकारात्मक संबंध दिखाई देता है। 1970 के दशक में जहां उर्वरकों की खपत लगभग 5 लाख मीट्रिक टन और खाद्यान्न उत्पादन लगभग 100 मिलियन टन था, वहीं आज उर्वरकों की खपत कई गुना बढ़ने के साथ खाद्यान्न उत्पादन भी लगभग 376 मिलियन टन तक पहुंच गया है। कृषि सांख्यिकी के आंकड़े दर्शाते हैं कि दोनों का विकास लगभग समानांतर रूप से हुआ है। ऐसे में यदि बिना पर्याप्त विकल्प उपलब्ध कराए उर्वरकों के उपयोग में 20 प्रतिशत कमी की जाती है, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव उत्पादन पर पड़ सकता है।

किसान देश का अन्नदाता है। आवश्यकता इस बात की है कि सरकार किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के साथ-साथ ऐसी दीर्घकालिक रणनीति तैयार करे, जिससे खाद्य सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य और किसान हित-तीनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके। तभी कृषि क्षेत्र वास्तव में आत्मनिर्भर और टिकाऊ बन पाएगा।

नैनो यूरिया को लेकर भी अनेक प्रश्न उठ रहे हैं। सरकार और उर्वरक कंपनियां दावा करती हैं कि नैनो यूरिया की एक बोतल पारंपरिक यूरिया की एक बोरी के बराबर प्रभावी है, किंतु इस दावे पर कृषि वैज्ञानिकों और किसानों के एक वर्ग द्वारा गंभीर आपत्तियां व्यक्त की जा रही हैं। एक नैनो यूरिया की बोतल में लगभग 20 ग्राम नाइट्रोजन होती है, जबकि 45 किलोग्राम की एक यूरिया बोरी में लगभग 20.7 किलोग्राम नाइट्रोजन उपलब्ध होती है। ऐसे में दोनों की प्रत्यक्ष तुलना को लेकर वैज्ञानिक बहस जारी है। कई कृषि विशेषज्ञों का मत है कि नैनो यूरिया पारंपरिक यूरिया का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकता, बल्कि इसे केवल पूरक उत्पाद के रूप में ही देखा जाना चाहिए। पंजाब एवं हरियाणा में हुए कुछ परीक्षणों और किसानों के अनुभवों के आधार पर यह भी दावा किया गया है कि केवल नैनो यूरिया पर निर्भर रहने से फसल उत्पादन में कमी देखी गई। किसानों की शिकायत है कि उर्वरक खरीदते समय कई स्थानों पर उन्हें लगभग 300 रुपये मूल्य की नैनो यूरिया की बोतल अनिवार्य रूप से खरीदने के लिए प्रेरित अथवा बाध्य किया जाता है। यदि यह सत्य है, तो यह स्थिति किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाली है। सरकार और वैज्ञानिक संस्थानों को चाहिए कि वे नैनो यूरिया की प्रभावशीलता पर स्वतंत्र एवं पारदर्शी अध्ययन सार्वजनिक करें तथा किसानों को किसी भी उत्पाद को अपनाने के लिए बाध्य करने के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता दें।

देश में उर्वरकों की कुल वार्षिक मांग लगभग 6.5 करोड़ टन है, जबकि घरेलू उत्पादन इससे कम है। परिणामस्वरूप भारत को बड़ी मात्रा में उर्वरकों का आयात करना पड़ता है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में अस्थिरता का सीधा प्रभाव भारतीय किसानों पर पड़ता है। यही कारण है कि समय-समय पर उर्वरकों की उपलब्धता संकटग्रस्त हो जाती है।

उर्वरकों की समस्या का स्थायी समाधान केवल अस्थायी वितरण व्यवस्थाओं या टोकन प्रणाली में नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नीतिगत सुधारों में निहित है। देश में यूरिया, डीएपी और पोटाश के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नए संयंत्र स्थापित किए जाने चाहिए। निजी निवेश को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां बनाई जानी चाहिए ताकि भारत आयात पर निर्भरता कम कर सके। साथ ही, जैविक खाद, गोबर खाद, हरी खाद और रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने वाली समन्वित कृषि नीति अपनाई जानी चाहिए।

किसान देश का अन्नदाता है। यदि उसे खाद के लिए घंटों कतारों में खड़ा होना पड़े, तो यह केवल आपूर्ति व्यवस्था की विफलता नहीं बल्कि कृषि नीति के लिए भी एक गंभीर चेतावनी है। आवश्यकता इस बात की है कि सरकार किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के साथ-साथ ऐसी दीर्घकालिक रणनीति तैयार करे, जिससे खाद्य सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य और किसान हित-तीनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके। तभी कृषि क्षेत्र वास्तव में आत्मनिर्भर और टिकाऊ बन पाएगा।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो. पी. सी. कंठालिया, पूर्व मुख्य मृदा वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

राशिफल गुरूवार 25 जून, 2026

पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, स्वाती नक्षत्र सायं 4:29 तक, शिव योग दिन 10:54 तक, वणिज करण प्रात: 7:11 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृष, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग सायं 4:29 तक है। भद्रा प्रात: 7:11 से रात्रि 8:10 तक रहेगी। आज निर्जला एकादशी व्रत, भौम एकादशी, गायत्री जयन्ती, रुकमणि विवाह है। आज कतल की रात है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:21 तक, चर 10:47 से 12:29 तक, लाभ अमृत 12:29 से 3:55 तक, शुभ 5:37 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:20

मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। शुभ-धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

धनु

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित मामलों में परेशानी हो सकती है।

वृष

मित्रों/परिजनों से चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

51 वर्षों का काला दिवस - लोकतंत्र की काली यादें

डॉ. मनीषा सिंह

25 जून 1975, यह वह दिनांक है जिसने भारतीय लोकतंत्र के इतिहास पर एक ऐसा काला धब्बा लगाया, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दिन देश में द इमरजेंसी (1975-1977) लागू किया गया, और इसके साथ ही भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिकों के मूल अधिकारों को लगभग समाप्त कर दिया गया। यह समय केवल एक राजनीतिक घटना नहीं था, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा पर एक गंभीर आघात था।

आपातकाल का दौर भारतीय इतिहास का वह अध्याय है, जब सत्ता के केंद्रीकरण ने लोकतंत्र की जड़ों को हिलाकर रख दिया। उस समय देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी गई। मीडिया, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है, उसे सरकार के नियंत्रण में कर दिया गया। अखबारों को छापने से पहले सरकारी सेंसरशिप से गुजरना पड़ता था, और जो भी सरकार के खिलाफ लिखता या बोलता, उसे कठोर परिणाम भुगतने पड़ते थे। इस दौरान हजारों राजनीतिक नेताओं, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को बिना किसी न्यायिक प्रक्रिया के जेल में डाल दिया गया। केवल विरोध की आवाज उठाना ही अपराध बन गया था। लोकतंत्र में असहमति को स्थान मिलता है, लेकिन उस समय असहमति को कुचलने का हर संभव प्रयास किया गया। इतना ही नहीं, इस कालखंड में कई अमानवीय निर्णय भी लिए गए, जिनमें जबरन नसबंदी अभियान प्रमुख था। लाखों लोगों को बिना उनकी सहमति के इस प्रक्रिया से गुजरने के लिए मजबूर किया गया। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन था।

न्यायपालिका, जो लोकतंत्र की रक्षा की अंतिम उम्मीद होती है, उस पर भी दबाव बनाया गया। संस्थाओं की स्वतंत्रता को सीमित कर दिया गया, जिससे शासन के खिलाफ कोई प्रभावी आवाज नहीं उठ सकी। यह स्थिति दर्शाती है कि जब सत्ता निरंकुश हो जाती है, तो वह लोकतंत्र के सभी स्तंभों को कमजोर कर सकती है। आज, जब हम इस काला दिवस के 51 वर्ष पूरे होने पर पीछे मुड़कर देखते हैं, तो यह केवल इतिहास का स्मरण नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण सीख भी है। यह हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल संविधान या कानूनों से नहीं चलता, बल्कि जनता की जागरूकता और भागीदारी से मजबूत होता है।

विशेष रूप से युवाओं के लिए यह जानना अत्यंत आवश्यक है कि स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा के लिए सतत संघर्ष करना पड़ता है। इतिहास ऐसे काले अध्याय हमें यह सिखाते हैं कि सत्ता का दुरुपयोग किस प्रकार एक पूरे देश को अंधकार में धकेल सकता है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हम उन गलतियों को दोहराने से बचें। लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन स्वाभाविक है, लेकिन मूल्यों और सिद्धांतों का संरक्षण सबसे ऊपर होना चाहिए। जब भी कोई शासन जनता की आवाज को दबाने का प्रयास करता है, तो वह लोकतंत्र के मूल स्वरूप को कमजोर करता है। काला दिवस केवल अतीत की एक घटना नहीं, बल्कि एक चेतावनी है, एक ऐसा संदेश है जो हमें सतर्क रहने के लिए प्रेरित करता है। यह हमें याद दिलाता है कि अगर हम अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के प्रति सजग नहीं रहेंगे, तो इतिहास स्वयं को दोहरा सकता है। अंतत:, 25 जून 1975 का दिन हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र की रक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। हमें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना होगा और किसी भी प्रकार की तानाशाही प्रवृत्ति के खिलाफ खड़े होना होगा। इसी संकल्प के साथ, हम इस 51 वर्षों के काला दिवस पर उन काली यादों को याद करते हैं और यह प्रण लेते हैं कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

–डॉ. मनीषा सिंह,
प्रदेश प्रवक्ता भाजपा,
राजस्थान

अहंकार, तानाशाही, राज-लिप्सा का सम्मिश्रण आपातकाल

पंकज मीणा

संविधान निर्माताओ ने देश का संविधान बनाते समय यूरोप के कई देशों के संविधान का अध्ययन किया था। कुछ आलोचक आरोप भी लगते हैं कि हमारा संविधान यूरोपीय देश के संविधानों की नकल मात्र है। भारत के संविधान में अनुच्छेद 352 'राष्ट्रीय आपातकाल' जर्मनी के वाइमर संविधान से प्रभावित होने के भी आरोप आलोचक लगाते हैं। संविधान सभा में समाजवादी नेता एचबी कामथ ने वाइमर संविधान के आपातकाल और अनुछेद 352 में समानता की ओर ध्यान आकर्षित भी किया था, परंतु डॉ. अंबेडकर ने हिटलर द्वारा वाइमर संविधान के दुरुपयोग जैसी स्थिति से बचने के लिए हमारे संविधान में न्यायिक समीक्षा और संसदीय जवाबदेही पर अधिक जोर दिया।

संविधान सभा द्वारा हिटलर के आपातकालीन शक्तियों के दुरुपयोग के अनुभवों से सबक लेकर संस्थागत संतुलन को अपनाया, परंतु तमाम सावधानियों को दरकिनार कर अहंकारी इंदिरा गांधी ने 25 जून, 1975 को हिटलर का वही रास्ता व रणनीति अपनाकर संविधान अंगीकार के मात्र 25 वर्ष बाद ही संविधान की धज्जियां उड़ाने का काम किया। शासन के प्रति विरोध को भी समान महत्व दिए जाने के लिए भारत के संविधान में न्यायपालिका को मजबूत बनाया गया। प्रेस को स्वतंत्र बनाया गया और विपक्ष को सम्मान महत्व दिया गया, परंतु आपातकाल घोषित कर इंदिरा गांधी ने प्रेस की स्वतंत्रता छीन ली, न्यायपालिका को पंगु बना दिया और विपक्ष को जबरन जेल में डाल दिया।

आपातकाल में विपक्ष के सभी नेताओं को जेल में डाल दिया वहीं इंदिरा गांधी की तानाशाही का यह आलम था कि कांग्रेस के जो नेता इंदिरा से असहमति रखते थे, उन्हें भी जेल में ठूस दिया। मोरारजी देसाई जिन्होंने नेहरू के साथ स्वतंत्रता संघर्ष में भाग लिया उन्हें व्यक्तिगत अदावत के कारण जेल भेज दिया। इस पर चंद्रशेखर, मोहन घाटिया जैसे वरिष्ठ कांग्रेस के नेता भी इंदिरा गांधी के कोपभाजन के शिकार हुए। आपातकाल से पहले ही देश में अराजकता के हालात हो चुके थे, इन अराजक स्थिति के विरुद्ध बिहार में छात्रों का जबरदस्त आंदोलन चल रहा था, तो वही गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार हो गई थी। कांग्रेस के अंदर भी असक्षम इंदिरा गांधी के नेतृत्व को लेकर विरोधी स्वर उठने लगे थे। ऐसे समय में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी के चुनाव को रद्द घोषित कर देना, 'भारत में राज करना अपना तो अधिकार समझने वाले परिवार' की नेता को यह सब कैसे बर्दाश्त होता। एक तरफ भयग्रस्त इंदिरा गांधी व छिन्न-भिन्न कांग्रेस, दूसरी तरफ देश के अराजक स्थितियों के विरुद्ध संपूर्ण विपक्ष एकत्र होना शुरू हुआ और देश के सबसे बड़े समाजवादी नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति की घोषणा कर दी। जब इंदिरा गांधी को सत्ता हाथ से फिसलती हुई दिखी। हिटलर से प्रभावित इंदिरा गांधी की ऐसे में अनुच्छेद 352 के दुरुपयोग का आसान रास्ता देख कांग्रेस पार्टी, कैबिनेट, शासकीय व्यवस्था के घटकों को विश्वास में लिए बिना राष्ट्रपति से दबाव पूर्ण तरीके से लोकतंत्र के काले अध्याय आपातकाल के आदेश पर हस्ताक्षर करवाए गए।

आज देश में संविधान की किताबें लहराने वालों के पास आपातकाल के लिए न तो माफी के शब्द है और ना ही पश्चाताप के। 21 महीने के आपातकाल में कुल एक लाख दस हजार लोगों मीसा तथा डीआरआई में गिरफ्तार किया गया। जिसमें 90 प्रतिशत संख्या जन संघ अथवा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक की थी। राजनीतिक बंदी को मिलने वाली सुविधाओं से विपरीत संघ के स्वयंसेवकों को जेल में यातनाएं दी गई। कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी वास्तविकता में भारत के संविधान व लोकतंत्र के पेरोकार हैं तो सबसे पहले उन्हें अपनी दादी के कृत्य पर देश की जनता से क्षमा मांगनी चाहिए और देश में जनता को विश्वास दिलाना चाहिए भारतीय लोकतंत्र का वह काला अध्याय दोहराया नहीं जाएगा।

–पंकज मीणा,
प्रदेश प्रवक्ता भाजपा
राजस्थान

क्या आज़ादी से बोलने, असहमति और दल-बदल के लिए कोई लक्ष्मण रेखा है?

सूर्यप्रतापसिंह राजावत

टीएमसी से अलग हुए गुट का एनसीपीआइ में विलय कई कानूनी, संवैधानिक, वैधानिक और राजनीतिक नैतिकता से जुड़े सवाल खड़े करता है। एक सोच यह है कि जो काम संविधान की इजाज़त से हो रहा है, क्या उस पर राजनीतिक नैतिकता के आधार पर सवाल उठाया जा सकता है? इसका जवाब सीधा है: राजनीति में चुनाव अच्छे और बुरे के बीच नहीं होता, बल्कि यह तय करना होता है कि कम बुरा क्या है। साथ ही, इस बहस का एक अहम पहलू लोकतंत्र में जवाबदेही तय करना भी है।

कानूनी तौर पर, मूल राजनीतिक पार्टी और लेजिस्लेटिव पार्टी (विधायिका में पार्टी) के बीच अंतर है। संविधान (52वां संशोधन) अधिनियम, 1985 के ज़रिए जोड़ी गई 10वीं अनुसूची की संवैधानिक व्यवस्था, पैरा 1(बी) के तहत मूल राजनीतिक पार्टी और पैरा 1(सी) के तहत लेजिस्लेटिव पार्टी की अलग पहचान और अस्तित्व को साफ़ तौर पर मानती है। आज़ादी से बोलने, असहमति और दल-बदल पर बहस तब तक अधूरी रहेगी और उसे सही ढंग से नहीं समझा जा सकेगा, जब तक कि संविधान की 10वीं अनुसूची के साथ-साथ जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, विधानसभा के नियम, संसद के नियम, चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 और स्पीकर या चेयरमैन (जैसा भी मामला हो) तथा भारत के चुनाव आयोग की भूमिका को न पढ़ा जाए। इसके बाद, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में क्रमश: अनुच्छेद 226 और अनुच्छेद 32 के तहत रिट अधिकार क्षेत्र के ज़रिए विवादित आदेश की न्यायिक समीक्षा की जाती है। 10वीं अनुसूची के लागू होने के बाद से आए कई फैसलों और कमिटी की रिपोर्टों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। व्हिप की भूमिका बहुत अहम होती है; वह राजनीतिक पार्टी और विधायिका के बीच एक नाल (umbilical cord) की तरह काम करता है। साथ ही, लेजिस्लेटिव पार्टी के नेता की भूमिका की भी बारीकी से जांच ज़रूरी है। संविधान की दसवीं अनुसूची के पैरा 3 पर चर्चा ज़रूरी है, क्योंकि 91वें संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा हटाए जाने के बावजूद इसने दसवीं अनुसूची की असली योजना को प्रभावित किया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पहले पैरा 3 में स्प्लिट (पार्टी टूटने) और अलग हुए गुट को मान्यता देने का प्रावधान था। पैरा 3 के हटाए जाने के बाद, अयोग्यता की कार्यवाही का सामना कर रहे सदस्यों के पास अब स्प्लिट का बचाव उपलब्ध नहीं है। दसवीं अनुसूची का पैरा 2 दल-बदल के आधार पर अयोग्यता तय करता है, जबकि पैरा 4 में विलय के आधार पर कुछ अपवाद दिए गए हैं। भारत के संविधान की प्रस्तावना में लोकतंत्र की घोषणा की गई है। इसके अलावा, अनुच्छेद 19 के तहत मौलिक अधिकार बोलने और अभिव्यक्ति की आज़ादी की गारंटी देते हैं। यह अधिकार केवल भारत के नागरिकों को मिलता है, लेकिन इस पर उचित प्रतिबंध भी हो सकते हैं। राजनीतिक दलों से उम्मीद की जाती है कि वे पार्टी के कामकाज में आज़ादी से बोलने और असहमति जताने की अनुमति दें। क्या किसी विधायक या सांसद को अपनी मूल पार्टी से असहमति के कारण निकाले जाने पर उसकी सदस्यता से वंचित किया जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने अमर सिंह बनाम भारत संघ (2011) मामले में इस मुद्दे को बड़ी बेंच के पास भेजा था। सवाल यह था कि अगर संसद के किसी सदन के सदस्य को उस पार्टी ने निकाल दिया है जिसने उसे चुनाव में उम्मीदवार बनाया था, और वह सदस्य किसी दूसरी पार्टी में शामिल हो जाता है या अपनी पार्टी बना लेता है, तो क्या दसवीं अनुसूची के पैरा 2(1) के स्पष्टीकरण (ए) में बनाई गई कानूनी धारणा के आधार पर यह कहा जा सकता है कि उसने स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ दी है?चुनावी सुधारों पर बनी समिति की रिपोर्ट, जिसे आमतौर पर दिनेश गोस्वामी रिपोर्ट, 1990 के नाम से जाना जाता है, ने सिफारिश की थी कि दसवीं अनुसूची में दल-बदल विरोधी कानून में निम्न पहलुओं के संबंध में बदलाव किया जाना चाहिए:

(1.) अयोग्यता के प्रावधान विशेष रूप से इन मामलों तक सीमित होने चाहिए: (ए) किसी चुने हुए सदस्य द्वारा स्वेच्छा से राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ना और (बी) किसी सदस्य द्वारा अपनी पार्टी के निर्देश या व्हिप के खिलाफ वोट देना या वोटिंग से दूर रहना, लेकिन यह केवल विश्वास मत, अविश्वास प्रस्ताव, मनी बिल या राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के मामले में ही लागू हो।

राजनीतिक पार्टी के किस गुट को असली पार्टी माना जाए, इस विवाद को देखते हुए स्पीकर दोहरी भूमिका निभाते हैं: वे शेड्यूल 10 के तहत याचिका पर फैसला करते समय ट्रिब्यूनल की भूमिका निभाते हैं और सदन की कार्यवाही चलाते समय विधायिका के सबसे बड़े अधिकारी की तरह काम करते हैं। टीएमसी के एक अलग हुए गुट ने एनसीपीआई नाम की कम जानी-पहचानी राजनीतिक पार्टी में विलय की घोषणा की है। शेड्यूल 10 के पैरा 4(1)(ए) और 4(2) के तहत ऐसा करना जायज है, क्योंकि यह गुट असली राजनीतिक पार्टी का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है।

मुख्य सवाल यह है कि क्या विलय करने वाला गुट यह दावा कर सकता है कि वही असली टीएमसी है और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को पार्टी का चुनाव चिह्न इस्तेमाल नहीं करने दिया जाए, क्योंकि ममता का गुट पैरा 4(1)(ए) के अनुसार विलय के समर्थन में नहीं है? इसका जवाब हाँ में है। ऐसा दो वजहों से है। पहली, विधायक दल के दो-तिहाई सदस्यों ने एनसीपीआई के साथ विलय की घोषणा की है। दूसरी, अगर ममता विलय का विरोध करती हैं, तो सादिक अली केस (1972) के अनुसार, ममता के नेतृत्व वाले गुट के दावे पर भारत का चुनाव आयोग फैसला करेगा। पैरा 15 (मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी के अलग हुए गुटों या विरोधी गुटों के संबंध में आयोग की शक्ति) के तहत विवाद को सुलझाने के लिए इसीआई को तीन शर्तें सुझाई गई हैं, साथ ही विवाद पर फैसला करने के लिए अन्य पैमाने तय करने की छूट भी दी गई है। ये तीन शर्तें हैं: पहला, राजनीतिक पार्टी के लक्ष्य और उद्देश्य; दूसरा, पार्टी का संविधान; और तीसरा, बहुमत का परीक्षण। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अलग हुए गुट को लोकसभा में विधायक दल और टीएमसी पार्टी में बहुमत हासिल है। साथ ही, इसीआई के सामने फैसले के लिए बहुमत के परीक्षण में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत नहीं है, बल्कि साधारण बहुमत ही काफी होगा। इसलिए, अलग हुआ गुट भारत के चुनाव आयोग के सामने केस जीतने को लेकर आश्वस्त है। अन्य दो पैमानों की बात करें तो उनका कोई खास महत्व नहीं है, क्योंकि दोनों ही पक्ष पार्टी संविधान के लक्ष्यों और उद्देश्यों के प्रति निष्ठा का दावा करेंगे।

पार्टी संविधान के तहत लोकतांत्रिक कामकाज की बात करें तो ममता के काम करने का तरीका कामकाज में लोकतंत्र के लिए कोई जगह नहीं छोड़ता। इसलिए इस पैमाने पर विचार नहीं किया जा सकता। शिव सेना, एनसीपी वगैरह के मामलों से जुड़े पिछले विवादों में यही ट्रेंड रहा है। इसलिए, मौजूदा विवाद का फ़ैसला बहुमत के तीसरे टेस्ट से ही होगा। इस तरह, अलग हुए गुट को टीएमसी के नाम से असली राजनीतिक पार्टी के तौर पर मान्यता मिल जाएगी। इसलिए, संविधान के पैरा 4(ए) के तहत, अलग हुए गुट को असली पार्टी के तौर पर मान्यता मिलने और लोकसभा में लेजिस्लेचर पार्टी के दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन होने की वजह से (जैसा कि ऊपर बताया गया है), उन पर दल-बदल विरोधी (anti-defection) कार्रवाई नहीं होगी। अब, पैरा 4(1)(बी) के तहत, ममता के नेतृत्व वाले गुट को – जिसने विलय का विरोध किया है – एक अलग गुट के तौर पर काम करने की इजाज़त होगी। नतीजा यह होगा कि ऐसा अलग गुट रिप्रेज़ेंटेशन ऑफ़ द पीपुल एक्ट 1951 की धारा 29ए के तहत नई राजनीतिक पार्टी के तौर पर मान्यता के लिए आवेदन कर सकता है।

–सूर्यप्रतापसिंह राजावत,
अधिवक्ता, राजस्थान
हाईकोर्ट, जयपुर

थार के मरुस्थल में स्थापत्य का सम्मोहन : जब पटुवा हवेली की नक्काशी देख विस्मित रह गईं ब्रिटिश राजकुमारी

अचलदास डांगरा

विशेष वर्ष 1984 का वह अक्टूबर का महीना जैसलमेर के इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज हो गया, जब ब्रिटेन के शाही परिवार की सदस्य प्रिंसेस एन थार के इस सुनहरे शहर की मेहमान बनीं। अपनी 15 दिवसीय भारत यात्रा के दौरान 30 अक्टूबर 1984 को जब वे जैसलमेर पहुंचीं, तो यहां की मरुस्थलीय संस्कृति और स्थापत्य ने उन्हें पूरी तरह अपने सम्मोहन में ले लिया। लेकिन इस पूरी यात्रा का सबसे भावुक और कलात्मक शिखर वह पल था, जब राजकुमारी ने जैसलमेर की विश्व प्रसिद्ध पटुवा हवेली की चौखट पर कदम रखा। पीले पत्थरों पर उकेरी गई इतिहास की इस बेजोड़ किताब को देखना राजकुमारी के लिए एक चमत्कारी अनुभव जैसा था। इस भव्य हवेली के निर्माण का इतिहास थार के मरुस्थल में व्यापार और समृद्धि के उस स्वर्ण काल की याद दिलाता है जब जैसलमेर सिल्क रूट का एक मुख्य केंद्र हुआ करता था। इस हवेली का निर्माण 19वीं सदी की शुरुआत में, वर्ष 1805 के आसपास जैसलमेर के अत्यंत धनी और प्रतिष्ठित व्यवसायी गुमानचंद पटवा ने शुरू करवाया था। सोना, चांदी, जरी और अफीम के अंतरराष्ट्रीय व्यापारी गुमानचंद ने अपने पांच बेटों के लिए पांच हवेलियों के इस अनूठे समूह को आकार दिया। 50 वर्षों के अनवरत परिश्रम और सैकड़ों कुशल कारीगरों की कला साधना के बाद यह पांच मंजिला विशाल परिसर पूरी तरह बनकर तैयार हुआ। पीले बलुआ पत्थर से बनी इन पांचों हवेलियों को इस तरह जोड़ा गया है कि ये एक ही हवेली का हिस्सा प्रतीत होती हैं। इसकी दीवारों पर की गई नक्काशी, जटिल झरोखे और मेहराब इतने बारीक हैं कि लगता है मानो पत्थर पर छेनी नहीं, बल्कि किसी जौहरी ने सोने पर कलम चलाई हो। हवेली के इन्हीं झरोखों, बारीक जालियों और दीवारों पर की गई कांच की कारीगरी को निहारते हुए प्रिंसेस एन मंत्रमुग्ध खड़ी रह गईं। अपनी इस यात्रा के दौरान हवेली की भव्यता पर विस्मित होते हुए राजकुमारी ने अपने उद्गार व्यक्त किए थे:–

"यह पत्थरों पर नक्काशी नहीं, बल्कि पीले पत्थरों पर बुना गया कोई महीन सिल्क का कपड़ा लगता है। थार के इस सुदूर रेगिस्तान में ऐसा बेजोड़ स्थापत्य और मानवीय कौशल देखना किसी जादुई सपने से कम नहीं है। भारत की यह कलात्मक विरासत पूरी दुनिया के लिए एक अनमोल उपहार है।" राजकुमारी के ये शब्द सिर्फ औपचारिकता नहीं थे, बल्कि उस अगाध सम्मान का प्रतीक थे जो पश्चिमी जगत भारत की प्राचीन कारीगरी के प्रति रखता आया है। उस दौर में, जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के प्रयासों से इस हवेली को राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा मिला ही था, प्रिंसेस एन के इस दौरे ने पटुवा हवेली को वैश्विक पर्यटन के मानचित्र पर एक नई ऊंचाई दे दी।आज दशकों बाद भी, जब देश-विदेश के लाखों सैलानी इन झरोखों से छनकर आती धूप को देखते हैं, तो उन्हें राजकुमारी एन के वे शब्द याद आते हैं। पटुवा हवेली सिर्फ पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि मानवीय जिजीविषा, कला और थार के गौरव की अमर गाथा है, जिसे देखकर वक्त भी ठहर जाता है।

–अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार

मुख्यमंत्री ने सांगानेर को दी 631 करोड़ रु. के 1538 विकास कार्यों की सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 जुलाई को जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना का शिलान्यास करेंगे : भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशभर में बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ नागरिक सेवाओं के विस्तार पर प्राथमिकता से कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना और आमजन को बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री बुधवार को सांगानेर स्टेडियम में आयोजित लगभग 631 करोड़ रुपये की लागत के 1538 विकास कार्यों के लोकार्पण, शिलान्यास एवं पट्टा वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से सड़क, पेयजल, सीवरेज, स्वास्थ्य और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार और उन्नयन होगा, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 4 जुलाई को जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना का शिलान्यास करेंगे। उन्होंने बताया कि 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गौशाला तक विकसित की जाएगी, जिसके कार्यादेश भी जारी किए जा चुके है। उन्होंने कहा कि मेट्रो फेज-2 परियोजना से राजधानी जयपुर की यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी, यात्रा समय में कमी आएगी और शहर के समग्र शहरी विकास को नई गति मिलेगी। यह परियोजना भविष्य की बढ़ती आबादी और यातायात की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सांगानेर स्टेडियम में 631 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

- जयपुर-भीलवाड़ा रोड स्थित मुहाना मोड जंक्शन पर 124 करोड़ रुपये की लागत से फ्लाईओवर बनेगा
- बंबाला क्षेत्र में 88 करोड़ रुपये से अधिक लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), पृथ्वीराज नगर में सैटेलाइट अस्पताल तथा भांकरोटा में ट्रॉमा सेंटर निर्माण की नींव रखी
- राजधानी की संकरी गलियों में सफाई के लिए 5 अत्याधुनिक ''मैकेनिकल लिटर पिकर मशीनें'' जयपुर नगर निगम को सौंपी

मुख्यमंत्री ने बताया कि जयपुर-भीलवाड़ा रोड स्थित मुहाना मोड जंक्शन पर 124 करोड़ रुपये की लागत से फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा।

इसके अलावा बंबाला क्षेत्र में 88 करोड़ रुपये से अधिक लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), पृथ्वीराज नगर में सैटेलाइट अस्पताल तथा भांकरोटा में ट्रॉमा सेंटर निर्माण की आधारशिला रखी गई। सांगानेर के 115 मंदिरों के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य का भी शुभारंभ किया गया है। इसके अलावा यूनिटी मॉल, रिद्धि-सिद्धि फ्लाईओवर, सांगानेर एलिवेटेड रोड और द्रव्यवती नदी विकास जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी प्रगति पर हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में पहली बार जयपुर नगर निगम के लिए पांच अत्याधुनिक मैकेनिकल लिटर पिकर मशीनें लाई गई हैं। ये मशीनें फुटपाथों, संकरी गलियों और ट्रांसफॉर्मरों के नीचे जमा कचरे को भी प्रभावी ढंग से साफ करने में सक्षम होंगी।

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने सीवरेज सफाई के लिए सुपर सकर मशीन और स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के प्रति जनजागरूकता के लिए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही, सफाई सेवा मैराथन के विजेताओं को चेक भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को स्वामित्व कार्ड वितरित करते हुए कहा कि स्वामित्व योजना ड्रोन तकनीक के माध्यम से गांवों की आवासीय भूमि का सीमांकन कर ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का कानूनी स्वामित्व प्रदान करने में बेहद उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 8 हजार से अधिक गांवों का ड्रोन सर्वेक्षण कर लगभग 14 लाख स्वामित्व कार्ड जारी किए जा चुके हैं। समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, सांसद मंजू शर्मा, विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

पशुपालन मंत्री ने ब्यावर से किया लम्पी टीकाकरण अभियान का आगाज

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गोवंश को लम्पी स्किन डिजीज से सुरक्षित रखने के लिए राज्य स्तरीय टीकाकरण अभियान का बुधवार को ब्यावर में शुभारम्भ किया।

जयपुर। पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गोवंश को लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) से सुरक्षित रखने हेतु राज्य स्तरीय टीकाकरण अभियान का बुधवार को ब्यावर से शुभारम्भ किया।

कुमावत ने श्री तिजारती सर्राफान चैम्बर गौशाला, ब्यावर में गोवंश को टीके लगवाए। कार्यक्रम के दौरान पशुपालन विभाग के 11 पशु परिचर, 38 पशुधन निरीक्षक, 16 पशु चिकित्सा अधिकारियों ने गौशाला में मौजूद 773 गोवंशीय पशुओं (272 नर एवं 501 मादा) का टीकाकरण किया । कुमावत ने लम्पी रोग से बचाव के लिए टीकाकरण को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने उपस्थित पशुपालकों को राज्य सरकार द्वारा पशुधन संरक्षण एवं पशुपालकों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि दो वर्ष पूर्व लम्पी रोग के लिए पृथक वैक्सीन उपलब्ध नहीं होने के कारण गोट पॉक्स वैक्सीन का उपयोग किया गया था, जिससे पशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हुई। अब लम्पी रोग के लिए विशेष वैक्सीन उपलब्ध होने से अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। राज्य में वर्ष 2025-26 के दौरान 108.95 लाख गोवंशीय पशुओं का टीकाकरण किया गया था। वर्ष 2026-27 के लिए 111.51 लाख पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ब्यावर जिले में वर्ष 2026-27 के दौरान 1 लाख 23 हजार 936 गोवंशीय पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के अंतर्गत होमोलॉगस रांची स्ट्रेन लाइव एटेन्यूएटेड वैक्सीन का उपयोग किया जा रहा है।

- सरकार ने इस वर्ष 111.51 लाख पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया

ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत ने कहा कि लम्पी स्किन डिजीज टीकाकरण अभियान के राज्य स्तरीय शुभारंभ का ब्यावर से होना जिले के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है। राज्य सरकार के लिए भारत माता, धरती माता और गौ माता की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। रावत ने गौसेवा को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र में नई गौशालाओं के संचालन एवं विस्तार की आवश्यकता पर बल देते हुए अपनी मांग रखी, जिस पर श्री कुमावत ने सकारात्मक रेस्पोंस दिया।

पशुपालन निदेशक डॉ. सुरेश चन्द मीणा ने कहा कि विभाग राज्य सरकार की मंशानुसार सभी योजनाओं को प्रभावी रूप से धरातल तक पहुंचाने तथा विभागीय लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध है।

अतिरिक्त निदेशक (क्षेत्र), पशुपालन विभाग अजमेर डॉ. नवीन परिहार ने बताया कि एलएसडी एक संक्रामक वायरल रोग है, जो मुख्य रूप से गोवंशीय पशुओं को प्रभावित करता है। अजमेर संभाग की समस्त गौशालाओं में गौवंश का प्राथमिकता से टीकाकरण सुनिश्चित करने हेतु सभी जिला संयुक्त निदेशकों एवं उपनिदेशकों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

कार्यक्रम के उपरांत गौशाला परिसर में अतिथियों द्वारा पौधारोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में पूर्व सभापति नरेश कनोजिया, अतिरिक्त कलक्टर ब्रह्मलाल जाट, पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, गौशाला अध्यक्ष, गौशाला संचालक, गोसेवक, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राजसमंद-सिरोही में फार्मर रजिस्ट्री आधारित उर्वरक वितरण प्रणाली होगी लागू

-कार्यालय संवाददाता-

- अनुदानित उर्वरकों के वितरण में बढ़ेगी पारदर्शिता, किसानों को मिलेगा सीधा लाभ
- प्रदेश में 86.66 लाख किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है, इस कार्य में राजस्थान देश के अग्रिणी राज्यों में शामिल : कृषि आयुक्त

जयपुर । कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण तथा उर्वरक विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार एग्रीस्टेक योजना के अंतर्गत जारी फार्मर रजिस्ट्री का उपयोग करते हुए राष्ट्रीय उर्वरक तंत्र के तहत फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल्स लागू किया जा रहा है।

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने बताया कि भारत सरकार द्वारा उर्वरकों पर भारी सब्सिडी प्रदान की जाती है। अनुदानित उर्वरकों का गैर कृषि कार्यों में उपयोग, कालाबाजारी, जमाखोरी आदि आपराधिक कृत्यों को रोकने के लिए इस अभिनव पहल को राजस्थान में प्रथम चरण में सिरोही एवं राजसमंद जिलों में पायलट परियोजना के रूप में 25 जून से लागू किया जा रहा है। इस प्रणाली के माध्यम से किसानों को अनुदानित उर्वरकों का वितरण अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं डिजिटल माध्यम से सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री आधारित एफएफएस प्रणाली लागू होने से वास्तविक किसानों की पहचान सुनिश्चित होगी तथा उर्वरकों के वितरण एवं उपयोग की निगरानी और अधिक सुदृढ़ हो सकेगी। इससे उर्वरकों की उपलब्धता, वितरण और स्टॉक प्रबंधन में पारदर्शिता आएगी तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

इस प्रणाली से कृषक स्वयं घर बैठे ही या नजदीकी ई मित्र पर जा कर अनुदानित उर्वरकों की बूकिंग कर टोकन जनरेट कर सकेंगे। यह टोकन अधिकतम 48 घंटे तक वैलिड रहेगा, जिसके बाद इसे दुबारा से बुक करना होगा। टोकन जनरेट होने के बाद कृषक नजदीकी उर्वरक डीलर से अनुदानित उर्वरक ले सकेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 86.66 लाख किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है। फार्मर आईडी बनाने में राजस्थान देश के अग्रिणी राज्यों में शामिल है। इस पहल के सफल क्रियान्वयन हेतु चयनित जिलों में आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

इसके तहत ब्लॉक एवं ग्रामवार कार्यरत खुदरा उर्वरक विक्रेताओं की जानकारी का एलजीडी कोड सहित पोर्टल पर अद्यतनकरण, पोर्टल पर लंबित उर्वरक प्राधिकार पत्रों को अपडेट करना, मास्टर ट्रेनर्स की पहचान, प्रचार-प्रसार सामग्री तैयार करना तथा उर्वरक विक्रेताओं को प्रशिक्षण प्रदान करने जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।इसके साथ ही चयनित जिलों में उर्वरकों के स्टॉक एवं उपलब्धता की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी तथा भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित की जाएगी। कृषि आयुक्त ने कहा कि यह पहल कृषि क्षेत्र में डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इससे किसानों को समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी तथा सरकारी अनुदान का लाभ वास्तविक पात्र किसानों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांकः-1561 जाहिर आम सूचना दि:- 24.06.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर योजना जयपुर में मण्डल द्वारा अवाप्त भूमि के बदले मुआवजा स्वरूप 15 प्रतिशत आवासीय विकसित भूखण्ड संख्या 112/SP-18 क्षेत्रफल 237.90 वर्गमीटर का आवंटन का खातेदार श्रीमती मीना जैन पत्नी श्री एन.के. जैन को किया गया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 0859 दिनांक 02.12.1998 को जारी किया गया था। श्रीमती मीना जैन द्वारा श्रीमती गीता मीणा पत्नी श्री बालमुकुन्द मीणा को दिनांक 09.01.2001 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्रीमती गीता मीणा द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का विक्रय श्री अभिषेक कोपड़ पुत्र श्री बालमुकन्द मीणा को दिनांक 27.10.2014 को जरिय विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया गया। क्रेती श्री अभिषेक कोपड़ पुत्र श्री बालमुकन्द मीणा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड अपने नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड के नाम दर्ज करने बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री अभिषेक कोपड़ पुत्र श्री बालमुकन्द मीणा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय,
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम जाहीर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 3/73 बनास विहार आवासीय योजना टोंक क्षेत्रफल 42.187 वर्गमीटर का आवंटन मूलतः श्रीमति नीलिमा पत्नी श्री रमेश सिंह आमेरा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 199 दिनांक 29.06.1996 जारी किया गया था। श्रीमति नीलिमा पत्नी श्री रमेश सिंह आमेरा द्वारा आवास का बैचान जरिये इकरारनामा, मुख्त्यारनामा व वसीयतनामा के श्री गोपाल राम पुत्र श्री गणेश राम जाट को किया गया। मण्डल के पत्र क्रमांक 436/1912 दिनांक 14.03.2013 के द्वारा नियमितिकरण पत्र व अदेय प्रमाण पत्र श्री गोपाल राम पुत्र श्री गणेशराम जाट के पक्ष में जारी किया गया। श्री गोपाल राम पुत्र श्री गणेश राम जाट द्वारा पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक टोंक में दिनांक 11.09.2013 को करवाया गया। श्री गोपाल राम पुत्र श्री गणेश राम जाट द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र के श्री रवि कुमार कृष्णानानी पुत्र श्री भगवान दास को किया गया। श्री रवि कुमार कृष्णानानी पुत्र श्री भगवान दास कृष्णानानी द्वारा पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक टोंक में दिनांक 11.09.2013 को करवाया गया। श्री रवि कुमार कृष्णानानी पुत्र श्री भगवान दास कृष्णानानी द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र के श्रीमति सुनीता बाला पत्नी श्री शिवराज बैरवा द्वारा पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक टोंक में दिनांक 23.09.2020 को करवाया गया। श्रीमति सुनीता बाला पत्नी श्री शिवराज बैरवा द्वारा नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने हेतु मण्डल नियमानुसार वांछित दस्तावेज यथा आवेदन पत्र मय प्रशासनिक शुल्क जमा चालान रसीद, शपथ पत्र, स्वयं, व गवाहान के पहचान संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत कर आवास संख्या 3/73 बनास विहार आवासीय योजना टोंक का स्थानान्तरण / हस्तानान्तरण अपने पक्ष में करने हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त हस्तानान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति /बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप में उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर आवेदिक श्रीमति सुनीता बाला पत्नी श्री शिवराज बैरवा के पक्ष में उक्त आवास के स्थानान्तरण / हस्तानान्तरण की कार्यवाही कर दी जायेगी।
आवासीय अभियन्ता, खण्ड-13, जयपुर

पावरग्रिड POWERGRID

सूचना

1. ऊपर बताए गए याचिकाकर्ता ने सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन, नई दिल्ली के सामने **याचिका-1** (उत्तरी क्षेत्र में 400 केवी ट्रांसमिशन लाइनों पर रिएक्टिव पावर कम्पेनसेशन) के लिए 2024-29 टैरिफ ब्लॉक के ट्रांसमिशन टैरिफ तय करने के लिए एक याचिका दायर की है।
2. ट्रांसमिशन सिस्टम से फायदा उठाने वाले ये हैं: **(क)** अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड **(ख)** जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड **(ग)** जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड **(घ)** पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड **ड.)** हरियाणा पावर परचेज़ सेंटर **(च)** जम्मू-कश्मीर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड **(झ)** उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड **(ञ)** बीएसइएस यमुना पावर लिमिटेड **(ट)** बीएसइएस राजधानी पावर लिमिटेड **(ठ)** टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड **(ड)** चंडीगढ़ इलेक्ट्रिसिटी डिपार्टमेंट **(ढ)** उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड **(ण)** नॉर्थ सेंट्रल रेलवे **(त)** नई दिल्ली म्युनिसिपल काउंसिल **(थ)** हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड **(द)** सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड **(ध)** एचवीपीएनएल

विवरण	
व्यावसायिक संचालन की निर्धारित तिथि	13.01.2024
व्यावसायिक संचालन की वास्तविक तिथि	30.06.2025 (परिसंपत्ति-1)
	22.10.2025 (परिसंपत्ति-2)
	20.03.2026 (परिसंपत्ति-3)
	25.04.2026 (परिसंपत्ति-4)
पूरा होने की अनुमानित लागत (लाख रुपये में)	83.92 करोड़

3. 2024-29 ब्लॉक के लिए टैरिफ का विवरण: (लाख रुपये में)

परिसंपत्ति	2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
परिसंपत्ति-1	-	105.38	224.58	229.80	229.85
परिसंपत्ति-2	-	55.49	158.07	201.04	215.78
परिसंपत्ति-3	-	16.54	534.45	581.12	596.97
परिसंपत्ति-4	-	-	277.45	338.26	357.19

4. टैरिफ के निर्धारण हेतु दायर याचिका की एक प्रति वेबसाइट **www.powergrid.in** पर उपलब्ध है।
5. याचिका में निहित टैरिफ निर्धारण के प्रस्तावों पर यदि किसी व्यक्ति, जिसमें लाभार्थी भी शामिल हैं, को कोई सुझाव अथवा आपत्तियाँ प्रस्तुत करनी हों, तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर आयोग के ई-पोर्टल के माध्यम से, उसकी एक प्रति याचिकाकर्ता को प्रेषित करते हुए, दाखिल कर सकते हैं।

स्थान: गुरूग्राम
दिनांक: 25.06.2026
हस्ता./-
वरिष्ठ महाप्रबंधक (वाणिज्यिक-सीसी)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
केन्द्रीय कार्यालय: ''सौदामिनी'', प्लॉट नं.-2, सैक्टर-29, गुरूग्राम, हरियाणा-122001
वेबसाइट: www.powergrid.in, सीआईएन: L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न उद्यम
PG/CC/Notice-28/Advt-32/2026-27 Centum

देवनानी ने लेह लद्दाक में प्रथम सिंधु कुंभ में पूजा-अर्चना

जयपुर । लेह-लद्दाख में आयोजित प्रथम सिंधु कुंभ राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता और आध्यात्मिक चेतना का विराट मंच बनकर उभरा। देशभर के लगभग 20 राज्यों से आए 3500 से अधिक श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं और सामाजिक प्रतिनिधियों की सहभागिता से सिंधु नदी का तट 'लघु भारत' का जीवंत प्रतिबिंब नजर आया। राजस्थान से भी करीब 500 श्रद्धालु इस ऐतिहासिक आयोजन में शामिल होने लेह-लद्दाख पहुंचे।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पवित्र सिंधु घाट पर मां सिंधु नदी और भगवान झूलेलाल की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश, प्रदेश और समाज की सुख-समृद्धि, शांति एवं प्रगति की कामना की। देवनानी ने कहा कि सिंधु नदी केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता की अमर प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सिंधु तट का संबंध वेदों और उपनिषदों की रचना से रहा है और भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास में इस क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। भगवान झूलेलाल का अवतरण भी इसी पवित्र नदी के तट पर हुआ, जिन्होंने मानवता, प्रेम, सद्भाव, सेवा, जल संरक्षण और लोककल्याण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सिंधु तट पर श्रद्धा, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का जो अद्भुत संगम दिखाई देता है, वह भारत की सनातन परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का सशक्त परिचायक है। सिंधु नदी का यह पावन तट अब भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता के साथ-साथ आध्यात्मिक दृष्टि से देश के पांचवें धाम के रूप में विकसित होता जा रहा है। बुधवार को आयोजित प्रथम सिंधु कुंभ में देशभर से जुटे हजारों श्रद्धालुओं ने भारत की विविधता में एकता की भावना को साकार किया। विभिन्न भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों से जुड़े लोग एक ही मंच पर एक सूत्र में बंधे नजर आए।

आयोजन में जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इन्द्रेश कुमार, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता, त्रिपुरा विधानसभा अध्यक्ष रामपदा जमातिया सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक विशिष्टजन उपस्थित रहे।

"लोकतंत्र की हत्या का काला अध्याय" विषय पर भाजपा की संगोष्ठी आज

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी की ओर से 25 जून को "लोकतंत्र की हत्या का काला अध्याय" विषय पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने बताया कि कार्यक्रम गुरुवार प्रातः 10 बजे दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान केंद्र के सभागार में आयोजित होगा। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उपस्थित रहेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ करेंगे। 25 जून भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक ऐसा दिन है, जिसे देश कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश में आपातकाल लागू कर लोकतांत्रिक संस्थाओं, संविधान प्रदत्त अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन किया गया था। लाखों लोकतंत्र सेनानियों, विपक्षी नेताओं, पत्रकारों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेलों में बंद किया गया तथा प्रेस पर सेंसरशिप लगाकर नागरिक स्वतंत्रताओं को कुचलने का प्रयास किया गया।

बबीता धाकड़ उर्फ खदीज़ा के तार करौली और गंगापुरसिटी से जुड़े होने का खुलासा

जयपुर से गिरफ्तार की गई जैश-ए-मोहम्मद की कथित महिला स्लीपर सेल एजेंट बबीता धाकड़ उर्फ खदीज़ा को लेकर सामने आए तथ्यों ने सुरक्षा एजेंसियों को भी चौंकाया

- बबीता धाकड़ मूल रूप से करौली जिले के बामोरी गांव की निवासी है, परिवार कई वर्ष पहले गांव छोड़कर गंगापुरसिटी में आकर बस गया था
- बबीता की शादी हिंडौन निवासी सोनू धाकड़ से हुई थी, लेकिन शादी के बाद रिश्तों में खटास आ गई थी, मामला न्यायालय तक पहुंच गया था, वर्ष 2018 से दोनों के बीच कानूनी लड़ाई चल रही है

गंगापुर सिटी, (निसं)। जयपुर से गिरफ्तार की गई जैश-ए-मोहम्मद की कथित महिला स्लीपर सेल एजेंट बबीता धाकड़ उर्फ खदीजा के तार गंगापुरसिटी और करौली जिले से जुड़े होने का खुलासा हुआ है। राजस्थान एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) और मिलिट्री इंटेलिजेंस की संयुक्त कार्रवाई में पकड़ी गई महिला को लेकर सामने आए तथ्यों ने सुरक्षा एजेंसियों को भी चौंका दिया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थी। फिलहाल केंद्रीय एजेंसियां उसके नेटवर्क और संपर्क सूत्रों की गहन पड़ताल कर रही हैं। जानकारी के अनुसार 37 वर्षीय बबीता धाकड़ मूल रूप से करौली जिले की नादौती तहसील के बामोरी गांव की निवासी है। परिवार कई वर्ष पहले गांव छोड़कर गंगापुरसिटी की कर्मचारी कॉलोनी में आकर बस गया था। बाद में करीब 15 वर्ष पूर्व परिवार जयपुर शिफ्ट हो गया। पिछले दिनों परिवार ने गंगापुरसिटी स्थित मकान भी बेच दिया। बबीता के पिता लालाराम धाकड़ खादी विभाग में कार्यरत रहे हैं और बबीता लंबे समय से जयपुर में ही रह रही थी। सोशल मीडिया के जरिए सीमा पार के हैंडलर्स के संपर्क में आई।

बबीता धाकड़ उर्फ खदीज़ा

बताया जाता है कि पारिवारिक तनाव और अदालती प्रक्रियाओं के बीच बबीता इंटरनेट पर कुछ ऐसे संदिग्ध समूहों और प्रोफाइल के संपर्क में आई। जिन पर युवाओं को कट्टरपंथ की ओर प्रेरित करने के आरोप लगते रहे हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार इसी दौरान उसके सोशल मीडिया संपर्क बढ़े और वह कथित तौर पर सीमा पार बैठे हैंडलर्स के संपर्क में पहुंच गई। बबीता की शादी हिंडौन निवासी सोनू धाकड़ से हुई थी, लेकिन शादी के बाद दोनों के बीच रिश्तों में खटास आ गई। पति-पत्नी के बीच विवाद बढ़ने के बाद मामला न्यायालय तक पहुंच गया। वर्ष 2018 से दोनों के बीच कानूनी लड़ाई चल रही है। गंगापुरसिटी की एसीजेएम कोर्ट में भरण-पोषण (मेंटेनेंस) तथा जेएम प्रथम न्यायालय में धारा 498-ए के तहत दहेज प्रताड़ना का मामला विचाराधीन है। गंगापुर सिटी कर्मचारी कॉलोनी में जिंद बाबा की समाधि के पास घर था। पड़ोसियों के अनुसार बबीता शुरू से ही आक्रामक स्वभाव की थी।

पोकरण में नकली घी बनाने का कारखाना पकड़ा

खाद्य सुरक्षा दल और पुलिस ने 900 किलो पाम ऑयल व 453 किलो घी जब्त किया

- विभिन्न ब्रांडों के लेबल, खाली टिन, पैकिंग सामग्री, ढक्कन, गैस टंकियां, भट्टी एवं पैकिंग मशीन भी बरामद की
- प्रारंभिक जांच में शक्ति, डेयरी बेस्ट सहित अन्य ब्रांडों के नाम से घी तैयार कर बाजार में विक्रय किए जाने के संकेत मिले

जैसलमेर, (निसं)। खाद्य सुरक्षा दल जैसलमेर ने पोकरण पुलिस के सहयोग से पोकरण क्षेत्र में एक संदिग्ध घी निर्माण इकाई पर कार्रवाई की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जैसलमेर डॉ. राजेन्द्र कुमार पालीवाल के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी किशना राम कड़वासरा द्वारा पोकरण पुलिस के सहयोग से भवानीपुरा, पोकरण स्थित एफसीआई गोदाम के पास एक किराए के मकान में संचालित नकली घी निर्माण इकाई पर छापा मारा।

कार्रवाई के दौरान पाया गया कि हुक्मीचंद उर्फ लाला टावरी द्वारा उक्त परिसर में विभिन्न ब्रांडों के नाम से घी तैयार कर पैकिंग एवं विक्रय का कार्य किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान 900 किलोग्राम पाम ऑयल, 453 किलोग्राम घी, विभिन्न ब्रांडों के लेबल, खाली टिन, पैकिंग सामग्री, ढक्कन, गैस टंकियां, भट्टी एवं पैकिंग मशीन बरामद कर जब्त की गई।

प्रारंभिक जांच में शक्ति, डेयरी बेस्ट सहित अन्य ब्रांडों के नाम से घी तैयार कर बाजार में विक्रय किए जाने के संकेत मिले हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आवश्यक नमूने लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इसके अतिरिक्त जिन ब्रांडों के नाम एवं पैकेजिंग सामग्री का उपयोग किया जा रहा था, उन संबंधित कंपनियों को भी प्रकरण की सूचना देकर आवश्यक कार्रवाई हेतु अवगत कराया गया है। जब्त सामग्री के संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत अग्रिम कार्रवाई की। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी किशना राम कड़वासरा ने बताया कि शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत जिले में मिलावटी एवं नकली खाद्य पदार्थों के निर्माण और विक्रय के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है तथा आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जोधपुर के पावटा अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर की जांच, नहीं मिला संक्रमण

- सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने के मामले में शुरुआती जांच रिपोर्ट ने राहत देने वाले संकेत दिए
- अस्पताल में भर्ती छह प्रसूताओं की ब्लड कल्चर, यूरिन और वेजाइनल स्वाब रिपोर्ट भी नेगेटिव आई

जोधपुर, (कासं)। राजकीय जिला अस्पताल पावटा में सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने के मामले में शुरुआती जांच रिपोर्ट ने राहत देने वाले संकेत दिए हैं। ऑपरेशन थिएटर (ओटी) की प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार का संक्रमण सामने नहीं आया है। वहीं अस्पताल में भर्ती छह प्रसूताओं की ब्लड कल्चर, यूरिन और वेजाइनल स्वाब रिपोर्ट भी नेगेटिव आई है। हालांकि चिकित्सकों ने उनमें हल्के संक्रमण के लक्षण मिलने की बात कही है, जिसके चलते उन्हें हाई-एंड एंटीबायोटिक उपचार दिया गया।

गौरतलब है कि शनिवार को पावटा जिला अस्पताल में आठ महिलाओं की सिजेरियन डिलीवरी हुई थी। ऑपरेशन के कुछ समय बाद सभी प्रसूताओं की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। कई महिलाओं को ब्लीडिंग और यूरिन संबंधी दिक्कतें सामने आईं। मामले के बाद अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया तथा ऑपरेशन थिएटर, उपयोग में ली गई दवाओं और मरीजों के विभिन्न सैंपल जांच के लिए भेजे गए। इन आठ महिलाओं में से गंभीर स्थिति वाली ललिता और सोनू को मथुरादास माथुर अस्पताल और फिर वहां से एम्स जोधपुर रेफर किया गया, जबकि बाकी छह प्रसूताओं का इलाज पावटा अस्पताल में जारी रखा गया। इन महिलाओं के शनिवार को लिए गए ब्लड कल्चर, यूरिन और वेजाइनल स्वाब सैंपलों की रिपोर्ट अब नेगेटिव आई है।

डॉ. कुलबीर चौपड़ा के अनुसार मरीजों में गंभीर संक्रमण नहीं मिला, लेकिन कुछ मामलों में हल्के संक्रमण के संकेत मिलने पर एहतियात के तौर पर उच्च स्तर की एंटीबायोटिक दवाएं शुरू की गईं। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन थिएटर की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट भी सामान्य आई है, हालांकि विस्तृत रिपोर्ट एक-दो दिन में आने की संभावना है। तब तक सुरक्षा के मद्देनजर ओटी को बंद रखा गया है। वहीं एम्स जोधपुर में भर्ती दो प्रसूताओं ललिता और सोनू की हालत अब भी स्थिर बनी हुई है। इनमें ललिता वेंटिलेटर सपोर्ट पर है और दोनों का उपचार विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में जारी है।

लोहे की फैक्टरी में गैस लीक होने से मजदूर झुलसा, गंभीर हालत में झुंझुनूं रेफर

- घायल मजदूर की पहचान झारखंड के दरीबा निवासी पवन कुमार के रूप में हुई
- फैक्टरी में लोहे की गाटर काटने के दौरान अचानक गैस रिसाव होने से हादसा हुआ

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी क्षेत्र के ढाणी भरगड़ान स्थित एक लोहे की फैक्टरी में बुधवार को गैस लीक होने की घटना में एक मजदूर गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद फैक्टरी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घायल मजदूर को तत्काल उपचार के लिए राजकीय उप जिला अस्पताल खेतड़ी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घायल मजदूर को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल लाया गया, जहां उपचार किया गया।

जानकारी के अनुसार घायल मजदूर की पहचान झारखंड के दरीबा निवासी पवन कुमार (25) पुत्र रिवा सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पवन कुमार काफी समय से ढाणी भरगड़ान स्थित लोहे की फैक्टरी में कार्यरत था और यहीं रहकर मजदूरी कर रहा था। बुधवार को फैक्टरी में लोहे की गाटर काटने के काम के दौरान अचानक गैस रिसाव हो गया, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। इस दौरान फैक्टरी में काम कर रहे अन्य कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत आग पर काबू पाया। घटना की सूचना मिलते ही फैक्टरी कर्मचारियों ने घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। राजकीय उप जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने घायल का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन शरीर के कई हिस्सों में गंभीर जलन और स्थिति नाजुक होने के कारण उसे बेहतर उपचार के लिए बीडीके अस्पताल झुंझुनूं रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद फैक्टरी में काम कर रहे अन्य मजदूरों में भी दहशत का माहौल देखा गया। घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं प्रशासनिक स्तर पर भी मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। गैस रिसाव के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की संभावना जताई जा रही है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल घायल मजदूर का झुंझुनूं में उपचार जारी है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

बदमाशों ने दुकान से नगदी पार की

अजमेर, (कासं)। नगरा क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। बीती रात नगरा-रोड स्थित एक जनरल स्टोर को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर हजारों रुपए की नगदी पर हाथ साफ कर दिया। पूरी वारदात क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

पीड़ित दुकान संचालक हरीश कुमार छाबड़ा ने बताया कि मुख्य रोड पर उनकी बी.आर. जनरल स्टोर नाम से परचूनी की दुकान है। बुधवार तड़के करीब 1:25 बजे एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर 4 से 5 बदमाश वहां पहुँचे। बदमाशों ने गाड़ी को किनारे खड़ा किया और सब्बल व अन्य धारदार औजारों के साथ दुकान के बाहर आए। इस दौरान कुछ बदमाश बाहर रेकी कर रहे थे, जबकि अन्य ने दुकान का शटर उठाकर ताला तोड़ दिया। चोरों ने दुकान के अंदर घुसकर दो गल्लों को निशाना बनाया। पीड़ित के अनुसार, चोर एक गल्ले से करीब 17-18 हजार की नगदी और दूसरे गल्ले में रखे करीब 2,000 के सिक्के भी समेट कर फरार हो गए। सुबह घटना की जानकारी मिलने पर इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद पीड़ित हरीश कुमार ने अलवर गेट थाने में मामले की लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौका मुआयना किया। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुट गई है।

बीकानेर में दामाद ने दोस्तों के साथ मिल ससुराल में 22 लाख की नगदी चुराई

- पुलिस ने आरोपी दामाद और उसके दो दोस्तों को गिरफ्तार कर 13 लाख रुपए बरामद कर लिए
- मकान की दीवार में छेद करके तीनों अंदर घुसे और संदूक का ताला तोड़कर रुपए लेकर फरार हो गए

बीकानेर, (निसं)। खाजूवाला थाना क्षेत्र में एक दामाद ने दोस्तों के साथ मिलकर ससुराल से 22 लाख रुपए चोरी कर लिए। युवक के ससुर ने खेत बेचा था, जिसकी उसे भनक लग गई। आरोपी दामाद ने दो दोस्तों के साथ मिलकर बिजनेस करने का प्लान बनाया। रात में दोस्तों के साथ ससुराल पहुंचा और मकान की दीवार में छेद करके तीनों अंदर घुसे। संदूक का ताला तोड़कर 22 लाख रुपए लेकर फरार हो गए। मामला खाजूवाला थाना क्षेत्र के चक 17 बीडी का है। घटना के बाद ससुर को दामाद पर शक हुआ और उन्होंने दामाद गिरधारी लाल मेघवाल और उसके दो दोस्तों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने आरोपी दामाद और उसके 2 दोस्तों को मंगलवार शाम गिरफ्तार कर 13 लाख 35 हजार रुपए बरामद कर लिए।

पुलिस थाना खाजूवाला के इंचार्ज सुरेंद्र प्रजापत ने बताया कि 17 जून को चक 17 बीडी निवासी गिरधारीराम मेघवाल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। जिसमें उन्होंने बताया कि 16 जून को मेरे घर में रखे 22 लाख रुपए चोरी हो गए हैं। दामाद सोहनलाल नायक और उसके दो दोस्त बूटा सिंह और दुलीचंद नायक पर शक है। रिपोर्ट में गिरधारी ने बताया कि मैंने अपना खेत बेचा था, जिसके 22 लाख रुपए मिले थे, जो हमने घर में संदूक में रखे हुए थे। रुपयों की भनक मेरे दामाद सोहनलाल नायक को लग गई थी। उसने अपने दोस्त बूटा सिंह और दुलीचंद नायक को इसकी जानकारी दी। दोनों दोस्तों ने मिलकर दामाद को बिजनेस करने के सपने दिखाए। दामाद के साथ घर में रखे 22 लाख रुपए चोरी कर लिए। पुलिस की जांच में सामने आया कि गिरधारी का दामाद मूल रूप से गंगानगर का रहने वाला है। इन दिनों पास के ही एक खेत में काम करता है। नशे के आदी सोहनलाल को रुपए देखकर लालच आ गया और उसने चोरी कर लिए। ससुर को अगले ही दिन ही पता चल गया था कि दामाद ने ही चोरी की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर शेष राशि और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

टोंक के खेतों में लगे ट्रांसफार्मर चोरी

टोंक, (निसं)। घाड़ थाना क्षेत्र के ठिकरिया कलां गांव में मंगलवार रात्रि को चोरों ने दो ट्रांसफार्मर चुरा लिए, जिसके बाद से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। चोरों ने जगन्नाथ गुर्जर के कृषि फार्म में लगी ट्रांसफार्मर (डीपी) को निशाना बनाया तथा वहीं राजू पुरी के खेत में लगे सिंगल फेस घरेलू ट्रांसफार्मर को भी चुरा लिया गया।

ग्रामीणों ने बताया कि चोरों ने बड़ी चालाकी से ट्रांसफार्मर से कीमती तांबा (कॉपर), ट्रांसफार्मर ऑयल और अन्य पुर्जे निकालकर फरार हो गए। चोरी की घटना का पता बुधवार सुबह लगा जब किसान अपने खेतों पर पहुंचे। ट्रांसफार्मर गायब देख वे दंग रह गए तथा ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित पक्ष ने तत्काल घाड़ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। संबंधित बिजली विभाग के अधिकारियों को भी घटना से अवगत करा दिया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि चोरों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए।

अवैध पिस्टल सहित एक गिरफ्तार: तारानगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक अवैध देशी पिस्टल सहित युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से मय मैगजीन अवैध पिस्टल जब्त की गई है। थानाधिकारी सतपाल बिश्नोई ने बताया कि थाने की टीम ने मंगलवार देर रात्रि को कस्बे के गाँव पण्डरेऊ टिब्बा निवासी मुल्जिम प्रवीण कुमार पुत्र जितेन्द्र कुमार के कब्जे से एक अवैध देशी पिस्टल मय मैगजीन जब्त की गई।

बीकानेर में हिस्ट्रीशीटर आवेश खान गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। पुलिस ने हार्डकोर बदमाश आवेश खान को गिरफ्तार किया है। कोटगेट थाना पुलिस की विशेष टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने संगठित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला स्तर के हिस्ट्रीशीटर को दबोचा।

कोटगेट थाना इंचार्ज धीरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि आवेश खान (32) थाना इलाके के रानी बाजार क्षेत्र का रहने वाला है। उस पर गैंग बनाकर संगठित अपराध करने, जबरन वसूली, फायरिंग कर धमकाने और फिरौती मांगने जैसे गंभीर आरोप हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ बीकानेर सहित अन्य जिलों में 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस निरीक्षक ने बताया कि जयपुर के कालवाड़ थाना क्षेत्र में एक व्यापारी के अपहरण और 20 लाख रुपए की फिरौती मांगने के मामले में भी गिरफ्तार हो चुका है। वर्तमान में कोटगेट थाने में दर्ज प्रकरण में वह फरार चल रहा था। पुलिस की एक टीम ने लगातार उस पर नजर रखी, आखिरकार वह पकड़ में आ गया।

प्रतियोगी परीक्षा की मुख्य सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत मुख्य सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा के तहत जारी की गई विचारित सूची 23 फरवरी 2026 में अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन संबंधित विभाग द्वारा किया गया। आयोग सचिव ने बताया कि पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन उपरांत अनुसूचित क्षेत्र एवं गैर अनुसूचित क्षेत्र हेतु विज्ञापित पदों के विरुद्ध कुल 53 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

Office of the Superintendent Engineering Watershed Development and Soil Conservation, Karauli

File no. ()/881-85 Date:16/06/2026

NOTICE INVITING BID

NIB No 03/2026-27 YEAR 2026

Bids for Sprayer Machine, Seed Bins, Manger etc production activity under PMKSY 2.0 Block Karauli, Mandrail & Todabhim in KARAULI Distt. of estimated value INR 130.68 Lakh (17.01+48.29+65.38=130.68 Lakh) are invited from interested bidders from 18-06-2026 at 09:00 AM to 29-06-2026 at 06:00 PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state and department website(https://water.rajasthan.gov.in/wdsc).

NIT NO.	NIB NO.	UBN NO.
03/2026-27	WSC2627A0444	WSC2627GLOB00688, WSC2627GLOB 00690 & WSC2627GLOB 00693

Superintendent Engineer
watershed development and soil conservation Department, Karauli

DIPR/C/10959/2026

अलवर में बिना फायर एनओसी चल रहे पांच कोचिंग सैंटर सील

'शहर में करीब 80 कोचिंग और लाइब्रेरी ऐसी हैं, जो बिना फायर एनओसी के धड़ल्ले से चल रही हैं'

- चलती हुई कोचिंग सील की तो युवकों ने कहा कि उनका बैग भी अंदर रह गया, अब कहां पढ़ाई करने जाएंगे, कुछ दिन बाद वनपाल सहित कई अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं हैं

अलवर, (निसं)। गत दिनों लखनऊ की एक बिल्डिंग में भीषण आग लगने से 15 लोगों की मौत के तीन दिन बाद बुधवार को अलवर नगर निगम प्रशासन चेता है। शहर के नयाबास सर्किल पर प्रशासन ने पांच कोचिंग सैंटर व लाईब्रेरी को सील कर दिया, जिनके पास आग बुझाने के उपकरण नहीं थे, न कोई फायर एनओसी थी। चलती हुई कोचिंग सील की तो युवकों ने कहा कि उनका बैग भी अंदर रह गया। अब कहां पढ़ाई करने जाएंगे। कुछ दिन बाद वनपाल सहित कई अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं हैं।

कार्रवाई के दौरान करियर मेकर कोचिंग के संचालक और नगर निगम की टीम के बीच उस समय तनातनी हो गई जब निगम के एक्सईएन धर्मेन्द्र मीणा ने कोचिंग संचालक से तू-तड़ाक में बात की। इसके बाद कोचिंग संचालक ने निगम अधिकारियों पर अभद्र भाषा में बात कर बेइज्जत करने और वसूली के लिए दबाव डालने के आरोप लगाए। विवाद बढ़ने पर कोचिंग संचालक ने निगम के एक्सईएन धर्मेन्द्र मीणा को सरेआम धमकी दे डाली। कहा कि आपके घर का अवैध निर्माण भी सामने लेकर आऊंगा। जैसे ही कोचिंग और लाइब्रेरी को सील करने की कार्रवाई शुरू हुई, नयाबास सर्किल पर सैकड़ों युवाओं और छात्रों की भारी भीड़ जमा हो गई। छात्रों ने निगम की इस अचानक कार्रवाई का विरोध करते हुए अपनी चिंता जताई।

फायर ऑफिसर अमित मीणा ने बताया कि बुधवार को 14 लाइब्रेरी और कोचिंग सेंटर्स को सील करने का टारगेट लेकर निकले हैं। शहर में करीब 80 कोचिंग और लाइब्रेरी ऐसी हैं, जो बिना फायर एनओसी के धड़ल्ले से चल रही हैं। छात्रों की सुरक्षा से कोई खिलवाड़ नहीं किया जाएगा।

बिना फायर एनओसी चल रही बिल्डिंगों पर जोधपुर निगम की कार्रवाई

- बिल्डिंग, जेडी नर्सिंग इंस्टीट्यूट और होटल सीज़ करने की कार्रवाई की

जोधपुर, (कासं)। शहर में बिना फायर एनओसी और सुरक्षा मानकों के संचालित की जा रही बिल्डिंगों व प्रतिष्ठानों पर नगर निगम की ओर से की जा रही कार्रवाई में तेजी आ गई है। बुधवार को नगर निगम को ओर से सरस्वती नगर डिस्ट्रिक्ट शॉपिंग सेंटर के पास स्थित एक बिल्डिंग को बिना फायर एनओसी के संचालित करने पर कार्रवाई की गई। यहां पर फायर सेफ्टी के उपकरण नहीं पाए गए। वहीं निगम की ओर से भगत कोठी में श्रीमंगल मारुति सुजुकी पर भी कार्रवाई की गई। लखनऊ में हुए कोचिंग हादसे के बाद अब नगर निगम ने यह कार्रवाई शुरू की है। इसी तरह शहर में निगम ने अतिक्रमण हटाने का भी अभियान चलाया।

निगम की ओर से भगत की कोठी में श्रीमंगल मारुति सुजुकी पर कार्रवाई की गई। यहां फायर सेफ्टी के उपकरण नहीं पाए गए। इस पर तुरंत बिल्डिंग को सील किया गया। इसके बाद इसी बिल्डिंग के पास जेडी नर्सिंग इंस्टीट्यूट को भी सील किया गया। निगम टीम ने सुबह कमला नेहरू नगर पाल लिंक रोड क्षेत्र में बासनी जायका होटल को सील किया।

नगर निगम के फायर सेफ्टी ऑफिसर जलज घसिया ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिन बिल्डिंगों में फायर सेफ्टी को लेकर मानक पूरे नहीं किए जा रहे हैं, उन पर कार्रवाई की जा रही है। निगम की ओर से पहले भी फायर सेफ्टी को लेकर पालना नहीं करने पर ऐसी बिल्डिंगों को नोटिस दिए गए थे। नोटिस मिलने के बाद भी जिन बिल्डिंगों ने फायर सेफ्टी को लेकर पालना नहीं की, उन पर अब कार्रवाई की जा रही है।

जानकारी के अनुसार अग्निशमन मानकों को पूरा नहीं करने वाले 523 व्यावसायिक भवन मालिकों को नगर निगम की अतिक्रमण शाखा एवं फायर शाखा ने नोटिस जारी किए हैं। जिन भवनों में फायर उपकरण उपलब्ध नहीं पाए गए अथवा अग्निशमन एनओसी नहीं थी, उनके विरुद्ध सीज की कार्रवाई की जा रही है।

आयुक्त राहुल जैन ने बताया कि जिन संस्थानों के पास फायर एनओसी उपलब्ध है, उनका भी नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान किसी भवन में फायर सिस्टम बंद या अनुपयोगी पाया जाता है तो संबंधित संचालक को नोटिस जारी किया जा रहा है। सीज़ किए गए भवनों के संचालकों को एक माह का समय दिया गया है, जिसमें आवश्यक फायर उपकरण स्थापित कर नगर निगम को इसकी सूचना देनी होगी। निर्धारित अवधि में आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं करने पर संबंधित भवन को पुन: सीज़ किया जाएगा, साथ ही जुर्माना राशि भी वसूल की जाएगी।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION BASERI

File No.412-19 Date: 16.06.2026

Notice Inviting Bid

NIB CODE PWD2627A1211

UBN PWD2627WSRC05177

Bids For NIT No. 04/2026-27 road repair Work on dlp roads of PWD Division baseri of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 18-06-2026 09:30 AM to Date 29-06-2026 upto 12:00 Noon. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 35.00 Lacs

(Deepu singh)
Executive Engineer
PWD Division Baseri

DIPR/C/10960/2026

पी.टी.आई. भर्ती-2022 के फर्जी डिग्री रैकेट का मुख्य दलाल पंकज जैन गिरफ्तार

यूनिवर्सिटी से बैकडेट में बी.पी.एड. डिग्री दिलाकर करवाई थी सरकारी नौकरी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में सरकारी भर्तियों में फर्जी डिग्रियों के जरिए नौकरी दिलाने वाले गिरोहों पर शिकंजा कसते हुए स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) भर्ती परीक्षा-2022 में उत्तर प्रदेश की यूनिवर्सिटी से बैक डेट में फर्जी बीपीएड (बी.पी.एड.) डिग्री दिलाने वाले मुख्य दलाल पंकज कुमार जैन (42) निवासी करवर जिला बूंदी हाल चित्रकूट जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित को जयपुर के चित्रकूट क्षेत्र से दबोचा गया है। उसे न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

आरोपी पंकज कुमार जैन

एसओजी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 में जे.एस. यूनिवर्सिटी, शिकोहाबाद (उत्तर प्रदेश) से जारी फर्जी बीपीएड डिग्रियों के मामले में एसओजी ने दर्ज प्रकरण के तहत जांच की जा रही है। जांच में सामने आया कि पंकज कुमार जैन ने अपने सहयोगी पवन सिंह चौहान उर्फ पीएस चौहान के साथ मिलकर भर्ती के एक अभ्यर्थी राजेश कुमार फागणा को फर्जी बीपीएड डिग्री और मार्कशीट उपलब्ध कराने के लिए 1 लाख 30 हजार रुपए में सौदा किया था। इसके बाद आरोपी ने जेएस यूनिवर्सिटी के चांसलर सुकेश कुमार और रजिस्ट्रार नंदन कुमार मिश्रा से मिलीभगत कर पूरे फर्जीवाड़े को अंजाम दिया।

- **एसओजी ने आरोपी को न्यायालय में पेश करके रिमांड पर लिया**

बंसल ने बताया कि अभ्यर्थी राजेश फागणा का यूनिवर्सिटी में शिक्षा सत्र 2020-22 में बैक डेट में प्रवेश दर्शाया गया, जबकि उसे सत्र 2017-19 के चारों सेमेस्टर की फर्जी मार्कशीटें जारी कर दी गईं। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर उसने शारीरिक शिक्षक के पद पर सरकारी नौकरी हासिल कर ली। एसओजी एडीजी बंसल ने बताया कि इस हाई-प्रोफाइल फर्जी डिग्री रैकेट में जे.एस. यूनिवर्सिटी के चांसलर, रजिस्ट्रार समेत तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य दलाल पंकज जैन की गिरफ्तारी के बाद अब जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

एसओजी अब रिमांड अवधि के दौरान यह पता लगाने में जुटी है कि पंकज जैन ने राजस्थान के कितने अन्य अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश की इस यूनिवर्सिटी से फर्जी डिग्रियां दिलवाईं। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ में भर्ती घोटाले से जुड़े कई और नाम सामने आ सकते हैं। एसओजी अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में फर्जी डिग्री रैकेट से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी संभव है।

जयपुर की होटल में शेयर कारोबारी की संदिग्ध मौत

जयपुर (कासं)। नारायण विहार थाना क्षेत्र में बजरी मंडी के पास स्थित एक होटल में शेयर मार्केट कारोबारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में दोस्तों द्वारा मारपीट कर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। मृतक के साथ होटल में ठहरे साथी वारदात के बाद फरार हो गए। आरोपियों द्वारा घटना के बाद फेसबुक लाइव करने का मामला भी सामने आया है।

- **दोस्तों पर हत्या का आरोप, होटल में साथ ठहरे युवक फरार हुए**
- **आरोपियों द्वारा घटना के बाद फेसबुक लाइव करने का मामला भी सामने आया**

एसआई धर्मेंद्र ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट होगी। जांच में सामने आया है कि गुरु प्रसाद पिछले दो दिनों से अपने पांच-छह दोस्तों के साथ होटल में ठहरा हुआ था और पार्टी कर रहा था।

मृतक के बड़े भाई गुरु चरण सिंह ने बताया कि गुरु प्रसाद सोमवार दोपहर दोस्तों से मिलने की बात कहकर घर से निकला था। मंगलवार देर रात पुलिस ने परिवार को सूचना दी। होटल पहुंचने पर उसके शरीर पर चोटों के निशान और बिस्तर की चादर पर खून के धब्बे मिले। होटल स्टाफ ने बताया कि मृतक अपने दोस्तों के साथ कमरे में ठहरा हुआ था। पुलिस जांच में सामने आया है कि मंगलवार शाम सभी दोस्त होटल छोड़कर चले गए थे। देर रात होटल स्टाफ ने कमरे का दरवाजा खुला देखा तो अंदर गुरु प्रसाद बेसुध अवस्था में मिला। जांच के दौरान यह भी पता चला कि होटल से निकलने के बाद कुछ युवकों ने वाहन में बैठकर फेसबुक लाइव किया था। वीडियो में राजेश कुमावत, सुरेश गुर्जर, गौरीशंकर, श्रवण कुमावत सहित अन्य युवक दिखाई दे रहे थे। बाद में यह वीडियो हटा दिया गया।

एसआई धर्मेंद्र ने बताया कि मृतक के शरीर पर कई चोटों के निशान और खून जमने के प्रमाण मिले हैं। आशंका है कि शराब पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ और नशे में धुत साथियों ने उसके साथ मारपीट की। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। जांच में यह भी सामने आया है कि जिस होटल में घटना हुई, वह आरोपी सुरेश गुर्जर के भाई मुकेश का बताया जा रहा है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

74 भवनों का किया निरीक्षण, 53 को नोटिस थमाया

जयपुर। आगजनी घटनाओं को ध्यान में रखकर नगर निगम जयपुर फायर एनओसी को लेकर लगातार सर्वे करने के साथ जागरुकता अभियान चला रहा है। आगामी समय में इस काम में और तेजी लाई जाएगी। बुधवार को निगम की टीम ने 74 भवनों का निरीक्षण किया और कमियां पाई जाने पर 53 भवन मालिकों को नोटिस दिया गया।

उपायुक्त फायर प्रवीण कुमार ने बताया कि नगर निगम सर्वे के माध्यम से यह जांच रहा है कि किसने फायर एनओसी ले रखी है या नहीं और जिन्होंने ले रखी है वे नियमों की पालना कर रहे है या नहीं। नियमों की पालना और एनओसी लेने को लेकर भवन या संस्थान मालिकों को जागरुक किया जा रहा है।

शराब पीने से रोकने पर पत्थर-डंडों से पीट-पीटकर युवक की हत्या की

सांगानेर क्षेत्र का मामला, आधा दर्जन बदमाशों ने किया था पथराव

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सांगानेर सदर थाना क्षेत्र में दुकान के बाहर शराब पीने से रोकना एक युवक को भारी पड़ गया। आधा दर्जन युवकों ने पहले घर पर पथराव किया और बाद में युवक को अकेला पाकर पत्थर व डंडों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक की बुधवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे परिवार के चार अन्य सदस्य भी घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने परिजनों के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।

थानाधिकारी अनिल जैमन ने बताया कि मृतक की पहचान शिक्षा सागर कॉलोनी, गोविंदपुरा निवासी संजू शर्मा (28) के रूप में हुई है। वह पानी के टैंकर सप्लाई का कार्य करता था। उसके भाई की किराना दुकान घर के बाहर ही स्थित है। थानाधिकारी के अनुसार मंगलवार रात पड़ोस के खेत में एक शादी समारोह चल रहा था। रात करीब 11 बजे कुछ युवक दुकान के बाहर बैठकर शराब पी रहे थे। परिजनों ने उन्हें वहां से जाने के लिए कहा, जिस पर विवाद हो गया। आरोप है कि युवक कुछ देर बाद अपने अन्य साथियों के साथ लौटे और घर पर पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान संजू उन्हें समझाने के लिए बाहर गया। लेकिन आरोपियों ने उसे घेर लिया और पत्थर से सिर पर हमला कर दिया। इसके बाद डंडों से ताबड़तोड़ वार किए। परिवार के लोग बचाने पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। जिससे चार लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल संजू को तत्काल सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां बुधवार सुबह उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई मंगल शर्मा ने बताया कि संजू के परिवार में पत्नी, छह वर्षीय बेटी और तीन वर्षीय बेटा है। घटना के बाद परिवार में शोक की लहर है। घायलों का प्राथमिक उपचार कराया गया है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए गए है।

शातिर चोर श्रवण सैन गिरफ्तार

जयपुर। श्याम नगर थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर दुपहिया वाहन चोर को गिरफ्तार कर चोरी की गई (दुपहिया) मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपित नशे का आदी है और नशे की लत पूरी करने के लिए वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि श्याम नगर थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर दुपहिया वाहन चोर श्रवण कुमार सैन (38) निवासी खोरा बीसल जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई मोटरसाइकिल को कटी हुई हालत में बरामद किया है।

त्रिपोलिया बालाजी मंदिर में मुख्यमंत्री ने की पूजा-अर्चना

सांगानेर क्षेत्र के 115 धार्मिक स्थलों के कायाकल्प के लिए 50 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सांगानेर स्थित प्राचीन त्रिपोलिया बालाजी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने सांगानेर क्षेत्र के संघीजी जैन मंदिर और सांगा बाबा मंदिर सहित कुल 115 धार्मिक स्थलों के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार के लिए 50 करोड़ रुपये की लागत के भव्य विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

8 दिन से लापता युवती का शव 200 मीटर दूर कुएं में सड़ी-गली हालत में मिला

जयपुर (कासं)। जयपुर ग्रामीण के जमवारामगढ़ क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक कुएं में 20 वर्षीय युवती का सड़ा-गला शव मिला। सूचना पर पुलिस, प्रशासन और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची और करीब 20 मिनट के रेस्क्यू अभियान के बाद शव को कुएं से बाहर निकालकर पुलिस के सुपुर्द किया।

पुलिस के अनुसार मृतका 16 जून से लापता थी। परिजनों ने काफी तलाश के बाद 18 जून को जमवारामगढ़ थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। इसके बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी। थानाधिकारी भगवान सहाय मीणा ने बताया कि युवती का शव उसके घर से महज 200 मीटर दूर स्थित एक कुएं में मिला। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका है कि वह करीब सात से आठ दिन पुराना है। ग्रामीणों के अनुसार जिस कुएं में शव मिला, वहां लोगों की नियमित आवाजाही रहती है। ऐसे में इतने दिनों तक शव का कुएं में पड़े रहना कई सवाल खड़े कर रहा है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। प्रारंभिक तौर पर मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस आत्महत्या, दुर्घटना और अन्य संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। थानाधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल मामले को संदिग्ध मानते हुए हर एंगल से जांच की जा रही है।

- **गत 16 जून से लापता थी युवती, 2 दिन बाद जमवारामगढ़ थाने में परिजनों ने दर्ज करायी थी गुमशुदगी**
- **पुलिस का कहना है कि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट व फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर मौत के कारणों का खुलासा होगगा**
- **पुलिस इस मामले को संदिग्ध मानते हुए हर एंगल से जांच करने में जुटी**

ऑनलाइन सट्टा रैकेट का भंड़ाफोड, थार गाड़ी समेत लाखों रु. का सामान जब्त

जयपुर। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने विशेष सर्च अभियान में ऑनलाइन सट्टा रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए हिस्ट्रीशीटर,वाहन चोर और अन्य आरोपियों सहित चार जनों को गिरफ्तार किया है। खोह नागोरियान थानाधिकारी प्रकाश राम ने बताया कि विशेष सर्च अभियान में 10 विशेष टीमों का गठन किया गया और टीमों ने क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

इस अभियान के दौरान पुलिस ने अवैध ऑनलाइन सट्टा संचालित करते हुए पप्पन खान (30) निवासी खोह नागोरियान को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से एक महिंद्रा थार, एक लैपटॉप, नौ मोबाइल फोन तथा 39,500 रुपए की नकदी बरामद की गई। वहीं इसी अभियान के दौरान पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में वांछित आरोपी अशोक कुमार मीना उर्फ आशु (27) निवासी सपोटरा जिला करौली को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की। आरोपी के खिलाफ पूर्व में दर्ज वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई की गई। इसके अलावा क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर शकील उर्फ छोटा शकील (47) को गिरफ्तार कर पाबंद किया गया।

कर्मचारी चयन बोर्ड के लापरवाह रवैये से कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती-2024 के 443 पदों पर नियुक्ति अटकी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती-2024 में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से अतिरिक्त अभिशंषा जारी नहीं किए जाने के कारण 443 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया अटक गई है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि सभी औपचारिकताएं समय पर पूरी किए जाने के बावजूद बोर्ड की देरी और विभिन्न प्रकृति के मामलों को एक साथ क्लब किए जाने से पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिलने में लगातार देरी हो रही है।

सूत्रों के मताबिक कर्मचारी चयन बोर्ड से प्राप्त अंतिम अभिशंषा के आधार पर अब तक 1161 अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जा चुकी है। इसके बाद प्रथम चरण में एक से अधिक स्थानों पर चयनित अभ्यर्थियों के कारण रिक्त हुए 388 (380 व 8) पदों तथा विभिन्न कारणों से अपात्र घोषित 55 (49 व 6) अभ्यर्थियों के स्थान पर अतिरिक्त अभिशंषा उपलब्ध कराने के लिए कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता विभाग ने समय-समय पर बोर्ड को पत्र भेजे। इस संबंध में 5 फरवरी, 29 मई, 4 अप्रैल तथा 16 जून के माध्यम से आवश्यक अनुरोध किए जा चुके हैं।

सूत्रों की मानें तो, चार माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद बोर्ड ने अतिरिक्त अभिशंषा जारी नहीं की है। उनका कहना है कि यदि इन प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाता तो सैकड़ों युवाओं को अब तक नियुक्ति मिल चुकी होती। विभिन्न प्रकार के मुद्दों को एक साथ जोड़कर लंबित रखने के कारण पूरी भर्ती प्रक्रिया प्रभावित हुई है और 443 अभ्यर्थियों की नियुक्ति अटकी हुई है।विभागीय अधिकारियों ने यह भी बताया कि इस अनावश्यक विलंब के कारण अभ्यर्थी पिछले कई महीनों से विभागों और संबंधित कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें स्पष्ट एवं संतोषजनक उत्तर नहीं मिल पा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव (कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता) ने कर्मचारी चयन बोर्ड को अतिरिक्त अभिशंषा शीघ्र जारी करने के लिए पत्र लिखने तथा कार्मिक विभाग के सचिव के साथ बैठक आयोजित कर प्रकरण का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उम्मीद जताई है कि बोर्ड शीघ्र निर्णय लेकर लंबित अभिशंषाएं जारी करेगा, ताकि 443 रिक्त पदों पर नियुक्तियां बिना किसी और देरी के पूरी की जा सकें और पात्र अभ्यर्थियों को अधिकार मिल सके।

- **राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से अतिरिक्त अभिशंषा जारी नहीं किए जाने के कारण अटकी हुई है यह नियुक्ति**
- **कौशल उद्यिमता विभाग ने फरवरी से अब तक 4 बार पत्र लिखे, परंतु बोर्ड की ओर से कोई कार्यवाही नहीं हुई**

सार-समाचार

डॉ. लीलाधर दोचानिया की पुस्तक ''जिंदगी मुस्कुराती रहे'' प्रथम स्थान पर चयनित

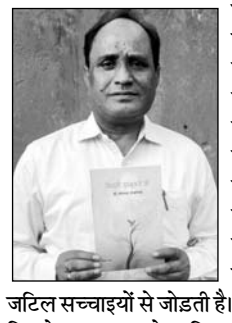

जयपुर। सिरेमिक अकादमी जयपुर की हिंदी मैगजीन करेंट अफेयर्स ने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के पूर्व उप निदेशक डॉ लीलाधर दोचानिया के कविता संग्रह जिंदगी मुस्कुराते रहे को वर्ष 2026 की चार चर्चित पुस्तकों में प्रथम स्थान पर चयन किया है। यह पुस्तक वर्तमान के नकारात्मक माहौल में सकारात्मकता का सन्देश देती है। पुस्तक में कविताएं सौन्दर्य व भावुकता तक सीमित नहीं रखकर समाज, समय और मनुष्य की जटिल सच्चाइयों से जोड़ती है। यह उल्लेखनीय है, डॉ. लीलाधर दोचानिया पिछले चार दशक से साहित्य और लेखन के क्षेत्र में सक्रिय है।

10वीं की छात्रा का अपहरण कर दुष्कर्म

जयपुर। राजधानी में 10वीं कक्षा की 15 वर्षीय छात्रा को झांसे में लेकर अपहरण और दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने छात्रा को एक मोबाइल फोन उपहार में देकर नजदीकियां बढ़ाई और उसका भरोसा जीत लिया। गत 2 जून को आरोपी ने पीड़िता को मिलने के बहाने घर के पास बुलाया और बहला-फुसलाकर सुनसान जगह ले गया, जहां डरा-धमकाकर दुष्कर्म किया। आरोपी ने किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी और उसे घर के पास छोड़कर फरार हो गया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसी रात नाबालिग को सकुशल दस्तयाब कर लिया। मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग के दौरान पीड़िता ने आपबीती सुनाई, जिसके बाद मामले में पोक्सो और दुष्कर्म की धाराएं जोड़कर आरोपी को दबोच लिया गया।

प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्था ठप : डोटासरा

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राजस्थान की चिकित्सा व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से चरमरा गई हैं, लोगों को न तो समय पर उपचार मिल रहा है और न ही दवाइयां उपलब्ध हो रही हैं। सरकारी अस्पतालों में कथित रूप से नकली इंजेक्शन लगाए जाने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई जवाबदेही तय नहीं की जा रही। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए डोटासरा ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना, राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) और राइट टू हेल्थ जैसी योजनाएं लागू कर आमजन और कर्मचारियों को निजी अस्पतालों में 25 लाख रुपये तक के नि:शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई थी। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। डोटासरा ने कहा कि कोटा में पांच प्रसूताओं की मौत हो गई, जबकि छह महिलाएं गंभीर रूप से बीमार हैं। इसी तरह जोधपुर में दो महिलाएं गंभीर अवस्था में हैं और छह अन्य चिकित्सकीय लापरवाही के कारण परेशान हैं। बीकानेर में भी छह महिलाओं का समुचित उपचार नहीं हुआ, जिनमें से दो की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि परिजन आज भी न्याय की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं और कुछ महिलाओं की किडनी फेल होने की घटनाएं भी सामने आई हैं। उन्होंने एसएमएस अस्पताल के आईसीयू में आग लगने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह घटनाएं साबित करती हैं कि राजस्थान की चिकित्सा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और चिकित्सा मंत्री ने इन घटनाओं पर संवेदना के दो शब्द तक व्यक्त नहीं किए और न ही पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे।

रक्षा क्षेत्र में निवेश, नवाचार और कौशल विकास पर चर्चा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार, रीको एवं इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को जयपुर में ''रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता'' विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में भारत के रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने के लिए उपलब्ध अवसरों, चुनौतियों तथा व्यावहारिक समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया। उद्घाटन सत्र में रीको के कार्यकारी निदेशक आकाश तोमर ने बताया कि यह कार्यशाला रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राज्यों एवं विभिन्न हितधारकों की सक्रिय भागीदारी से रक्षा विनिर्माण में देश की स्वदेशी क्षमताओं को और मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से जमीनी स्तर के अनुभवों को संकलित कर रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आने वाली बाधाओं की पहचान की जायेगी एवं इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने हेतु व्यावहारिक सुझाव तैयार किए जाएंगे।

राज्य सरकार, रीको एवं इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को जयपुर में ''रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता'' विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई।

कार्यशाला के दौरान रक्षा क्षेत्र की संभावनाओं, डीआरडीओ की भूमिका, राजस्थान एयरोस्पेस एवं डिफेंस नीति-2026 के अंतर्गत उपलब्ध प्रोत्साहनों, वर्तमान औद्योगिक आधारभूत संरचना, कौशल विकास, अनुसंधान एवं अकादमिक सहयोग एवं एमएसएमई समर्थन जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यशाला से प्राप्त सुझावों को राज्य स्तरीय रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा, जो राष्ट्रीय रक्षा विनिर्माण रोडमैप के निर्माण में भी योगदान देंगे।

वीरेंद्र कुमार अधाना, डिप्टी डायरेक्टर जनरल, डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस प्रोडक्शन, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने बताया कि रक्षा विनिर्माण, आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण आधार है। इस क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, क्षमता निर्माण और रणनीतिक आत्मनिर्भरता पर विशेष बल दिया जा रहा है तथा भारत ने रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।

चर्चा के दौरान रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में राजस्थान की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित किया गया जिसमें बताया गया कि रक्षा उत्पादन के लिये महत्वपूर्ण मजबूत इंजीनियरिंग क्षमता, एमएसएमई नेटवर्क, भूमि उपलब्धता, बेहतर कनेक्टिविटी तथा विकसित औद्योगिक आधार आवश्यक हैं जोकि राजस्थान में उपलब्ध हैं। कार्यक्रम के दौरान हाल ही में राजस्थान सरकार द्वारा लागू की गई राजस्थान एयरोस्पेस एवं डिफेंस नीति-2026 के बारे में भी प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यशाला में रीको द्वारा अजमेर जिले के किशनगढ़ स्थित उदयपुर खुर्द क्षेत्र को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब बनाये जाने की जानकारी भी दी गई। साथ ही ड्रोन, भूमि आधारित रक्षा प्रणालियों, डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स, एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर एवं ओवरहॉल) तथा प्रिसीजन इंजीनियरिंग जैसे प्राथमिक क्षेत्रों में राजस्थान में मौजूद संभावनाओं पर चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त दौसा-बांदीकुई, कोटा तथा प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोरों को भविष्य के निवेश और औद्योगिक विकास के प्रमुख केंद्रों के रूप में चिन्हित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने विचारों के आदान-प्रदान के लिए ऐसी प्रभावशाली कार्यशाला के आयोजन की सराहना की और संकल्प किया कि सरकार, उद्योग, शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों तथा अन्य हितधारकों के बीच निरंतर सहयोग से राजस्थान को अग्रणी बनाएंगे।

- **कार्यशाला में रीको की ओर से बताया गया कि ''किशनगढ़ स्थित उदयपुर खुर्द क्षेत्र को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।''**
- **बैठक में ड्रोन, भूमि आधारित रक्षा प्रणालियों, डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स, मेंटेनेंस, रिपेयर एवं ओवरहॉल तथा प्रिसीजन इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में राजस्थान में मौजूद संभावनाओं पर चर्चा हुई।**

Global Beatles Day

It was in the year 1960, on a foggy island found Nor-Norwest of Spain that music history changed forever. Four young proto-gods came together to form what would be one of the most influential rock bands to ever come out of England, if not the entire world. We're speaking, of course, of the Beatles. Paul McCartney, George Harrison, John Lennon, and Ringo Starr. These four boys came together to change the world, one song at a time. Global Beatles Day is a yearly holiday that takes place to celebrate and honour the ideals of The Beatles. The day is celebrated with a number of events around the world and music that celebrate harmony and peace.

#RULER

The King Who United With Traditions

King Thirumalai Nayak created Madurai's Grand Chithirai Festival, a powerful symbol of harmony between Shaivism and Vaishnavism

History remembers many kings for their conquests, monuments, and wealth. But few rulers are remembered for bringing people together through faith and celebration. In Madurai, one such visionary was King Thirumalai Nayak, whose ingenious decision transformed a local religious observance into one of South India's greatest festivals.

Centuries ago, the sacred wedding of Goddess Meenakshi and Lord Sundareswarar, known as Meenakshi Thirukalyanam, was celebrated during the Tamil month of Masi. Although the event held immense religious significance, it coincided with the busy harvest season. Farmers and villagers were occupied in their fields, making it difficult for many devotees to travel to Madurai and participate in the festivities.

As a result, attendance was often limited. Even the magnificent temple chariot procession, one of the highlights of the celebration, struggled to attract enough people to pull the massive wooden car through the streets. The festival's spiritual grandeur was not matched by public participation.

At the same time, another important religious tradition was taking place during the Tamil month of Chithirai. Lord Kallazhagar, the revered form of Vishnu from Alagar Kovil, would begin his divine journey towards Madurai. Thousands of devotees eagerly awaited his arrival, making the event one of the most anticipated Vaishnavite celebrations in the region.

Recognizing an opportunity, King Thirumalai Nayak came up with a remarkable solution. He merged the Shaivite celebration of Meenakshi Thirukalyanam with the Vaishnavite festival of Kallazhagar's journey, bringing both traditions together under a single grand celebration during the month of Chithirai. The decision was revolutionary. By shifting the wedding festival to a time when the harvest season had ended, people were free to travel and participate. Devotees arrived in thousands from villages and towns across the region. The streets of Madurai came alive with music, processions, rituals, and celebrations. The giant temple chariot rolled through the city with ease, pulled by countless hands united in devotion.

More importantly, the festival became a powerful symbol of harmony between two major traditions of Hindu worship, Shaivism and Vaishnavism. The divine marriage of Meenakshi and Sundareswarar and the journey of Kallazhagar became interconnected events, celebrated by devotees regardless of sectarian affiliation.

Today, the Chithirai Festival of Meenakshi Amman Temple is one of the largest and most vibrant religious festivals in India. Millions witness the celestial wedding, the grand chariot procession, and the dramatic arrival of Kallazhagar. What began as a practical solution to a seasonal problem evolved into a lasting cultural legacy.

Thirumalai Nayak's vision was more than administrative wisdom. It demonstrated how faith could unite communities rather than divide them. By bringing together Vaishnavites and Shaivites in a shared celebration, he created a festival that continues to embody devotion, inclusiveness, and social harmony centuries later.

Every Chithirai, as Madurai erupts in celebration, it pays tribute not only to its deities but also to a king whose foresight transformed religious traditions into a living symbol of unity.

Mirza Yawar Baig
Naturalist and Wildlife Conservationist

"Boys will be boys." That leeway is not given to girls. Girls don't need to deal with testosterone, which in adolescent boys can become a huge problem, especially in today's culture where there seems to be no way to expend it in strenuous, potentially dangerous pursuits. Scrolling screens is not strenuous, though dangerous. Boys need to test themselves in tough, potentially dangerous situations, to find their equilibrium and grow into men. For this, they need supervision from positive male role models to develop healthy masculinity, emotional intelligence, and self-worth. Involved men, fathers, uncles, or mentors, provide a model for identity, discipline, and respectful behaviour, helping boys navigate emotions and reduce behavioural issues.

Boys Need Their Fathers

PART:1

#RAISING SONS

Let me begin by two quotes from an article called 'Beyond these Stone Walls' by Fr. Gordon J. MacRae, "Daniel Patrick Moynihan wrote: "From the wild Irish slums of the 19th-century Eastern Seaboard to the riot-torn suburbs of Los Angeles, there is one unmistakable lesson in American history: A community that allows a large number of young men to grow up in broken homes, dominated by women, never acquiring any stable relationship to male authority, never acquiring any rational expectations for the future - that community asks for and gets chaos.""

The United States has less than five percent of the world's population, but twenty-five percent of the world's prisoners. The U.S. has more young men in prison today than all of the leading 35 European countries combined. The ratio of prisoners to citizens in the U.S. is four times what it is in Israel, six times what it is in Canada and China, and thirteen times what it is in Japan.

Our boys are spaced out. We have a major boy-raising problem which should be addressed urgently. Boys are raised badly, thanks to a combination of disinterested fathers and overindulgent mothers. Mothers ruin boys. They don't ruin girls. Girls are taught boundaries, manners, caring, responsibility and accountability. But not boys. Especially not in Middle Eastern and South Asian cultures. Boys are indulged and their hormone-induced bad behaviour is tolerated and indulged and explained away as, "Boys will be boys." That leeway is not given to girls. Girls don't need to deal with testosterone, which in adolescent boys can become a huge problem, especially in today's culture where there seems to be no way to expend it in strenuous, potentially dangerous pursuits. Scrolling screens is not strenuous, though dangerous. Boys need to test themselves in tough, potentially dangerous situations, to find their equilibrium and grow into men. For this, they need supervision from positive male role models to develop healthy masculinity, emotional intelligence, and self-worth. Involved men, fathers, uncles, or mentors, provide a model for identity, discipline, and respectful behaviour, helping boys navigate emotions and reduce behavioural issues. Remember "village?"

This problem is exacerbated in wealthy families where boys live on the expense accounts of their fathers. That is the worst crime that you can commit against your child. When he is conditioned to live in a state where he doesn't need to earn anything and every need is satisfied because of who he is, not what he achieved, he becomes a parasite. When you condition him to believe that whatever doesn't come automatically will come if he asks for it, you have taken away all his initiative and courage and made him a beggar in a designer suit. He grows up with an entitled attitude which takes away his ability to lead others, build and work in teams, have a healthy and happy marriage, and raise emotionally stable children. He is entitled and expects the world to conform. When that doesn't happen, he is lost and emotionally adrift, directionless. This state manifests itself in antisocial behaviour, breakdown of relationships, anger, depression, and despair. He doesn't know how to deal with authority, or to exercise it. The good news is that this is not inevitable. It is avoidable if there is will in the parents.

Hyderabad Public School, Begumpet.

Consider this. In the 1980s and 90s, to deal with the problem of overpopulation of elephant herds in Kruger National Park, many elephants were relocated to Pilanesberg and Hluhluwe-uMfolozi National Parks. Since they were airlifting individual animals by helicopter, they found that it was easier to do it with cows and adolescent calves, and so that is what they did. The big bulls were left behind because they were too big and difficult to handle. However, after a couple of years, they found that over 60 endangered white and black rhinos in Pilanesberg and Hluhluwe-uMfolozi Parks had been killed and mutilated. They found the carcasses with wounds to the head and shoulders with deep stab wounds inflicted by tusks. Camera footage confirmed the findings. Without older, mature bulls to teach them social protocols and regulate their excessive "musth" (a hormonal, aggressive state), these adolescent elephants became "delinquent" and aggressive and were killing rhinos, just to show off.

Elephants were relocated to Pilanesberg and Hluhluwe-uMfolozi National Parks.

The problem was solved by introducing older, large bull elephants (aged 30-45) from Kruger into the parks. The presence of these mature males established a hierarchy, and through direct intimidation and suppression, the young males stopped killing rhinos. As soon as there was a big male elephant within reach, the adolescent males dropped out of musth and became docile. All their toxic aggressiveness disappeared. This, say psychologists and ecologists, demonstrates that male elephants need, and have, strong father figures to teach them social behaviour, which is vital for them to be part of a community. This applies also to boys and men.

Without strong male role models to guide and direct boys and make them men, we get cute looking clothes hangers without any real worth, living off their father's wealth, indulged and doted on by their mothers. But they know their reality in their own hearts, believe me. No matter whatever fancy gadget they use or drive or wear, they have low self-worth because they know that they have never done anything worthwhile on their own, never achieved any great goal, never overcome any great challenge, never felt pain, never wept tears of frustration and fear in the night, yet got up the next morning to carry on, never sweated or bled, never had their back to the wall and a life-threatening situation facing them...I can go on but this is enough. The tragedy is that it is not their fault. They never achieved anything because they were never given a chance to do so. This is one of the root causes of marriages breaking up. The man is not really a man except in terms of gender. That is not enough by far and so he is unable to be a role model or inspire respect in his family.

Role Models

Strong sports programs where boys play team games is a good way to inculcate discipline, responsibility, combativeness, willingness to take pain to reach a goal, collaboration, willingness to pass on personal benefit for the good of the team, concern for team members and the sporting spirit. All eminently desirable and necessary. So also are prefectorial programs in schools, where they exist. In the Hyderabad Public School, where I did my schooling, we had a prefectorial program where students are appointed as leaders and mentors. This is done by a combination of student elections combined with class teacher's (and other teachers) recommendation. The purpose is to give promising senior students leadership opportunity and responsibility, and the authority to help maintain school discipline and assist staff. The group of prefects is often referred to as the Prefects' Council or Prefect Board. Leadership titles were Head Boy/School Captain/House Captain and so on. Prefects act as role models, monitor behaviour during breaks, help younger students, organize events, and act as a bridge between students and faculty. The selection process culminates in an "Investiture ceremony" during morning assembly where they receive badges. To become a prefect was very sought-after goal which resulted in channeling the energy of boys with leadership ability and drive in a positive direction. The reality is that it is this energy and leadership ability, if not channeled in the right direction, follows the Law of Entropy and creates criminal gang leaders or their equivalents. Teachers in schools like mine played a teaching plus role by being role models for students.

One incident, which another student told me about, illustrates what I mean. He said that one night, he and three other friends decided to break bounds and go to see a late-night movie. For us boarders, night curfew was strictly enforced, and nobody was permitted to leave the dorm, let alone the school, after 9.00 PM for obvious safety reasons. Anyone who broke this rule could be expelled. So, the risk these boys were taking to see a movie was very serious. As they were standing at the bus stand outside the school, to their great surprise, they saw the Principal, Mr. K. Kuruvila Jacob's car drive up. And to their horror, it stopped at the bus stop. Mr. Jacob rolled down his window and asked, "Where are you boys off to?"

The ringleader said, "Good evening Sir. We were planning to go to Plaza cinema to see a movie."

"You know that this is against the rules and can get you expelled, right?"

"Sorry Sir."

"Get in the car." They got in. What else could they do?

"Driver, please drop me home and then take the boys to Plaza cinema and drop them there and come back. And you boys, please see me in my office at 9:30 AM tomorrow."

There was total silence in the car as the Principal was dropped off to his bungalow in the school and while they were being driven to the cinema. Next morning in the Principal's office, the four boys who had by now acquired great notoriety or renown, depending on who you asked, just got a stern lecture and were sent off. They were not expelled or reported to their parents, even though they had been caught red-handed by the Principal himself. Inspiring others to follow you in doing something which is against the rules and can get you into serious trouble, demonstrates bad judgment, but it also demonstrates leadership. Once the individuals realize their bad judgement and acknowledge and regret it, being treated with dignity reinforces positive behaviour in the future rather than rebellion. Men, who make the best role models, excel at this and inspire youngsters to be the best that they can be.

To be continued...

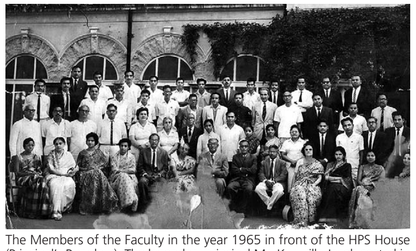

rajeshsharma1049@gmail.com

The Members of the Faculty in the year 1965 in front of the HPS House (Principal's Bunglow). The legendary principal Mr. Kuruvilla Jacob seated in the center.

#IDENTITY

The Revival of Odissi to Classical Recognition

Odissi performance moved away from temples and courts and survived through the Gotipua tradition, where young male dancers performed female roles

Kalicharan Patnaik

By the late 1950s, Odissi was at a fragile and uncertain stage. Many historians describe this period as a time when the dance was almost "on life support." Once performed in temples and royal courts, Odissi had survived only in fragmented traditions after centuries of decline.

Decline and Survival of Tradition

During colonial rule, British-era social laws and changing moral frameworks had severely affected traditional performance arts. Temple dancers, especially the Mahari tradition, were stigmatized, and many temple-linked practices were discouraged or pushed into obscurity. As a result, Odissi performance moved away from temples and courts and survived quietly through the Gotipua tradition, where young male dancers preserved elements of the form in folk and devotional settings.

Despite this decline, Odissi did not disappear. It survived in rural Odisha through oral transmission, ritual practice, and scattered performance traditions. However, it lacked standardization, and different regions preserved different versions of technique and repertoire.

The Search for Classical Identity

By the 1950s, Indian cultural scholars and artists began actively working to restore Odissi's status as a classical dance form. A major challenge was that Odissi was not yet fully codified. Unlike established classical forms such as Bharatanatyam, Odissi had no unified grammar of movement, posture, or performance structure. At this time, scholars such as Kalicharan Patnaik played a crucial role in presenting research on Odissi's historical and practical foundations. His papers highlighted its ancient roots in temple traditions, sculpture, and regional performance culture.

Key 1958 Cultural Gatherings

In 1958, a series of important cultural events helped accelerate the revival movement:

In Madras (now Chennai), at the Music Academy conference, Kalicharan Patnaik presented scholarly papers on Odissi's historical structure and performance possibilities. Around the same time, performances by artists such as Sanjukta Panigrahi demonstrated the expressive potential of the form, including pieces like

Lalita Lavanga Lata, bringing Odissi to national attention. Later that year, at a seminar organized by the Sangeet Natak Akademi at Vigyan Bhavan in Delhi, the discussion on Odissi intensified. Kalicharan Patnaik once again presented his findings, while master artists like Deba Prasad Das demonstrated key structural elements such as Batu and Moksha. These performances highlighted both the richness of the tradition and its lack of uniform structure.

At this stage, Odissi was still sometimes viewed as a regional variant influenced by Bharatanatyam, largely due to its incomplete codification and variation across performers.

The Formation of Jayantika

A turning point came around 1958 in Cuttack, where a major meeting of artists and scholars was convened. This led to the formation of Jayantika, a landmark collective dedicated to the systematic revival of Odissi.

Jayantika brought together some of the most influential figures of the revival movement, including:

- Guru Kelucharan Mohapatra
- Pankaj Charan Das
- Deba Prasad Das
- Scholars like Kalicharan Patnaik and others

Their shared goal was to answer a crucial question: What is authentic Odissi?

Codification and Structural Development

The Jayantika group worked through years of study, discussion, and experimentation. They examined temple sculptures such as those at Konark, studied ancient Sanskrit texts like the Natyashastra, and analyzed surviving performance traditions. They began standardizing:

- Bhumi (footwork patterns)
- Mudras (hand gestures)
- Body positions like Tribhangi and Chauka
- A structured performance sequence

This eventually established a clear repertoire format:

Mangalacharan-> Batu-> Pallavi-> Abhinaya-> Moksha

Each section had a defined aesthetic and spiritual purpose, transforming Odissi from a fragmented tradition into a structured classical form.

Recognition and Cultural Rebirth

By 1958, the efforts of revivalists were recognized by the Sangeet Natak Akademi, marking a major step towards national acceptance of Odissi as a classical dance form. This recognition is often seen as the moment Odissi transitioned from endangered tradition to institutional legitimacy.

By September 1959, Odissi was no longer in decline. Instead, it had entered a phase of structured growth, research, and artistic expansion. New institutions and groups such as Nari Seva Sangh and other cultural bodies further experimented with presentation styles, refining the five-part structure and expanding performance practice.

Conclusion: From Fragmentation to Classical Identity

The revival of Odissi in the mid-20th century is one of the most important cultural recoveries in Indian performing arts history. What once existed in scattered folk and temple traditions was transformed into a globally recognized classical dance form. Through the combined efforts of scholars, gurus, and institutions, Odissi gained:

- A codified grammar
- A standardized repertoire
- National recognition
- And ultimately, international respect

Today, Odissi stands as a symbol of cultural resilience, a tradition that survived suppression, reinvented itself through scholarship and artistry, and emerged as one of India's most refined classical dance forms.

THE WALL

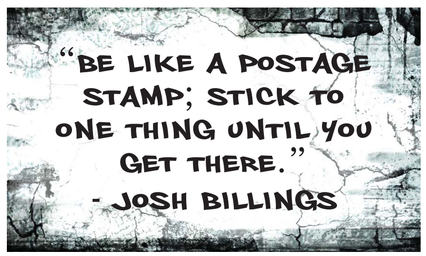

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

भरतपुर के भीमसिंह को थ्रेशर खरीदने के लिये अनुदान मिला

ग्रामीण सेवा शिविर में कृषक भीमसिंह को सवा लाख रुपये अनुदान के रुप में दिये गये

जयपुर, (निसं)। केन्द्र और राज्य सरकार ने किसान की आय बढ़ाने के लिए पीएम किसान सम्मान निधि, सिंचाई सुविधाओं के विकास और उन्नत बीज जैसी कई पहल की हैं। इसी क्रम में किसानों को उन्नत खेती के लिए कृषि उपकरण खरीदने के लिए अनुदान भी दिया जा रहा है।

भरतपुर जिले के भुसावर में ग्राम पंचायत झारौटी निवासी भीमसिंह मीणा पुत्र रामजीवन मीणा को मल्टीक्रॉप थ्रेशर मशीन खरीदनी थी, लेकिन वह इसकी कीमत 2.5 लाख रुपये चुकाने की स्थिति में नहीं था। उसने कृषि विभाग के अधिकारियों से बात की तो पता चला कि 2.5 लाख रुपये देने की जरूरत नहीं है, आधा पैसा सरकार दे देगी। उसने फॉर्म भर दिया और मंगलवार को झारौटी में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर ने उसे 1.25 लाख का अनुदान स्वीकृत कर दिया गया। भीमसिंह के लिए खेती अब अधिक आधुनिक, लाभकारी और सुविधाजनक बन जायेगी, उत्पादन में वृद्धि होगी, आय बढ़ेगी। यह मशीन बीज और भूसे को अलग करने का कार्य तेजी और दक्षता से करती है, जिससे श्रम की आवश्यकता कम होती है और समय की बचत होती है।

भरतपुर के भुसावर में ग्राम पंचायत झारौटी निवासी भीमसिंह मीणा को अनुदान स्वीकृत पत्र दिया।

- किसान भीमसिंह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अनुदान नहीं मिलता तो कई साल तक मैं मल्टीक्रॉप थ्रेशर मशीन खरीद नहीं पाता

किसान भीमसिंह ने बताया कि मल्टीक्रॉप थ्रेशर के प्रयोग से फसल की गुणवत्ता और चमक बनी रहती है, जिससे बाजार में उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होता है। यह अनुदान केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि आधुनिक कृषि की ओर बढ़ने का एक मजबूत आधार है, जो भविष्य में आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भीमसिंह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 1.25 लाख रूपये बहुत बड़ी रकम होती है। यह अनुदान नहीं मिलता तो शायद कई साल तक मैं मल्टीक्रॉप थ्रेशर मशीन खरीद नहीं पाता।

पावटा में सफाई कर्मियों की हड़ताल 24वें दिन भी जारी

पावटा, (निसं)। नगरपालिका में ठेका व्यवस्था के तहत कार्यरत सफाई कर्मियों की हड़ताल बुधवार को 24वें दिन भी जारी रही। दो माह का बकाया मानदेय नहीं मिलने से नाराज कर्मचारियों ने नगरपालिका कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शीघ्र भुगतान की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि बकाया मानदेय का भुगतान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कर्मचारियों ने कहा कि मजबूरन शहर का कचरा नगरपालिका कार्यालय एवं अन्य सरकारी कार्यालयों के बाहर डालकर विरोध दर्ज कराया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

- दो माह का बकाया मानदेय नहीं मिलने से नाराज हैं सफाई कर्मचारी
- बकाया भुगतान नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी

वाल्मीकि सेना के प्रदेश पदाधिकारी अनिल वाल्मीकि ने बताया कि ठेकेदार के माध्यम से कार्यरत सफाई कर्मचारियों को पिछले दो माह से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। लगातार आर्थिक संकट झेल रहे कर्मचारियों के सामने परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि कई बार जिला मुख्यालय और उपखंड स्तर पर ज्ञापन एवं धरना-प्रदर्शन के माध्यम से समस्या उठाई जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने ठेका व्यवस्था से जुड़े सुपरवाइजर पर भी गंभीर आरोप लगाए। कर्मचारियों का कहना था कि भुगतान की मांग करने पर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। महिला सफाई कर्मियों ने भी भुगतान को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां करने और असम्मानजनक व्यवहार के आरोप लगाए। सफाईकर्मियों ने कहा कि वे अपने अधिकारों और मेहनत की कमाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं तथा जब तक बकाया राशि का भुगतान नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना-प्रदर्शन में वाल्मीकि सेना के पदाधिकारी सुरेंद्र बिवाल, शंकर वाल्मीकि, रोहतास, राजेश, संदीप, लोकेश, उदय, राकेश सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

नगरपालिका अधिशासी अधिकारी ऋषिदेव ओला ने बताया कि संबंधित ठेकेदार से संपर्क किया गया, जिस पर ठेकेदार ने बुधवार शाम या गुरुवार सुबह तक कर्मचारियों के राशि का भुगतान की बात कही है।

भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में डॉक्टर के देरी से आने पर हंगामा

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में बुधवार सुबह गैस्ट्रोलॉजी विभाग में डॉक्टर के देर से आने और मरीजों से कथित व्यवहार को लेकर जमकर हंगामा हो गया। मरीजों और उनके परिजनों ने गैस्ट्रोलॉजी डॉक्टर पर समय पर ड्यूटी पर नहीं पहुंचने तथा शिकायत करने पर बदसलूकी करने के आरोप लगाए।

- मरीजों और उनके परिजनों ने डॉक्टर पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने का आरोप लगाया

जानकारी के अनुसार गांव लुधावई निवासी मरीज जितेंद्र को सुबह करीब 8 बजे गैस्ट्रो विभाग के कमरा नंबर-157 में दिखाने लाया गया था। मरीज के परिजन राजेश जो पूर्व सरपंच बताया गया है ने बताया कि निर्धारित समय पर डॉक्टर मौजूद नहीं थे। परिजन का आरोप है कि कुछ देर बाद डॉक्टर चेंबर में पहुंचे, जब मरीज को दिखाने का आग्रह किया गया तो डॉक्टर ने उन्हें कमरे से बाहर जाने को कहा और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इस दौरान मरीजों और परिजनों पूर्व सरपंच ने विरोध जताया, जिससे अस्पताल परिसर में हंगामे की स्थिति बन गई। विवाद के चलते कई मरीजों को इलाज के लिए इंतजार करना पड़ा। सूचना मिलने पर आरबीएम अस्पताल के पीएमओ अधीक्षक डॉ. नगेंद्र भदौरिया मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। उन्होंने दूसरे डॉक्टर की व्यवस्था कर मरीजों की जांच शुरू करवाई।

पीएमओ डॉ. नगेंद्र भदौरिया ने बताया कि डॉ. सौरभ जैन के खिलाफ मरीज और परिजनों से अभद्र व्यवहार करने की शिकायत मिली है। साथ ही उनके चेंबर छोड़कर चले जाने से मरीजों को परेशानी हुई। मामले की जांच कराई जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल में डॉक्टरों का समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहना जरूरी है और मरीजों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

युवती ने शादी से मना किया तो युवक ने एआई से हनीमून की तस्वीरें बनाईं

उदयपुर, (कासं)। मध्यप्रदेश के भोपाल की एक युवती ने उदयपुर के युवक का शादी का प्रस्ताव ठुकरा दिया। इससे नाराज युवक ने एआई की मदद से शादी और हनीमून की फर्जी तस्वीरें बनाईं और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। आरोपी ने युवती की गोद भराई के फर्जी निमंत्रण पत्र भी छपवाए। इन कार्ड्स में मेहमानों को चांदी का सिक्का देने की बात लिखी गई थी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग कार्यक्रम में पहुंचे। आरोपी ने हॉकर के जरिए पूरी कॉलोनी में भी कार्ड बंटवा दिए गए। इतना ही नहीं ऑनलाइन कैब बुकिंग कराकर 500 टैक्सी-बाइक युवती के घर भेज दी। पीड़िता ने इस पूरे मामले की शिकायत मध्यप्रदेश के महिला आयोग में की और युवक पर उसे और परिवार को परेशान करने का आरोप लगाया है। हाल ही में उसने आयोग के सामने अपने बयान दर्ज कराए हैं और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

- पीड़िता ने मामले की शिकायत मध्यप्रदेश के महिला आयोग में की और युवक पर उसे और परिवार को परेशान करने का आरोप लगाया

युवती ने बताया कि मैंने जीवनसाथी डॉट कॉम पर प्रोफाइल बनाई थी। इसी दौरान राजस्थान के उदयपुर निवासी युवक से बातचीत हुई। परिवार की मौजूदगी में दोनों की एक मुलाकात भी हुई, लेकिन युवक का व्यवहार संदिग्ध लगा तो परिवार ने रिश्ता आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया। युवती ने बताया कि इसके बाद युवक लगातार कॉल और मैसेज कर परेशान करने लगा। तंग आकर मैंने जुलाई 2025 में उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। इसके बावजूद वह अलग-अलग नंबरों से मुझसे संपर्क करने की कोशिश करता रहा और परिवार के अन्य सदस्यों को भी परेशान करने लगा। पीड़िता ने आरोप लगाया कि जनवरी 2026 में युवक ने मेरे घर के पते पर ओला, उबर और रैपिडो के जरिए लगातार बुकिंग्स कराईं। एक ही दिन में करीब 500 टैक्सी और बाइक मेरे घर पहुंच गईं। आरोपी ने उज्जैन के लिए लंबी दूरी की राइड बुक की। ज्यादा कमाई की उम्मीद में ड्राइवर ने दूर-दूर से बुकिंग स्वीकार कर ली, जिसके कारण परिवार के साथ-साथ कैब ड्राइवरों को भी परेशानी उठानी पड़ी।

युवती का दावा है कि ब्लॉक किए जाने के बाद आरोपी ने किसी अन्य व्यक्ति की तस्वीर लगाकर एक नई फर्जी प्रोफाइल बनाई। इसके जरिए वह यह पता लगाने की कोशिश करता रहा कि मेरी किसी दूसरे रिश्ते के लिए बातचीत चल रही है या नहीं। शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित प्रोफाइल को हटा दिया। युवती ने आरोप लगाया कि आरोपी ने मेरी गोद भराई के फर्जी निमंत्रण पत्र भी छपवा दिए, जिसमें मेहमानों को चांदी का सिक्का देने की बात लिखी गई थी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग कार्यक्रम में पहुंचे। बाद में उसने हॉकर के जरिए पूरी कॉलोनी में भी कार्ड बंटवा दिए गए। युवती ने बताया कि उसने इस पूरे मामले की शिकायत महिला आयोग में की है। हाल ही में उसने आयोग के सामने अपने बयान दर्ज कराए हैं और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल आयोग इस मामले की जांच कर रहा है। युवती ने बताया कि शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपी ने एआईकी मदद से उसकी शादी और हनीमून की फर्जी तस्वीरें बनाई और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। मध्य प्रदेश महिला आयोग के सचिव के सुरेश तोमर के अनुसार एआई से युवती के फोटो-वीडियो बनाकर उसे परेशान करने की कोशिश की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

फ्रांस के सैलानियों ने पटवा हवेली का भ्रमण किया

जैसलमेर, (निसं)। राजस्थान का सीमावर्ती जिला जैसलमेर दशकों से फ्रांस के सैलानियों की पहली पसंद रहा है। इसी कड़ी में इन दिनों फ्रांस से आए सैलानियों का एक दल स्वर्णनगरी की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को करीब से निहारने पहुंचा। सैलानियों में जैसलमेर के वैभव को देखने का उत्साह चरम पर नजर आया।

- जैसलमेर दशकों से फ्रांस के सैलानियों की पहली पसंद रहा है

फ्रांस के सैलानियों के इस समूह ने अपने सफर की शुरुआत सुबह ऐतिहासिक गड़ीसर झील के भ्रमण से की। सैलानियों ने झील के किनारे स्थित रियासत कालीन महादेव मंदिर में शिव परिवार के दर्शन किए। भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान दर्शाते हुए उन्होंने पूजा की थाली में भारतीय मुद्रा भी भेंट की। इसके बाद समूह ने गड़ीसर स्थित प्रसिद्ध टीलों की प्रोल के स्थापत्य को देखा और गाइड के माध्यम से उसके गौरवशाली इतिहास की विस्तृत जानकारी ली। गड़ीसर झील के बाद सैलानी विश्व प्रसिद्ध सोनार दुर्ग पहुंचे। दुर्ग परिसर में उन्होंने प्राचीन पार्श्वनाथ जैन मंदिर सहित अन्य जैन मंदिरों के दर्शन किए। इसके साथ ही सैलानियों ने दुर्ग में स्थित सनातन धर्म के मंदिरों और जैसलमेर के आराध्य देव श्री लक्ष्मीनाथ जी के मंदिर में शीश नवाया। दुर्ग की प्राचीर से सैलानियों ने समूचे सुनहरे शहर का अद्भुत और विहंगम दृश्य भी कैमरे में कैद किया।

भ्रमण के अगले चरण में यह दल शहर के बीचों-बीच स्थित ऐतिहासिक दीवान सालमसिंह मोहता की हवेली और दीवान नथमल गोयदानी (मेहता) की हवेली देखने पहुंचा। इसके बाद सैलानियों ने स्थापत्य कला के बेजोड़ नमूने पटुवा हवेली का दीदार किया। पटुवा हवेली के अग्रभाग में पीले पत्थरों पर की गई बारीक नक्काशी, और पत्थरों पर जीवंत रूप से उकेरे गए मोर, चिड़िया, हाथी और घोड़ों की आकृतियों को देखकर फ्रांसीसी दल पूरी तरह अभिभूत हो गया।

इस ग्रुप में शामिल फ्रांस के गैब्रियल जैसलमेर के पीत पत्थरों के शिल्प को देखकर मंत्रमुग्ध नजर आए। उन्होंने भारत की इस प्राचीन वास्तुकला की सराहना करते हुए कहा कि पत्थरों पर की गई ऐसी बारीक और हैरतअंगेज कारीगरी बहुतायत से मैंने अपनी पूरी जिंदगी में पहले कभी कहीं नहीं देखी है। इस यात्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जैसलमेर का हुनर और संस्कृति वैश्विक स्तर पर अपनी अमिट छाप छोड़ रही है।

युवक को झूठे मुकदमे में फंसाने के लिये लूट की कहानी रची, दो गिरफ्तार

गोठड़ा /नवलगढ़, (निसं)। पुलिस थाना गोठड़ा ने कथित लूट की एक झूठी वारदात का एक घंटे में पर्दाफाश कर दिया। पुरानी रंजिश के चलते एक युवक को झूठे मुकदमे में फंसाने के उद्देश्य से 2 लाख 15 हजार रूपए की लूट की मनगढ़ंत कहानी रची गई थी। पुलिस जांच में मामला पूरी तरह फर्जी पाए जाने पर दो युवकों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

जानकारी के अनुसार 23 जून को पुलिस नियंत्रण कक्ष झुंझुनूं के माध्यम से गोठड़ा थाना पुलिस को सूचना मिली कि चारण की ढाणी क्षेत्र में एक ड्राइवर के साथ कैंपर गाड़ी में आए बदमाशों ने मारपीट कर 2 लाख 15 हजार रूपए लूट लिए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ तथा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से परीक्षण किया गया।

प्रारंभिक जांच में ही पुलिस को सूचना संदिग्ध लगी। जब तथ्यों का सत्यापन किया गया तो कथित लूट और मारपीट की पूरी कहानी झूठी निकली। पुलिस की सख्त पूछताछ में सूचनाकर्ता आशीष कुमार ने स्वीकार किया कि उसकी राहुल निवासी मुकुंदगढ़ के साथ पुरानी रंजिश चल रही थी। इसी कारण उसे झूठे मामले में फंसाने के उद्देश्य से लूट की फर्जी कहानी बनाकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया गया। जांच के दौरान झूठी सूचना देने वाले व्यक्तियों ने उग्र एवं अशांतिपूर्ण व्यवहार भी किया, जिस पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने कैलाश पुत्र चिमनाराम तथा आशीष कुमार पुत्र हरलाल को गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ शुरु की।

फर्जी आरटीओ बनकर लूट करने मामले में पांच आरोपी बरी

नसीराबाद, (कासं)। नसीराबाद-अजमेर मार्ग स्थित वीर घाटी में वर्ष 2018 में हुए चर्चित लूट प्रकरण में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए पांचों आरोपियों को दोषमुक्त कर बरी कर दिया। न्यायालय ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे प्रमाणित करने में सफल नहीं हो सका, जिसके चलते आरोपियों को संदेह का लाभ दिया गया।

मामले के अनुसार 6 नवंबर 2018 को टोडारायसिंह (टोंक) निवासी कालू मोहम्मद ने नसीराबाद सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि वह ट्रक में भूसा भरकर जालौर स्थित गौशाला के लिए जा रहा था। रात के समय जब उसका ट्रक वीर घाटी क्षेत्र में पहुंचा, तब एक थार वाहन में सवार पांच लोगों ने ट्रक को रुकवाया। परिवादी के अनुसार आरोपियों ने स्वयं को आरटीओ विभाग का अधिकारी एवं कर्मचारी बताते हुए ट्रक चालक और खलासी के साथ मारपीट की तथा नकदी छीन ली। घटना के बाद सदर थाना पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने देराठू निवासी प्रधान, संपत, सत्यप्रकाश, सुखपाल एवं हिम्मत सिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। इसके बाद मामला अपर जिला एवं सत्र न्यायालय में विचाराधीन रहा। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 6 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए तथा 15 दस्तावेज न्यायालय में पेश किए गए। वहीं आरोपियों की ओर से अधिवक्ता हेमंत कुमार प्रजापति एवं अधिवक्ता राजेश लखन ने पक्ष रखते हुए अभियोजन के साक्ष्यों एवं गवाहियों में मौजूद विसंगतियों को न्यायालय के समक्ष रखा।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने तथा उपलब्ध साक्ष्यों का गहन परीक्षण करने के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश ममता सैनी ने अपने निर्णय में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को पर्याप्त और विश्वसनीय साक्ष्यों के आधार पर सिद्ध नहीं कर पाया। फलस्वरूप न्यायालय ने संदेह का लाभ देते हुए सभी पांचों आरोपियों को दोषमुक्त कर बरी कर दिया।

वीर घाटी क्षेत्र में फर्जी आरटीओ बनकर ट्रक रोकने और लूट की वारदात का यह मामला उस समय काफी चर्चा में रहा था। करीब आठ वर्षों तक चले न्यायिक परीक्षण के बाद आए इस फैसले के साथ प्रकरण का पटाक्षेप हो गया। मामले में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता हेमंत कुमार प्रजापति एवं अधिवक्ता राजेश लखन ने विस्तृत कानूनी तर्क प्रस्तुत किए। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और तर्कों पर विचार करते हुए आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया।

युवक ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के सदर थाना क्षेत्र में एक सत्रह वर्षीय युवक ने अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना माथुगामडा पाल फला डूंगर में हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

सदर थाने से मिली जानकारी के अनुसार माथुगामडा पाल फला डूंगर निवासी लालशंकर कटारा ने बताया कि लालशंकर और उनका परिवार एक शादी समारोह में गए हुए थे। इस दौरान उनका सत्रह वर्षीय बेटा सुमित घर पर अकेला था। जब परिवार के सदस्य घर लौटे तो उन्होंने देखा कि सुमित का शव घर के अंदर एक साड़ी के फंदे से लटका हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया।

पांचना बांध का पानी कमांड क्षेत्र की नहरों में छोड़े जाने के आश्वासन पर धरना समाप्त

20 दिनों से चल रही किसान महापंचायत कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के आश्वासन के बाद समाप्त हो गई

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर उपखंड क्षेत्र के खंडीप में पांचना बांध का पानी कमांड क्षेत्र की नहरों में छोड़े जाने की मांग को लेकर पिछले 20 दिनों से चल रही किसान महापंचायत बुधवार को कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के आश्वासन के बाद समाप्त हो गई। मंत्री ने छह दिन में पानी नहरों में छोड़ने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि तय समय में नहरों में पानी नहीं आया तो वे खुद बांध पर धरना देकर बैठेंगे।

- किरोड़ी लाल मीणा ने छह दिन में पानी नहरों में छोड़ने का आश्वासन दिया और कहा कि तय समय में नहरों में पानी नहीं आया तो वे खुद धरना देंगे

डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि किसानों, जवानों व महिलाओं के सम्मान में अगर डॉक्टर को अपने प्राण भी देने पड़े तो वह हंसते हुए प्राण देने को भी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैंने पांचना बांध से पानी खुलवाने के लिए पहले भी आन्दोलन किया, पिलोदा में रैल रोकी, उसका मुकदमा दर्ज हुआ और मुझे न्यायालय ने एक साल की सजा सुनाई। मैंने हमेशा किसानों, जवानों एवं महिलाओं का सम्मान किया है और मेरे शरीर का एक-एक कतरा उनके लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के गृह राज मंत्री जवाहर सिंह बेढम भी पिछले छह दिन से भाईचारे को कायम रखने के लिए रात-दिन जुटे हुए हैं। किरोड़ी ने कहा कि 2020 व 2022 में भी कोर्ट ने पांचना से पानी खोलने के आदेश दिए तब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत थे, तब ये मांग क्यों नहीं उठाई गई। ये किसान से जुड़ा मुद्दा है, इसलिए मैं केवल किसानों के हितों की बात करूंगा। उन्होंने 11 सदस्ययी कमेटी का गठन करने का आव्हान करते हुए कहा कि एक जुलाई तक पांचना से पानी खोलने का रास्ता साफ हो जायेगा। पानी सभी को मिले और हाईकोर्ट के निर्देशों का पूरी तरह पालन हो। ये डॉक्टर किरोड़ी लाल व मेरी सरकार की जिम्मेदारी है। इसके बाद संघर्ष समिति के द्वारा धरना समाप्त करने की घोषणा की। इस दौरान विधायक रामकेश मीना, घनश्याम मेहर, इन्द्रिरा मीना, लाखन सिंह, दौसा सांसद मुरारीलाल मीना, टोंक सवाईमाधोपुर सांसद हरीश मीना सहित संघर्ष समिति के सदस्य एवं महिला-पुरूष आदि मौजूद थे।

दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन से पांच साल के बच्चे को उठाकर लाया युवक हिरासत में

झुंझुनूं, (निसं)। एक जागरूक यात्री की सतर्कता ने पांच वर्षीय मासूम को उसके परिवार से बिछड़ने से बचा लिया। शिकायत सही पाए जाने पर आरपीएफ ने युवक को हिरासत में ले लिया तथा बच्चे को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया।

- सूरजगढ़ रेलवे स्टेशन के पास सैनिक एक्सप्रेस ट्रेन में रोते मिले पांच वर्षीय मासूम बच्चे का बचा जीवन, दौसा निवासी आकाश की सूझबूझ से आरोपी युवक पकड़ा गया
- आरोपी उमाशंकर ने बच्चे को दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन से उठाकर लाने की बात स्वीकार की, उसने कहा कि वह बच्चे को अपने पास रखकर बड़ा करना चाहता था, ताकि भविष्य में उसकी सेवा कर सके

जानकारी के अनुसार दिल्ली कैंट से जयपुर तक चलने वाली सैनिक एक्सप्रेस में एक युवक पांच वर्षीय बच्चे के साथ सवार हुआ था। ट्रेन में चढ़ने के बाद से ही बच्चा लगातार रो रहा था। उसी ट्रेन में अपने परिवार के साथ खाटूश्यामजी दर्शन के लिए जा रहे दौसा निवासी आकाश, जो एक पार्किंग कंपनी में कर्मचारी हैं, की नजर बच्चे पर पड़ी। बच्चे का लगातार रोना और युवक का व्यवहार उन्हें संदिग्ध लगा। आकाश ने युवक से बच्चे के बारे में पूछताछ की तो उसने खुद को बच्चे का पिता बताया। लेकिन जब बच्चे की मां के बारे में पूछा गया तो वह स्पष्ट जवाब नहीं दे सका। उसने कहा कि मां कहीं आसपास होगी, लेकिन काफी तलाश के बाद भी कोई महिला सामने नहीं आई। इससे यात्रियों का शक और बढ़ गया। यात्रियों ने जब युवक से सख्ती से पूछताछ की तो उसने स्वीकार कर लिया कि वह बच्चे को दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन से उठाकर लाया है। इसके बाद ट्रेन में मौजूद यात्रियों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए यात्रियों ने आरोपी की जमकर पिटाई कर दी। घटना के कई वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें आरोपी खुद को दिव्यांग बताते हुए और अपने आगे-पीछे कोई नहीं होने की बात कहकर सहानुभूति लेने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है। घटना की सूचना तत्काल रेलवे अधिकारियों को दी गई। शिकायत मिलने के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बिना देरी किए कार्रवाई शुरू कर दी। उस समय ट्रेन सूरजगढ़ रेलवे स्टेशन के आसपास पहुंच चुकी थी।

शिकायतकर्ता आकाश से मिली जानकारी के आधार पर झुंझुनूं रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ के हैड कांस्टेबल सुदेश संबंधित कोच में पहुंचे और जांच की। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर आरपीएफ ने उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के कोसी कलां निवासी 36 वर्षीय उमाशंकर पुत्र दीनबंधु को हिरासत में ले लिया तथा बच्चे को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। आरपीएफ के एसआई अशोक कुमार यादव ने मामले की सूचना दिल्ली कैंट जीआरपी को दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बच्चा दिल्ली कैंट क्षेत्र के आसपास रहने वाले एक खानाबदोश परिवार से संबंधित है। फिलहाल बच्चे और आरोपी को आरपीएफ की निगरानी में रखा गया है। बच्चे की मां के पहुंचने के बाद आगे की कार्रवाई सीकर जीआरपी द्वारा की जाएगी।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी उमाशंकर ने बच्चे को दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन से उठाकर लाने की बात स्वीकार की है। उसने कहा कि वह बच्चे को अपने पास रखकर बड़ा करना चाहता था ताकि भविष्य में उसकी सेवा कर सके। हालांकि उसकी मानसिक स्थिति, नशे की आशंका और अन्य परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है।

उदयपुर के व्यवसायी सुसाइड केस में महिला आरोपी गिरफ्तार

महिला की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दस हजार रूपये का इनाम घोषित किया था

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की सुखेर थाना पुलिस ने व्यवसायी को सुसाइड के लिए मजबूर करने वाली चार साल से फरार महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। महिला की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दस हजार रूपये का इनाम घोषित किया था।

- घटना 29 जून 2022 की है, जब व्यापारी ने मित्र के घर पर सुसाइड कर लिया था

थानाधिकारी भरत योगी ने बताया कि मामले में मध्यप्रदेश के मंदसौर निवासी टीना नट को मध्यप्रदेश के पिपलिया मंडी से गिरफ्तार किया। महिला आरोपी 4 साल से फरार थी और इस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस की टीम लगातार महिला की तलाश में जुटी थी, लेकिन महिला का मोबाइल बंद था। वह पुलिस से बचने के लिए अपनी लोकेशन बदलती रही। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला आरोपी टीना किराए का मकान लेने के सिलसिले में पीयूष गिलुंडिया से मिली थी। जिसके बाद टीना ने पीयूष पर जबरन छेड़छाड़ और रेप केस में फंसाने की धमकी देकर पैसों की मांग की थी। इस कारण लगातार पीयूष को परेशान किया जाता रहा। पीयूष मानसिक रूप से इतना दबाव में आ गया और उसने सुसाइड कर लिया।

जानकारी के अनुसार घटना 29 जून 2022 की है, जब शाम करीब छह बजे पीयूष गलुंडिया ने उसके मित्र सुनिल भंडारी के घर पर फांसी लगाकार सुसाइड कर लिया था। तब उसके पास से एक सुसाइड नोट मिला था, जिसमें लिखा था कि दक्षिण विस्तार योजना निवासी टीना द्वारा उसे झूठे आरोप में फंसाने की लगातार धमकियां मिल रही हैं। जिससे परेशान होकर वह सुसाइड का कदम उठा रहा है।

आरोपी गिरफ्तार

टोंक। शराब की रोकथाम के तहत कार्यवाही करते हुए अवैध शराब परिवहन करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5 वी व 6ठी मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805,
E-mail: rschfjaipur@yahoo.com
Office website:- www.rschf.com

क्रमांक :-61/26 दिनांक :-22/06/2026

आम सूचना संघ की आवासीय योजना केसरी चन्द चौधरी नगर, अजमेर रोड, जयपुर का फ्लैट संख्या-4/74, श्री चामुण्डाराय सिंह पुत्र श्री कल्याण सिंह को दिनांक 04.04.1996 को आवंटित किया गया था, जिसकी कन्वेस डीड एवं परपेच्युअल लीज जारी कर दिनांक 27.06.2014 को रजिस्ट्री करवा दी गई थी। उक्त फ्लेट को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र द्वारा दिनांक 25.06.2014 को श्री धर्मेन्द्र शर्मा पुत्र स्व. श्री रामनिवास शर्मा द्वारा क्रय किया गया। श्री धर्मेन्द्र शर्मा से उक्त फ्लेट को दिनांक 03.09.2014 को श्री रमेशचन्द्र पुत्र स्व. श्री कृष्ण कुमार द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से क्रय किया गया। अब श्री रमेश चन्द्र के पुत्र श्री अखिलेश चन्द्र द्वारा उनके पिता श्री रमेश चन्द्र एवं माता श्रीमती शकुन्तला के मृत्यु प्रमाण पत्र तथा उनके पक्ष मे अनरजिस्टर्ड विल एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर स्वयं के नाम ट्रांसफर कराने हेतु आवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त फ्लेट के हस्तांतरण पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय मे 15 दिवस मे प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा फ्लैट संख्या-4/74, केसरी चन्द चौधरी नगर, अजमेर रोड, जयपुर श्री अखिलेश चन्द्र पुत्र स्व. श्री रमेश चन्द्र के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।

(योगेश शर्मा) प्रबंध निदेशक
राजस्थान राज्य सहकारी, आवासन संघ लि. जयपुर

न्यायालय तहसीलदार फुलेरा मु. सांभरलेक जिला जयपुर
दुरभाष नम्बर 01425-224219
ई-मेल-tdrsbr@ymail.com
क्रमांकःभू.अ./2026/3456 दिनांकः 19.6.2026

सार्वजनिक सूचना नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीगण नानूराम, मुकेश पि0 रामकुमार जाति कुमावत निवासी स्कूल की ढाणी, काचरोदा तहसील फुलेरा द्वारा ग्राम श्यामनगर की आराजी खसरा नम्बर 686 रकबा 12 बीघा 15 बिस्वा के 1/4 हिस्से के मृतक खातेदार धन्ना पुत्र श्रीराम जाति कुमावत सा0देह का फौती नामान्तरण वसीयत दिनांक 30.06.2014 के आधार पर खुलवाने बाबत् प्रकरण भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135(2) के तहत हाजा न्यायालय मे विचाराधीन है।
अतः यदि किसी वारिस / दीगर व्यक्ति को कोई आपत्ति/एतराज हो तो आगामी दिनांक 02.07.2026 तक मय दस्तावेज पेश करे अन्यथा इकतरफा कार्यवाही कर निर्णय पारित कर दिया जावेगा।

तहसीलदार (भू.अ.)
फुलेरा मु. सांभर लेक

न्यायालय तहसीलदार फुलेरा मु. सांभरलेक जिला जयपुर
दुरभाष नम्बर 01425-224219
ई-मेल-tdrsbr@ymail.com
क्रमांकःभू.अ./2026/3503 दिनांकः 22.6.2026

सार्वजनिक सूचना नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी हनुमान पुत्र कल्याण जाति जाट निवासी नोरंगपुरा तहसील फुलेरा द्वारा ग्राम नोरंगपुरा की आराजी खसरा नंबर 237, 238, 239, 565/482, 566/482 के मृतक खातेदार पन्नालाल पुत्र कल्याण जाति जाट सा0देह का फौती नामान्तरण खुलवाने बाबत् प्रकरण भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135 (2) के तहत हाजा न्यायालय मे विचाराधीन है।
अतः यदि किसी वारिस / दीगर व्यक्ति को कोई आपत्ति/एतराज हो तो आगामी दिनांक 09.07.2026 तक मय दस्तावेज पेश करे अन्यथा इकतरफा कार्यवाही कर निर्णय पारित कर दिया जावेगा।

तहसीलदार (भू.अ.)
फुलेरा मु. सांभर लेक

NAME CHANGE

I IC no 37395K Col mahendra Singh bika, Retd. resident of F-10/101 sugan vihar awho sector-1 vidhydhar nagar district jaipur that I want to change name of my spouse from MANJU To MANJU SHEKHAWAT vide affidavit dated 18 june 26 before sub divisional magistrate jaipur city north

I have changed my name from Surendra luthra to surender luthra r/o b-67 anand vihar railways colony jagatpura Jaipur

Due to a typo in the spelling, my name was misspelled as SHIVE instead of SHIV and BALAY instead of BALAI in the Secondary Education Board mark sheet. In future, my name should be read as SHIV NARAYAN BALAI S/O MANOHAR DAS.

खोया पाया

मैं मंगलचंद खैरारी पुत्र श्री मालीराम खैरारी। मेरे नाम से पंजीकृत फ्लैट संख्या 40/13 ग्राउंड फ्लोर, ब्लॉक 40 मानसरोवर जयपुर का मूल अलॉटमेंट लेटर दिनांक 11.05.1989 एवं Perpetual Lease And Conveyance Deed का मूल नक्शा कहीं गुम हो गया जिसकी गुणशुदगी की रिपोर्ट LR संख्या 3190965/2026 दिनांक 24.06.2026 को दर्ज करवा दी गई है। खोए हुए दस्तावेज मिलने सूचित करे। मंगल चंद खैरारी, मोः 9971429944

मैं पारुल खैरारी पत्नी श्री विनय खैरारी मेरे नाम से पंजीकृत फ्लैट संख्या 40/11 ग्राउंड फ्लोर, ब्लॉक 40, मानसरोवर जयपुर के विक्रय पत्र 10.07.2003 का मूल नक्शा साईट प्लान कहीं गुम हो गया, जिसकी गुणशुदगी की रिपोर्ट LR संख्या 3190993/2026 दिनांक 24.06.2026 को दर्ज करवा दी गई । खोए हुए दस्तावेज मिलने पर संपर्क करे। पारुल खैरारी, मोः 9971429944

मेरे प्लॉट नं. A-3, कृष्णा विहार-A महाराणा प्रताप मार्ग, जयपुर मित्र जी.एन.एस.एस. के ओरिजनल पट्टा, मूल रसीद क्रमांक 18391 (20360/-), मूल साईट प्लॉन दिनांक 11.04.2026 से मेरे निवास के पास कहीं खो गये है। जिसकी FIR LR No. 3187368/2026 पर दर्ज है। मिलने पर सूचित करें: सुशीला अजमानी 7300342077

पावटा शिविर में विधायक धनखड़ ने लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध : कुलदीप धनखड़

पावटा, (निसं)। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा परिसर में आयोजित शहरी सेवा शिविर में बुधवार को विराटनगर विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता कुलदीप धनखड़ ने पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों से विभागवार प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा आमजन को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए संवेदनशीलता एवं तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हर समय जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कार्य कर रही है। ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से उपलब्ध कराया जा रहा है। सीओ कृष्ण गुर्जर ने बताया कि निरीक्षण के दौरान विधायक धनखड़ ने पात्र 35 लाभार्थियों को भूमि पट्टों का वितरण किया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 75 लाभार्थियों को प्रथम किस्त 50-50 हजार रुपये तथा 10 लाभार्थियों को तृतीय किस्त 1-1 लाख रुपये, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 5 लाभार्थियों को प्रथम किस्त 15-15 हजार रुपये के चेक वितरित किए। शिविर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधों का वितरण किया गया तथा नागरिकों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया गया। नगरपालिका अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा ने विधायक को शिविर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विभिन्न योजनाओं के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

विधायक धनखड़ ने शिविर में पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार सेवा, सुशासन और जनकल्याण की भावना के साथ कार्य कर रही हैं तथा अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश में हुए व्यापक विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि आधारभूत ढांचे, डिजिटल इंडिया, राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मनिर्भर भारत जैसे क्षेत्रों में भारत ने वैश्विक स्तर पर नई पहचान बनाई है। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील प्रशासन स्थापित हुआ है। विधायक धनखड़ ने नगरपालिका प्रशासन, अधिशासी अधिकारी तथा शिविर में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक तेजी से पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

विराटनगर विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता कुलदीप धनखड़ ने शिविर के दौरान सहायता राशि वितरण किया।

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ जोधपुरा संघर्ष समिति का धरना जारी

कोटपूतली, (निसं)।अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ जोधपुरा संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को लगातार 1294 वें दिन भी बदस्तुर जारी रहा। सीमेंट प्लांट के खिलाफ राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा दिए गए आदेशों की पालना नहीं होने से समिति ने 25 जून गुरूवार से जिला कलक्टर कार्यालय पर महापड़ाव करने की घोषणा की है। समिति का कहना है कि एनजीटी के आदेशों की अक्षरशः पालना होने तक महापड़ाव जारी रहेगा।

समिति के सचिव कैलाश यादव ने बताया कि 25 जून को निर्जला एकादशी का व्रत होने के कारण धरने में शामिल ग्रामीण महिलाओं का उपवास रहेगा तथा दोपहर का फलाहार भी महापड़ाव स्थल पर ही किया जायेगा। समिति के संरक्षक प्रभुदयाल गुरुजी ने कहा कि एनजीटी के 03 नवम्बर 2025 को जारी आदेशों में विभिन्न निर्देशों की पालना के लिये 03 माह का समय दिया था, लेकिन 08 माह बीत जाने के बाद भी आदेशों की पूर्ण पालना नहीं हुई है। इससे प्रशासनिक विफलता उजागर हो रही है। उन्होंने बताया कि आबादी से 500 मीटर की परिधि में ब्लास्टिंग नहीं करने संबंधी एनजीटी आदेशों के उल्लंघन को लेकर सहायक खनन अभियंता द्वारा जिला कलक्टर को रिपोर्ट भेजी गई थी। रिपोर्ट में अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट द्वारा आदेशों के उल्लंघन का उल्लेख किया गया था। इसके बाद एएमई अमीचंद दुहारिया ने संघर्ष समिति को आष्वस्त किया था कि कंपनी को नोटिस जारी किया जायेगा।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत विशेष शिविर आयोजित

टोंक। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अलीगढ़ में विशेष स्क्रीनिंग एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह चौधरी एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हिमांशु मित्तल के निर्देशन में संपन्न हुआ। शिविर अभियान में कुल 1572 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की गई, जबकि 100 संदिग्ध व्यक्तियों के हैंड हेल्ड डिजिटल एक्स-रे मशीन से चेस्ट एक्स-रे किए गए। अभियान के तहत 14 वर्ष तक के बच्चों एवं वल्नरेबल वयस्कों की विशेष स्क्रीनिंग कर संभावित टीबी रोगियों की पहचान की गई। पात्र व्यक्तियों की निक्षय आईडी बनाकर उन्हें समय पर जांच एवं उपचार से जोड़ा जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, बुखार, वजन कम होना या रात में पसीना आने जैसे लक्षण हों तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करवाएं और टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को सफल बनाने में सहयोग करें।

भजन कीर्तन व मानव जीव सेवा करना पुण्य का काम : रामरिछपाल दास जी

- चिकित्सा शिविर में 223 रोगियों की जांच उपरांत दवा वितरित

शाहपुरा, (निसं)। रावधीर सिंह स्मृति सेवा मंडल शाहपुरा के तत्वाधान में संरक्षक जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह की उपस्थिति में उनके पिताव पूर्व शिक्षा मंत्री रावधीर सिंह की 52वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम हनुमंत निवास बाग शाहपुरा में आयोजित हुआ। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि सर्वप्रथम रामरिछपाल दास जी महाराज त्रिवेणी धाम के आशीर्वचनों के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिसमें महाराज ने कहा कि आज के युग में अपने स्वजनो के जन्मदिन को तो सभी लोग मानते हैं परंतु उनकी पुण्यतिथि पर भजन कीर्तन एवं मानव जीव सेवा करना बड़ा ही पुण्य का काम है जो राव राजेंद्र सिंह जी अपने परिवार सहित लगातार करते आ रहे है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करना चाहिए जिससे अपने स्वजनों की आत्मा को शांति तो मिलेगी ही साथ में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार प्राप्त होंगे। इस दौरान कल्याण सिंह गुर्जर, काशी प्रसाद शर्मा, रामदयाल मेहरा, मोहन लाल शर्मा सहित भजन कीर्तन मंडली द्वारा एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए गए।

इस दौरान सभा में उपस्थित सभी लोगों ने रावधीर सिंह जी की फोटो पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनको नमन किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद योगी ने बताया कि कार्यक्रम के तहत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें राजकीय उप जिला चिकित्सालय शाहपुरा के चिकित्सकों द्वारा 93 मरीजों व राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय जयपुर के चिकित्सक टीम द्वारा 95 मरीजों तथा शंकर हॉस्पिटल एंड फिजियोथैरिपी सेंटर शाहपुरा द्वारा 27 मरीजों की जांच करते हुए दवा वितरित कर उपचार किया।

रावधीर सिंह की 52वीं पुण्यतिथि पर भजन कीर्तन, श्रद्धा सुमन अर्पण के साथ चिकित्सा शिविर आयोजित हुआ।

कार्यालय नगर परिषद, दौसा (राज.)
लालसोट रोड दौसा :- 303303
क्रमांक : न.प.दौ./श.से.शि.भू.रू.शा/2026-27/2545 दिनांक-23/06/26

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरीय विकास आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग के पत्र क्रमांक 3661 दिनांक 10.06.2026 के बिन्दु संख्या 8 शहरी सेवा शिविर 2026 के अनुसार ऑनलाईन पत्रावलीयों की व्यक्तियों द्वारा कृषि भूमि पट्टों हेतु आवेदन किया है। जिसकी सार्वजनिक आपत्ति सूचना जारी कि जा रही है जो निम्नानुसार है-

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	राजस्व ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल वर्गगज	प्रयोजन
1	श्री रमेश चन्द्र मीना पुत्र श्री रामधन मीना निवासी शिव विहार कॉलोनी, दौसा	दौसा कलां	3143,3169, 3170	290.00	आवासीय
2	श्री अभिजित प्रधान पुत्र श्री राजेन्द्र शर्मा निवासी अशोक नगर, पी.जी. कॉलेज के सामने दौसा	दौसा खुर्द	1490,1491	22.22	व्यवसायिक
3	श्री राजेन्द्र शर्मा पुत्र श्री बृजमोहन शर्मा निवासी कपिल विहार, आगरा रोड, दौसा	चक दौसा	05	111.11	आवासीय / व्यवसायिक
4	श्री कन्हैयालाल मीना पुत्र श्री भोमाराम मीना निवासी तिरूपती नगर, दौसा	दौसा कलां	2003,2004, 2005,2006	186.66	आवासीय
5	श्री लक्ष्मी देवी पुत्र श्री रामधन महावर निवासी डोरिया कॉलोनी, दौसा	गणेशपुरा	2,3,8,9	300.00	आवासीय
6	श्री सविता देवी पत्नी श्री मक्खन लाल शर्मा निवासी खेड़ली दौसा	खेड़ली	59	147.00	आवासीय
7	श्री रमेश चन्द्र मीना पुत्र श्री कैन्हयालाल मीना निवासी जोशी कॉलोनी, दौसा	दौसा कलां	2838	228.33	आवासीय
8	श्री धारासिंह बैरवा पुत्र श्री रामगोपाल बैरवा निवासी पायलेट नगर, दौसा	बिचलवास	333, 334	70.43	आवासीय
9	श्री तुलता देवी पत्नी श्री रामभरोसी बैरवा निवासी डोरिया कॉलोनी, दौसा	गणेशपुरा	17	150.00	आवासीय
10	श्रीमती पूजा सैन पुत्र श्री जगदीश प्रसाद सैन निवासी गोविन्द नगर, दौसा	खेड़ली	63	84.00	आवासीय
11	श्री प्रहलाद नारायण शर्मा पुत्र श्री कल्याण सहाय शर्मा निवासी प्रगति विहार, दौसा	बिचलवास	76	172.00	आवासीय
12	श्री गोपी राम बैरवा पुत्र बुद्धा राम बैरवा निवासी डोरिया कॉलोनी, दौसा	गणेशपुरा	2,3,8,9	200.00	आवासीय
13	श्री भयराम सिंह गुर्जर पुत्र श्री कल्याण सहाय गुर्जर निवासी गायत्री नगर, दौसा	दौसा खुर्द	600	210.11	आवासीय
14	श्री केसरी नन्दन सैनी पुत्र श्री चिरजीलाल सैनी निवासी गायत्री नगर, दौसा	दौसा कलां	1799,1800	138.08	आवासीय
15	श्री रामराज लखेरा पुत्र श्री रेवड मल लखेरा निवासी कमलेश्वर कॉलोनी, दौसा	दौसा खुर्द	1065	161.75	आवासीय
16	श्री केसरी नन्नदन सैनी पुत्र श्री चिरजीलाल सैनी निवासी गायत्री नगर दौसा	दौसा कलां	1799, 1800	138.00	आवासीय

अतः उपरोक्त सूची के सम्बन्ध में किसी भी आम खास को कोई भी उज्ज या आपत्ति हो तो 07 दिवस के अन्दर-अन्दर अद्योहस्ताक्षरकर्ताको मय दस्तावेजो के लिखित में प्रस्तुत करे। बाद मियाद आपत्ति पेश नहीं होने की सूरत में आवेदक को पट्टा जारी कर दिया जायेगा। उक्त सूचना आज दिनांक को जारी की गई।

आयुक्त
नगर परिषद दौसा

प्रेम, सौहार्द्र और भाईचारे की मिसाल बनें पर्व एवं त्यौहार : भारती गुप्ता

- शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने पर जोर

भरतपुर, (निस)। आगामी मोहर्रम एवं ताजिया पर्व के अवसर पर जिले में शांति, सौहार्द्र एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक बुधवार को थाना मथुरागेट परिसर में आयोजित की गई। बैठक में ताजिया लाइसेंस धारकों, आयोजकों एवं शांति समिति के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता उपखंड अधिकारी भारती गुप्ता एवं आईपीएस सीओ सिटी आशिमा वासवानी ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए उपखंड अधिकारी भारती गुप्ता ने कहा कि भरतपुर सदैव से प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द्र की मिसाल रहा है। सभी पर्व एवं त्यौहार आपसी सद्भाव, शांति और सहयोग की भावना के साथ मनाए जाएं, जिससे जिले की गौरवशाली परंपरा और अधिक मजबूत हो। उन्होंने आयोजकों एवं शांति समिति के सदस्यों से अपील की कि वे आयोजनों पर सतत निगरानी रखें तथा निष्पक्ष एवं जिम्मेदार भूमिका निभाएं।

उन्होंने निर्देश दिए कि ताजिया जुलूस एवं शोभायात्राओं के निर्धारित मार्गों का पूर्व निरीक्षण कर लिया जाए तथा जहां कहीं भी बिजली के तार ढीले या अव्यवस्थित हों, उन्हें संबंधित विभाग के माध्यम से समय रहते ठीक कराया जाए। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों में ऐसी ऊंची संरचनाओं या वस्तुओं का उपयोग नहीं किया जाए जिनसे किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका हो। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना लाइसेंस कोई भी ताजिया नहीं निकाला जाएगा ।

आईपीएस सीओ सिटी आशिमा वासवानी ने कहा कि सभी समिति सदस्य पुलिस प्रशासन का सहयोग करें तथा भरतपुर की अमन, शांति और गंगा-जमुनी तहजीब की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मोहर्रम पर्व का सौहार्दपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक एवं माकूल इंतजाम किए जाएंगे। किसी भी प्रकार की अशांति फैलाने या उपद्रव करने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने आयोजकों से निर्धारित समय एवं स्वीकृत मार्ग का पूर्ण पालन करने की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी भी स्थान पर कोई संदिग्ध गतिविधि या अवांछित स्थिति दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल प्रशासन एवं पुलिस को दी जाए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बैठक में उपस्थित शांति समिति के सदस्यों एवं आयोजकों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि मोहर्रम एवं ताजिया कार्यक्रम पूर्ण शांति, अनुशासन और कानून व्यवस्था के अनुरूप आयोजित किए जाएंगे। सभी समुदायों के सहयोग से भरतपुर की कौमी एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता की परंपरा को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। बैठक में तहसीलदार शहर अजय पारीक, मथुरागेट थाना प्रभारी हरलाल, कोतवाली थाना प्रभारी रामनिवास, अटलबंद थाना प्रभारी हेमेंद्र, वाहिद खान, नदीम, शरीफ शाह सहित जिला शांति समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5 वी व 6ठी मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805,
E-mail: rschfjaipur@yahoo.com
Office website:- www.rschf.com

क्रमांक :-62/26 दिनांक :-22/06/2026

आम सूचना संघ की आवासीय योजना केसरीचन्द चौधरी नगर, अजमेर रोड, जयपुर की दुकान संख्या-16, संघ द्वारा श्री गुरूचरण सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह बैदी को मय छत आवंटित की गई थी, जिसे श्रीमती शकुन्तला पत्नि श्री रमेशचन्द्र द्वारा क्रय किये जाने पर उक्त दुकान को श्रीमती शकुन्तला के नाम दिनांक 31.03.1999 को ट्रांसफर कर विक्रय पत्र रजिस्टर्ड करवा दिया गया था। श्री अखिलेश चन्द्र द्वारा अपने माता-पिता श्रीमती शकुन्तला एवं श्री रमेशचन्द्र के मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अनरजिस्टर्ड विल एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त दुकान मय छत उनके नाम ट्रांसफर कराने हेतु आवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त दुकान (छत सहित) पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा दुकान संख्या-16 (छत सहित), केसरी चन्द चौधरी नगर, अजमेर रोड, जयपुर को श्री अखिलेश चन्द्र पुत्र श्री रमेश चन्द्र के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।

(योगेश शर्मा) प्रबंध निदेशक
राजस्थान राज्य सहकारी, आवासन संघ लि. जयपुर

भिवाड़ी के शहरी सेवा शिविर में दीपचंद को व्हीलचेयर मिली

खैरथल/भिवाड़ी, (निसं)। सरकार का नारा योजनाएं आपके द्वार भिवाड़ी के शहरी सेवा शिविर-2026 में सच होता दिखा। लंबे समय से चलने-फिरने को मोहताज विशेष योग्यजन दीपचंद को जब जिला प्रभारी सचिव पूनम और कलेक्टर अतुल प्रकाश की मौजूदगी में व्हीलचेयर मिली तो उसका मुरझाया चेहरा मुस्कान से खिल उठा। दीपचंद के लिए यह शिविर राहत और नई उम्मीद लेकर आया।

नगर परिषद भिवाड़ी में लगे शहरी सेवा शिविर में उस वक्त भावुक पल देखने को मिला जब संयुक्त सहायता योजना के तहत विशेष योग्यजन दीपचंद पुत्र भोलूराम को व्हीलचेयर सौंपी गई।

व्हीलचेयर मिलते ही दीपचंद की आंखों में चमक आ गई और चेहरा खुशी से खिल उठा। दैनिक आवागमन में रोजाना जूझ रहे दीपचंद ने कहा आवेदन करने के बाद बहुत कम समय में ही व्हीलचेयर मिल गई। इससे साफ संदेश जाता है कि जब नीयत साफ हो तो एक छोटी सी मदद भी किसी की पूरी जिंदगी बदल सकती है।

दीपचंद ने व्हीलचेयर मिलने पर कहा अब मेरी दिनचर्या पहले से सुगम हो सकेगी। उसने राज्य सरकार और जिला प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे शिविर जरूरतमंद लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहे हैं। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने कहा कि शहरी सेवा शिविर का उद्देश्य केवल आवेदन लेना नहीं हैं।

जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने भिवाड़ी शहरी शिविर में दीपचंद को व्हीलचेयर प्रदान की।

कार्यालय, नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा (कोटपूतली-बहरोड़)
नवोदय स्कुल के पारा पावटा-303106, राज.
Email Id: Nagarpalikapaotapragpura@gmail.com
क्रमांक-न.पा.गाव.जा./2020-27/भूमि/923 दिनांक-24.06.2026

आपत्ती आमंत्रण सूचना

निग्न आवेदक ने नगरपालिका कार्यालय में 60-क/स्टेट ग्रांट / कृषि भूमि नियमन पट्टा पत्रावली प्रस्तुत की है, उक्त पत्रावली में किसी को कोई आपत्ती हो तो 07 कार्य दिवरा में नगरपालिका कार्यालय में आपत्ती प्रस्तुत करें अन्यथा पत्रावली में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	खसरा संख्या	राजस्व ग्राम	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	प्रयोजनार्थ
1	श्री कमलेश कुमार पुत्र श्री श्योपाल जाट	2660/531	पावटा	168.28	आवासीय
2	श्री सतीश कुमार जांगिड पुत्र श्री पूरणमल जांगिड	037/2353	पावटा	37.17	वाणिज्य
3	श्रीमती मीना कंवर पत्नि श्री कान सिंह	1057	पावटा	125.46	आवासीय
4	श्री रोहिताश कुमार चौधरी पुत्र श्री रघुनाथ प्रसाद चौधरी	2074	पावटा	111.51	आवासीय
5	श्रीमती सावित्रि देवी पत्नि श्री कालूराम जाट	2002/2	पावटा	130.40	आवासीय
6	श्रीमती मीरा कंवर परिन श्री हिम्मत सिंह शेखावत	2002/2	पावटा	139.40	आवासीय
7	श्रीगती आशा कंवर पत्नि श्री धर्मपाल	2002/2	पावटा	139.40	आवासीय
8	श्री कालूराम जाट पुत्र श्री बालूराम जाट	2000/1	पावटा	167.93	आवासीय
9	श्री केवल कुगार योगी पुत्र श्री शिम्भू दयाल योगी	2009/703	भांकरी	147.18	आवासीय
10	श्री अशोक कुमार सैनी पुत्र श्री रूडमल रौनी	2247/2791, 2247/2792	पावटा	305.75	मिश्रित
11	श्रीमती पुष्पा देवी पत्नि श्री पूरणमल मीणा	1770	पावटा	247.35	आवासीय
12	श्री शंकर लाल पुत्र श्री होलाराम	2200/400	प्रागपुरा	232.25	आवसीय
13	श्रीमती परेमेशवरी देवी पत्नि श्री जगमाल वर्मा	2200/400	प्रागपुरा	139.34	आवसीय
14	श्री प्रियवत पुरोहित पुत्र श्री दिनेश कुमार पुरोहित	479	पावटा	125.46	आवसीय
15	श्रीमती लाली देवी पत्नि श्री रोहिताश धानका	2051/2251	पावटा	43,85	आवसीय
16	श्री स्वंय खंडेलवाल पुत्र श्री गहेश कुमार खंडेलवाल	3108/478	पावटा	85.82	आवसीय
17	श्री नत्थूराम लखेरा पुत्र श्री सूरजमल लेखेरा	1779	पावटा	11.71	मिश्रित
18	श्री महेश जांगिड पुत्र श्री मातादीन जांगिड	1779	पावटा	18.95	आवासीय
19	श्री रोहिताश कुमार चौधरी पुत्र श्री भगवान राहाय	986/2	पावटा	110.00	आवासीय
20	श्रीमती टीना देवी पत्नि श्री सत्यनारायण सैन	1779	पावटा	101.72	आवासीय
21	श्री प्रहलाद सहाय पुत्र श्री सुगनचन्द	1779	पावटा	102.89	आवासीय
22	श्री सुरेन्द्र कुमार जाट पुत्र श्री जगमाल जाट	1951/1	पावटा	15.00	व्यावसायिक
23	श्रीमती इन्दुबाला पारीक पत्नि श्री मोहित कुमार पारीक	239	ल्लाना	119.30	आवासीय
24	श्री डालूराम यादव पुत्र श्री ग्यारसा राम यादव	1901	शिवनगर	111.50	आवासीय
25	श्री शंकर लाल पुत्र श्री होलाराम	2200/400	प्रागपुरा	232.25	आवासीय
26	श्री इन्द्राज कुम्हार पुत्र श्री भगवान सहाय	3012/1140 3016/1141	पावटा	143.07	आवासीय
27	श्री राकेश चौधरी पुत्र श्री गौरी शंकर जाट	2074	पावटा	130,06	आवासीय
28	श्रीमती प्रियंका जाट पत्नि श्री महेन्द्र कुमार जाट	2074	पावटा	2013.04	आवासीय
29	श्री बृज मोहन मीणा पुत्र श्री सुन्दर लाल मीणा	2018/2710	पावटा	124.60	आवासीय
30	श्री प्रहलाद कुम्हार पुत्र श्री सुगन चन्द कुम्हार	1779	पावटा	86.05	आवासीय
31	श्रीमती रेखा देवी पत्नि श्री राजेन्द्र कुमार	2252	पावटा	83.45	आवासीय
32	श्रीमती मंजू देवी पत्नि श्री थावर	2252	पावटा	83.45	आवासीय
33	श्रीमती सविता देवी पत्नि श्री ओमप्रकाश	2252	पावटा	83.45	आवासीय
34	श्री पुरूषोतम भारद्वाज पुत्र श्री कबुल चन्द शर्मा	1764	पावटा	135.49	आवासीय
35	श्री राकेश कुमार यादव पुत्र श्री जयराम यादव, श्रीमती पपीता देवी पत्नि श्री महेन्द्र कुमार यादव	1927	पावटा	123.36	आवासीय
36	श्रीमती संगीता चौधरी पत्नि श्री सुरेश चन्द जाट	2418/1118	पावटा	134.00	आवासीय
37	श्रीमती बरजी देवी पत्नि श्री बाबू लाल जाट	1047	पावटा	227.73	आवासीय
38	श्री महेश चौधरी पुत्र श्री जीवाराम चौधरी	1047	पावटा	554.66	आवासीय
39	श्री गिरधारी लाल, प्रहलाद जाट पुत्रान श्री फूलचन्द जाट	1047	पावटा	474.22	आवासीय
40	श्रीमती संतोष देवी पत्नि श्री राजेन्द्र जाट	1047	पावटा	336.02	आवासीय
41	श्री पूरणमल जाट पुत्र श्री जीवाराम जाट, श्री महेश चौधरी पुत्र श्री जीवाराम जाट	1047	पावटा	227.73	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा

कार्यालय, नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा (कोटपूतली-बहरोड़)
नवोदय स्कुल के पास पावटा-303106, राज.
Email.Id: Nagarpalikapaotapragpura@gmail.com
क्रमांक : न.पा.पाव.प्रा./ 2026-27 / भूमिं /920 दिनांक-24.06.2026

आपत्ती आमंत्रण सूचना

निम्न आवेदक ने नगरपालिका कार्यालय में 69-क/स्टेट ग्रांट / कृषि भूमि नियमन पट्टा पत्रावली प्रस्तुत की है, उक्त पत्रावली में किसी को कोई आपत्ती हो तो 07 कार्य दिवस में नगरपालिका कार्यालय में आपत्ती प्रस्तुत करें अन्यथा पत्रावली में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	खसरा संख्या	राजस्व ग्राम	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ
1	श्रीमती सुमन देवी पत्नि श्री कैलाश चन्द गुर्जर	1779	पावटा	173.06	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा

Tel. No.-01493 294977, E-mail ID-bhiwadi.nagarpalika@gmail.com
कार्यालय नगर परिषद भिवाडी (खैरथल-तिजारा) राज.
क्रमांकः- न.प.भि / 2026-27/3930 दिनांकः- 22-06.26

आपत्ति सूचना

सवसाधारण को सूचित किया जाता है कि "प्रशासन शहरो के संग अभियान-2021" के अन्तर्गत श्री तोफाराम पुत्र श्री किशनलाल ग्राम मिलकपुर गुर्जर, भिवाड़ी, क्षेत्रफल 118.09 वर्ग गर्ज का 69क पट्टा-विलेख (फ्री होल्ड) जारी किया गया था। जिसका क्रमांक 82 दिनांक 14.02.2021 है। प्रार्थी श्री धर्मवीर पुत्र श्री तोफाराम ने उक्त पट्टे का नामांतरण करवाने के लिए "शहरी सेवा शिविर 2026" के अन्तर्गत आवेदन इस कार्यालय में प्राप्त हुआ है। इस संबंध में किसी को भी कोई भी आपत्ति हो तो 7 दिवस में अपनी आपत्ति मय इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। मयाद निकलने के बाद कोई भी आपत्ति मान्य होगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	स्थान	क्षेत्रफल	पडोसी का विवरण
01	श्री धर्मवीर पुत्र श्री तोफाराम	मिलकपुर गुर्जर, भिवाडी	118.09 वर्गगज	उत्तर + रास्ता
				पूर्व + श्री अमर सिंह का मकान
				दक्षिण + रास्ता
				पश्चम + श्री प्रभाती का मकान

(मुकेश कुमार) आयुक्त नगर परिषद भिवाड़ी

संक्षिप्त

आशा का सहायक आचार्य पद पर चयन

मनोहरपुर , (निसं)। शाहपुरा तहसील के ग्राम उदावाला की प्रतिभाशाली बेटी डॉ. आशा यादव का राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक आचार्य (एनेस्थिसियोलॉजी) पद पर चयन हुआ है। डॉ. आशा, पूरणमल यादव की पुत्री हैं। उन्होंने एमबीबीएस एवं पीजी की शिक्षा सरकारी मेडिकल कॉलेजों से प्राप्त की है। कठिन परिश्रम, लगन और निरंतर प्रयास के बल पर उन्होंने यह सफलता हासिल की है। उनके चयन से परिवार, रिश्तेदारों और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। डॉ. आशा ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा और आत्मनिर्भरता महिलाओं को अपने निर्णय स्वयं लेने का आत्मविश्वास देती हैं तथा समाज में उनकी सशक्त पहचान बनाती हैं। उन्होंने युवतियों को अपने सपनों के लिए मेहनत करने और आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। ग्रामीणों ने उनकी इस उपलब्धि को क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणादायक बताया।

बैठक आज

कोटपूतली, (निसं)। समाज की भावी पीढ़ी को बेहतर शैक्षिणक वातावरण एवं सुदृढ़ सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महाराजा सूरजमल जाट छात्रावास कोटपूतली में 25 जून गुरुवार को प्रात: 10 बजे बैठक आयोजित की जायेगी। जिसमें छात्रावास के विकास, प्रगति एवं भविष्य की योजनाओं पर व्यापक चर्चा की जायेगी। साथ ही बैठक में छात्रावास के आय-व्यय का विवरण, वर्तमान कार्यों की समीक्षा तथा आगामी विकास योजनाओं पर समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव लिए जायेंगे। प्रबंधन समिति ने समाज के प्रत्येक वर्ग से इस बैठक में सक्रिय सहभागिता का आ ान किया है। छात्रावास के अध्यक्ष बाबूलाल चौधरी ने बताया कि महाराजा सूरजमल जाट छात्रावास केवल एक शैक्षिणक संस्था नहीं, बल्कि समाज के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। छात्रावास का विकास तभी संभव है जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी सहभागिता और सुझाव प्रदान करे। प्रबंधन समिति ने सभी समाजबंधुओं, वरिष्ठजनों, युवाओं एवं बुद्धिजीवियों से अधिक से अधिक संख्या में बैठक में उपस्थित होकर छात्रावास के विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

रोडवेज बस सेवा पुनः संचालित कराने की मांग

बौंली- बामनवास, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय परिषद सदस्य ओमप्रकाश डंगोरिया नेराजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा को व्यक्तिगत मिलकर करोना काल में बंद हुई रोडवेज बस सेवा को पुन: संचालित कराने की मांग को लेकर, एक ज्ञापन सोंपा। ज्ञापन में अंकित किया गया है की करीब 32 वर्षों से जयपुर वाया निवाई होते हुए बौंली के लिए बौंली सवाई माधोपुर केलिए अनेको बसें संचालित थी जिन्हें करोना काल में बंद कर दिया गया है उन्हें पुन: संचालित करायाजाए जिससे वरिष्ठ जनों के साथ-साथ आमजनों को भी राजस्थान सरकार द्वारा दिए जा रहे परिवहन बस सेवाओं का लाभ मिल सके।

भजन संध्या आज

निवाई, (निसं)। इन्दिरा कॉलोनी में स्थित श्याम मंदिर में निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर बाबा श्याम का पंचामृत से अभिषेक कर छप्पन भोग की झांकी सजाई जाएगी एवं कलकत्ता के फूलों से भव्य शृंगार किया जाएगा। श्याम सेवा समिति के सदस्य ने बताया कि निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर मंदिर प्रांगण में भक्तों के लिए तरबूज एव ठंडाई वितरण का आयोजन किया जाएगा एवं शाम 7 बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा।

दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना निर्देशन में चलाये जा रहे विशेष अभियान वांछित अपराधियों की धरपकड़ के तहत वृताधिकारी निवाई रविप्रकाश शर्मा एवं थाना सदर टोंक की पुलिस टीम ने क्षैत्र में कार्यवाही करते हुए गत 3 जून को सन्तोषनगर, बमोर रोड स्थित एक कृषि भूमि के सीमाज्ञान व पत्थरगढी की कार्यवाही के दौरान पुराने विवाद के चलते विजय सिंह राजावत व उसके भतीजे राजन सिंह के साथ जानलेवा हमला करने की वारदात करने वाले वांछित मुख्य आरोपी जो 5 हजार रूपये का ईनाम घोषित था।

किशनगढ़ बास में नाबालिग से गैंगरेप के विरोध में पुलिस थाने पर धरना

किशनगढ़ बास, (निसं)। 16 साल की नाबालिग से गैंगरेप के 5 दिन बाद भी मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर बुधवार को पीड़ित परिवार और सामाजिक संगठनों ने पुलिस थाना परिसर में ढाई घंटे तक धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर त्वरित न्याय की मांग की। सब-इंस्पेक्टर विजय कुमार ने तीन आरोपियों को हिरासत में लेने की जानकारी दी, जिसके बाद धरना समाप्त हुआ।

एक दिन पहले मंगलवार को एडवोकेट कमल सिंह, सुल्तान सिंह यादव और पीड़ित परिवार के प्रतिनिधिमंडल ने थाना अधिकारी बनवारी लाल मीणा को 24 घंटे में गिरफ्तारी का अल्टीमेटम दिया था। समय सीमा खत्म होने पर बुधवार सुबह सामाजिक संगठनों के साथ परिजन थाने पहुंचे और परिसर में धरने पर बैठ गए।

नाबालिग से गैंगरेप के 5 दिन बाद भी मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस थाना परिसर में धरना दिया।

सब-इंस्पेक्टर विजय कुमार ने धरनास्थल पर पहुंचकर बताया कि पुलिस की विशेष टीमों ने दबिश देकर मामले में शामिल तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। शेष आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार करने का ठोस आश्वासन दिया गया। पुलिस के भरोसे के बाद धरना समाप्त कर दिया गया। धरना समाप्ति के बाद पीड़ित परिवार और संगठनों ने पुलिस को लिखित मांग पत्र सौंपा। इसमें गैंगरेप के सभी आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की मांग की गई।

- सब-इंस्पेक्टर विजय कुमार ने तीन आरोपियों को हिरासत में लेने की जानकारी दी, जिसके बाद धरना समाप्त हुआ

मांग पत्र में आरोप लगाया गया कि पूर्व सरपंच तैयब खान, एम.पी.एस. जूहूर खान, पूर्व सरपंच नाजदीन, आसमोहम्मद, वल्ला खान, निजार खान, काला खान और उहार खान ने पीड़ित के घर जाकर राजीनामा का दबाव बनाया और धमकी दी कि राजीनामा कर लो वरना अंजाम भुगतो। पीड़ित पक्ष ने इन सभी के खिलाफ पोक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

साथ ही आरोप है कि मेवाती खान नाम की सोशल मीडिया आईडी से गैंगरेप में शामिल एक आरोपी के परिवार का सदस्य लाइव आकर भ्रमित और भड़काऊ भाषण दे रहा है। इस आईडी संचालक पर भी पोक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग उठाई गई।

पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक 20 जून की रात करीब 12 बजे वारदात हुई। पीड़ित के चाचा अस्थि विसर्जन के लिए गंगा जी गए थे। घर में महिलाएं और नाबालिग अकेली थी। आरोप है कि गांव के दो युवक दीवार फांदकर घर में घुसे और नाबालिग को खेत में ले गए, जहां पहले से मौजूद दो अन्य युवकों के साथ मिलकर मारपीट, जान से मारने की धमकी और सामूहिक दुष्कर्म किया। डीएसपी लालसिंह यादव पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

कलक्टर ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली

अलवर, (निसं)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज कलक्ट्रेट सभागार में जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से जिले की सडक़ों को और अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने वर्षवार सडक़ दुर्घटनाओं की विस्तृत समीक्षा कर निर्देशित किया कि सडक़ दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम एवं सडक़ सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए संबंधित विभाग समन्वित प्रयास कर आवश्यक सुरक्षात्मक कदम उठावें। उन्होंने प्रमुख सडक मार्गों पर दुर्घटना सेंसिटिव बिंदुओं का चिन्हीकरण कर सुधारात्मक कार्य करने, जिसमें ब्रेकर व साइनेज इत्यादि कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सडक निर्माण से जुडे विभागों यूआईटी व नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया।

अलवर में निकाली लॉटरी, 181 वरिष्ठ नागरिक हवाई जहाज से काठमांडू जाएंगे

अलवर, (निसं)। राज्य सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना 2026-27 के तहत अलवर जिले के 1660 यात्रियों की लॉटरी मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में निकाली गई। एडीएम शहर अम्बा लाल मीणा ने बताया कि 181 यात्री हवाई यात्रा से पशुपतिनाथ काठमांडू और 1479 यात्री रेल से देशभर के धार्मिक स्थलों की नि:शुल्क यात्रा करेंगे। रिजर्व कोटे में भी यात्रियों को रखा गया है।

एडीएम शहर अम्बा लाल मीणा की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में यात्रियों की लॉटरी निकाली

एडीएम शहर अम्बा लाल मीणा ने बताया कि जिले से कुल 3089 वरिष्ठ नागरिकों ने नि:शुल्क तीर्थ यात्रा के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। आवंटित 1660 कोटे के तहत हवाई जहाज से 181 और रेल से 1479 यात्रियों की लॉटरी निकाली गई। हवाई जहाज से चयनित 181 वरिष्ठ नागरिक नेपाल स्थित पशुपतिनाथ मंदिर काठमांडू की यात्रा करेंगे।

रेल से जाने वाले 1479 यात्री हरिद्वार, ऋषिकेश, अयोध्या, वाराणसी, सारनाथ, सम्मेद शिखर, पावापुरी, मथुरा, वृंदावन, आगरा, द्वारका, नागेश्वर, सोमनाथ, तिरूपति, पद्मावती, कामाख्या, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कोणार्क, रामेश्वरम, मदुरई, वैष्णोदेवी, अमृतसर, वाघा बॉर्डर, गोवा के मंदिर व चर्च, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, त्र्यंबकेश्वर, घृष्णेश्वर, एलोरा, बिहार शरीफ, पटना साहिब, हजूर साहिब नांदेड की यात्रा करेंगे।

- 1660 वरिष्ठ नागरिकों की निकाली गई लॉटरी, हवाई यात्रा के साथ 1479 यात्री रेल से देशभर के धार्मिक स्थलों की निःशुल्क यात्रा करेंगे। करीब इतने ही यात्रियों को रिजर्व कोटे में भी रखा गया है

एडीएम ने बताया कि 1660 यात्रियों की लॉटरी के साथ ही इतने ही यात्रियों को रिजर्व कोटे में रखा गया है। चयनित यात्री किसी कारणवश यात्रा पर नहीं जा पाए तो रिजर्व सूची के यात्रियों को मौका दिया जाएगा।

तकनीकी कर्मचारियों ने मांगों को लेकर अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपा

निवाई, (निसं)। राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन के तत्वावधान में तकनीकी कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर प्रदेशाध्यक्ष पृथ्वीराज गुर्जर के नेतृत्व में तकनीकी कर्मचारियों ने अधीक्षण अभियंता टोंक को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से बिजली विभाग के तकनीकी कर्मचारियों के कार्य-विभाजन, उत्तरदायित्व व एफआरटी कार्य प्रणाली के संबंध में दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है, ताकि भविष्य में किसी भी असमंजस या दुर्घटना की स्थिति से बचा जा सके।

- कर्मचारियों के कार्य-विभाजन, उत्तरदायित्व व एफआरटी कार्य प्रणाली के संबंध में दिशा-निर्देश जारी करने की मांग

कर्मचारियों ने बताया कि आदेशों के अभाव में फीडर प्रभारियों एवं लाइन स्टाफ को अत्यधिक व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एलटी लाइन के रखरखाव, दोष निवारण व तार टूटने जैसे कार्यों के लिए निगम द्वारा एफआरटी को नियुक्त किया गया है और इसके लिए भारी भुगतान भी किया जा रहा है, इसलिए ऐसे कार्यों से विभागीय कर्मचारियों को पूर्णत: मुक्त रखकर सिर्फ एफआरटी को ही पाबंद किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त वर्तमान में 11 केवी लाइन के कार्यों का अनुबंध भी एफआरटी को दिया जा चुका है, किंतु जमीनी स्तर पर आज भी यह कार्य नियमित कर्मचारियों से कराया जा रहा है और भुगतान एफआरटी को हो रहा है, जो कि निगम के हित में नहीं है। ऐसी स्थिति में कार्य-विभाजन स्पष्ट नहीं होने के कारण भविष्य में किसी हादसे या विभागीय कार्यवाही की स्थिति में कर्मचारियों को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराना बिल्कुल भी न्यायोचित नहीं होगा।

विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपते हुए विद्युत तकनीकी कर्मचारी।

संगठन ने मांग की है कि यदि किसी विशेष आपातकालीन परिस्थिति में कर्मचारियों के सहयोग की आवश्यकता पड़ती है, तो कनिष्ठ या सहायक अभियंता द्वारा स्थान एवं उत्तरदायित्व तय करते हुए लिखित आदेश जारी किए जाएं।

विधायक ने कौशल विकास शिविर का अवलोकन किया

लालसोट, (निसं)। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड, लालसोट द्वारा पीएमअशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित अभिरुचि एवं कौशल विकास शिविर के समापन अवसर पर विधायक रामबिलास मीणा एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल बैनाडा ने शिविर का अवलोकन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार सिलाई, मेहंदी सहित विभिन्न विषयों की प्रदर्शनी का निरीक्षण कर उनकी प्रतिभा की सराहना की।

शिविर प्रभारी गोविंद सहाय शर्मा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि 17 मई 2026 से संचालित इस शिविर में सात विषयों की कक्षाओं के माध्यम से 108 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया, जबकि 10 प्रशिक्षकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर के दौरान सिलाई, मेहंदी, नृत्य, इंग्लिश स्पोकन, कंप्यूटर, पार्लर एवं ड्राइंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

शिविर के दौरान 15 विद्यार्थियों ने स्काउट संगठन की सदस्यता ग्रहण की। साथ ही विजय शर्मा को ब्लॉक कोषाध्यक्ष, मुकेश पारीक को सहसचिव तथा रेखारानी मीना को गाइड के रूप में मनोनीत किया गया।

- शिविर के दौरान सिलाई, मेहंदी, नृत्य, इंग्लिश स्पोकन, कंप्यूटर, पार्लर एवं ड्राइंग प्रतियोगिताओं का आयोजन

शिविर में विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण सृष्टि शर्मा (नृत्य), हेमा सैनी (मेहंदी), सलोनी शर्मा (सिलाई), पूजा मिरोठा (पार्लर), अंकुश मेहरा (कंप्यूटर), मुकेश पारीक (इंग्लिश स्पोकन) एवं किरण सैनी (ड्राइंग) ने दिया। वहीं गोपाल सिंह राजपूत एवं प्रिया सैनी ने योग प्रशिक्षण की जिम्मेदारी निभाई। कार्यक्रम में अनिल बुर्जा, रूप सिंह मीणा, एल.एन. भारद्वाज, दीपक जांगिड़, मदनलाल पारीक, दिनेश जोशी, अर्पित गुप्ता, महेश शर्मा, अमन शर्मा, अनुराग प्रिय शर्मा, अनिल शर्मा, शोभारानी शर्मा, नविता गौतम, कृष्णा शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कोटपूतली में कलेक्टर ने योजनाओं व स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की समीक्षा की

कोटपूतली , (निसं)। जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक बुधवार को जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रमों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने नशा मुक्त भारत अभियान के पोस्टर का विमोचन करते हुए युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से सफल बनाने पर बल दिया।

बैठक में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप शिविरों में आमजन को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शिविरों में प्राप्त प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने तथा अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक ली।

जिला कलेक्टर ने टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को रोगियों की समय पर पहचान, उपचार की सतत निगरानी एवं जनजागरूकता गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नियमित टीकाकरण एवं इम्यूनाइजेशन कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने तथा छूटे हुए बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा।

- बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधार, टीबी उन्मूलन, टीकाकरण ,जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए पीसीटीएस, एवं एचएमआईएस पोर्टल पर लंबित प्रविष्टियों और रिपोर्टिंग की स्थिति में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न संकेतकों की भी समीक्षा की गई तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने पर जोर दिया गया।

बैठक में यूडीआईडी (यूनिक डिसएबिलिटी आईडी) से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने पेंडेंसी को शीघ्र समाप्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नियमित टीकाकरण एवं इम्यूनाइजेशन कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने तथा छूटे हुए बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा।

बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न संकेतकों की भी समीक्षा की गई तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने पर जोर दिया गया।

सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इस दिशा में सभी संबंधित विभागों को गंभीरता के साथ कार्य करना होगा।

बैठक में यूडीआईडी (यूनिक डिसएबिलिटी आईडी) से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने पेंडेंसी को शीघ्र समाप्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नियमित टीकाकरण एवं इम्यूनाइजेशन कार्यक्रम की प्रगति की

शाहपुरा में अलग-अलग स्थानों पर शिविर आयोजित

शाहपुरा, (निसं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष माधवी दिनकर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने नगरपरिषद शाहपुरा में अलग-अलग स्थानों पर दिव्यांग पीड़ित के कानूनी अधिकार पर जागरूक किया।इस शिविर की अध्यक्षता मनरेगा प्रभारी पंकज शर्मा द्वारा की गई। इस अवसर पर अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि दिव्यांग पीड़ित व्यक्तियों को सरकारी विभागों में उनके कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर किया जाता है। दिव्यांग पीड़ित के आरक्षण के आधार पर उनकी योग्यताओं के आधार पर सरकारी सर्विसेज में भी विशेष छूट दी गई है। अगर किसी दिव्यांश पीड़ित के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा प्रताड़ित किया गया हो, या उसके साथ मारा-पीटा गया हो तो पुलिस थाना में भी ऐसे मामलों पर तत्वरित कार्यवाही की जाती है। जमीन खरीदने पर भी स्टाम्प ड्यूटी में छूट का प्रावधान है।

सार-समाचार

एसडीएम ने पुलिस की मदद खेत का बंद रास्ता खुलवाया

सांभरझील, (निसं)। ग्राम पंचायत मुण्डवाडा में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सैकड़ो ग्रामीणों ने इसका लाभ उठाया। शिविर में पानी बिजली से जुड़ी अनेक समस्याएं भी सामने आई। घरेलू व काश्तकारों के कनेक्शन संबंधी मामले भी देखे है जिनका नियमानुसार निस्तारण हेतु संबंधित विभाग को दिशा निर्देश दिए गए। इसी प्रकार का एक छह दशक पुराना मामला रास्ता बाधित का भी सामने आया जिसे वहां के काश्तकार जिसमे भूरा पुत्र भैरू जाति बलाई ने शिविर प्रभारी ऋषिराज कपिल उपखण्ड अधिकारी व सहायक शिविर प्रभारी भागीरथ मल मीणा विकास अधिकारी पंचायत समिति सांभरलेक व सुसुष्टि जैन तहसीलदार के समक्ष उपस्थित होकर अवगत कराया कि मैं पिछले 60 साल से ग्राम पंचायत मुण्डवाडा में रास्ता बन्द हैं। और हमारे को खेत मे आने जाने मे समस्या का सामना करना पडता है, जिसके सम्बन्ध में शिविर प्रभारी व सहायक शिविर प्रभारी ने तहसीलदार, गिरदाव व हल्का पटवारी मय पुलिस जाब्ता के साथ जाकर रास्ता खुलवाया गया तथा पीड़ित को प्रकरण का निस्तारण कर राहत प्रदान की। शिविर में उपस्थिति ग्रामीणों में खुशी जाहिर की व माननीय मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री महोदय का शुक्रिया अदा किया।

भोमिया जी की डूंगरीधाम पर उमड़ा आस्था का सैलाब

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र के बियावास स्थित पवित्र भोमिया जी की डूंगरीधाम, बीलवाड़ी में आयोजित वार्षिक धार्मिक महोत्सव एवं विशाल भंडारे में मंगलवार को श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। मुरलीदास जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने धाम पहुंचकर भोमिया जी महाराज के दर्शन किए तथा सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सुबह से ही धाम परिसर बाबा के जयकारों और भक्ति गीतों से गुंजायमान रहा। आसपास के गांवों सहित दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने ढोक लगाकर लोकदेवता भोमिया जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते पूरे क्षेत्र में मेले जैसा माहौल बना रहा। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी धार्मिक आयोजन को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। दोपहर में आयोजित विशाल महाभंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे की व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं अनुशासित ढंग से संचालित की गईं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता बियावास एवं बीलवाड़ी ग्रामवासियों का सामूहिक सहयोग रहा। दोनों गांवों के लोगों ने मिलकर भोजन व्यवस्था, पेयजल, पार्किंग, दर्शन व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक प्रबंधों की जिम्मेदारी संभाली।

शिक्षा रैंकिंग में सांभर प्रदेश की टॉप 10 सूची में शुमार

सांभरझील, (निसं) । राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की ओर से जारी राज्य स्तरीय ब्लॉक रैंकिंग में राजधानी के 378 ब्लॉकों की सूची में जयपुर के 4 ब्लॉक टॉप-100 में अपना स्थान बना सके हैं।। जयपुर वेस्ट और झोटवाड़ा सिटी तो प्रदेश के सबसे फिसड्डी ब्लॉक की सूची में दर्ज हो गए हैं। जनवरी-2026 की रैंकिंग में जयपुर जिले में सांभरलेक ब्लॉक 53.80 अंकों के साथ पहले और शाहपुरा 53.39 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। ये दोनों ही प्रदेश की टॉप-10 सूची में शामिल होने वाले जयपुर के इकलौते ब्लॉक हैं। चाकसू 52.29 अंकों के साथ तीसरे और किशनगढ़ रेनवाल 51.65 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहा। शिक्षा विभाग द्वारा जारी हालिया समीक्षा रैंकिंग में सांभरलेक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे जिले में प्रथम व राज्य में टाप 10 में स्थान प्राप्त किया है। इस ऐतिहासिक सफलता पर ब्लॉक के सभी सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों में भारी उत्साह है।मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गिरिराज कुमार मीणा ने इस उपलब्धि को एक सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। प्रथम स्थान पूरे ब्लॉक के शिक्षकों की कड़ी मेहनत, संस्था प्रधानों के कुशल नेतृत्व और हमारे विद्यार्थियों के दृढ़ संकल्प की जीत है।

दुर्घटना संभावित स्थल को सुरक्षित बनाने की कवायद जारी

कोटपूतली, (निसं)। नारेहड़ा-पनियाला बाईपास रोड़ स्थित गोपालपुरा कट पर मंगलवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे के बाद प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। ग्रामीणों के भारी आक्रोश और प्रशासन के साथ हुई वार्ता में बनी सहमति के बाद दुर्घटना संभावित इस ब्लैक स्पॉट को सुरक्षित बनाने की कवायद तेज कर दी गई है। बुधवार को मौके पर भारी पुलिस जाप्ते की मौजूदगी में बैरिकेडिंग करने और स्पीड ब्रेकर (गति अवरोधक) लगाने का काम युद्ध स्तर पर शुरू किया गया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को गोपालपुरा कट पर एक भीषण और दर्दनाक सड़क हादसा हुआ था। इस हादसे में मोटरसाईकिल सवार चाचा और उनकी मासूम भतीजी की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगाकर परमानेंट सुरक्षा उपाय करने, स्पीड ब्रेकर बनाने और अवैध कटों को बंद करने की पुरजोर मांग उठाई थी।तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए और ग्रामीणों की मांग पर प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही का भरोसा दिया था। इसी सहमति के तहत बुधवार को मौके पर बैरिकेडिंग और ऊंचे स्पीड ब्रेकर बनाने का काम शुरू कराया गया, ताकि हाईवे पर सरपट दौड़ते वाहनों की गति को नियंत्रित किया जा सके।

अस्पताल में चर्म एवं रति रोग विशेषज्ञ डॉ. रिंकू गुर्जर ने कार्यभार संभाला

कोटपूतली , (निसं)। राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में चर्म एवं रति रोग विशेषज्ञ डॉ. रिंकू गुर्जर को शुक्रवार को पीएमओ डॉ. पुष्कर राज गुर्जर ने कार्यभार ग्रहण करवाया। डॉ. रिंकू राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल की पहली महिला डर्मेटोलॉजिस्ट (चर्म एवं रति रोग विशेषज्ञ) हैं। उनकी इस नियुक्ति से कोटपुतली और आसपास के ग्रामीण ईलाकों के मरीजों को बहुत बड़ी सहूलियत मिलेगी। डॉ. रिंकू गुर्जर का मेडिकल बैकग्राउंड बेहद शानदार रहा है। उन्होंने देश के प्रतिष्ठित 'आर्मी मेडिकल कॉलेज' से अपनी एमबीबीएस की डिग्री पूरी की है। इसके बाद उन्होंने दिल्ली के प्रसिद्ध 'वीएमएमसी सफदरजंग अस्पताल' से एमडी (स्कीन एण्ड वी.डी.) की उच्च शिक्षा हांसिल की। सबसे पहले एक वर्ष तक भीलवाड़ा मेडिकल कॉलेज में सेवायें प्रदान की एवं पिछले 03 वर्षों से धौलपुर के बाड़ी जिला अस्पताल में कार्यरत रही। डॉ. रिंकू बीसीएमओ कोटपूतली डॉ. धर्मेंद्र की धर्मपत्नी हैं। डॉ. धर्मेंद्र ने करीब 04 महीने पहले ही कोटपूतली बीसीएमओ की कमान संभाली है।

सड़क सुरक्षा समिति ने एनएच पर दुर्घटना संभावित स्थलों का दौरा किया

निवाई, (निसं)। सडक़ सुरक्षा समिति ने बरोनी थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटना संभावित स्थलों का दौरा किया। बरोनी थानाधिकारी नारायणलाल गुर्जर ने बताया कि सडक़ सुरक्षा समिति टोंक के सदस्य व अधीक्षण अभियंता पीसी सैनी टोंक, एनएचएआई के रोड़ सेफ्टी एक्सपर्ट कमल पालीवाल, एनएचएआई के असिस्टेंट हाईवे इंजीनियर सोनू फोजदार व दिलीप सिंह, एक्सईएन टोंक नागेंद्रसिंह परिहार व थानाधिकारी नारायणलाल गुर्जर ने थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर वैष्णो देवी मंदिर से बरथल तिराहा तक गहनता से निरीक्षण किया।

इन ब्रेक का मकसद पूरी तरह से खेल से जुड़ा है और इससे फीफा को कोई अतिरिक्त कमाई नहीं होती, क्योंकि सभी कमर्शियल एग्रीमेंट पहले ही साइन किए जा चुके थे। टूर्नामेंट की शुरुआत से ही दर्शक और खिलाड़ी एक नई स्थिति का अनुभव कर रहे हैं। - **जियानी इन्फेंटिनो**

फीफा प्रेसिडेंट, हाइड्रेशन ब्रेक का बचाव करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बॉब ब्लेयर

न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज बॉब ब्लेयर का बुधवार को उनके 94वें जन्मदिन पर इंग्लैंड में निधन हो गया। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने उनके निधन की पुष्टि की है। बॉब ब्लेयर ने 1953 से 1964 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 19 टेस्ट मैच खेले और 35.23 की औसत से 43 विकेट हासिल किए। हालांकि क्रिकेट इतिहास में उन्हें उनके आंकड़ों से ज्यादा उनकी अद्भुत साहसिक कहानी के लिए याद किया जाता है। साल 1953 में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग स्थित एलिस पार्क मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच के दौरान ब्लेयर को अपने जीवन का सबसे बड़ा दुख झेलना पड़ा।

क्या आप जानते हैं ?... गोल्डन बॉल : लियोनेल मेसी फुटबॉल इतिहास के इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने दो बार (2014 और 2022) वर्ल्ड कप में गोल्डन बॉल का खिताब जीता है।

FIFA WORLD CUP 2026

आज के मैच

बोस्निया और हर्जेगोविना बनाम कतर
सुबह 12.30 बजे

मोरक्को बनाम हैती
सुबह 3.30 बजे

स्कॉटलैंड बनाम ब्राजील
सुबह 3.30 बजे

द. अफ्रीका बनाम द. कोरिया
सुबह 6.30 बजे

चेकिया बनाम मैक्सिको
सुबह 6.30 बजे

पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से रौंदा, रोनाल्डो ने दागे दो गोल

ह्यूस्टन, 24 जून। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मंगलवार को दो गोल दागकर अपनी टीम को फीफा विश्व कप 2026 में उज्बेकिस्तान पर 5-0 की एकतरफा जीत दिलाई। इस शानदार जीत के साथ पुर्तगाल नॉकआउट चरण में पहुंचने के बेहद करीब पहुंच गया है।

41 वर्षीय रोनाल्डो ने मुकाबले के छठे मिनट में गोल कर इतिहास रच दिया। वह विश्व फुटबॉल के पहले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने छह अलग-अलग विश्व कप अभियानों में गोल करने का कारनामा किया है। उनका यह सफर 2006 विश्व कप से शुरू हुआ था। रोनाल्डो ने गोल करने के बाद अपना प्रसिद्ध "सियू" उत्सव मनाया और स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों का अभिवादन किया।

इसके बाद नूनो मेंडेस ने 17वें मिनट में फ्री किक पर गोल कर पुर्तगाल की बढ़त 2-0 कर दी। रोनाल्डो ने 39वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागकर टीम को 3-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ उनके विश्व कप में कुल 10 गोल हो गए, जो किसी भी पुर्तगाली खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वाधिक गोल हैं। उज्बेकिस्तान की टीम पूरे मैच में संघर्ष करती नजर आई। इटली के पूर्व विश्व कप विजेता फाबियो कानावारो के मार्गदर्शन में खेल रही टीम पुर्तगाल के आक्रामक खेल का मुकाबला नहीं कर सकी। पहले हाफ में ही पुर्तगाल को चौथा गोल मिला, जब एक कॉर्नर के दौरान गेंद उज़्बेकिस्तान के गोलकीपर अब्दुवोखिद नेमातोव से टकराकर गोल में चली गई और आत्मघाती गोल दर्ज हुआ। दूसरे हाफ में पुर्तगाल ने दबाव बनाए रखा और 87वें मिनट में राफाएल लेआओ ने शानदार गोल कर स्कोर 5-0 कर दिया।

मुकाबले के बाद रोनाल्डो ने कहा,"मैं बहुत खुश हूं। लेकिन मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण टीम का प्रदर्शन और हमारा आत्मविश्वास है। टीम ने शानदार खेल दिखाया और पिछले मैच की तुलना में काफी सुधार किया। व्यक्तिगत रिकॉर्ड अच्छे लगते हैं, लेकिन मेरा लक्ष्य हमेशा राष्ट्रीय टीम को उसके उद्देश्यों तक पहुंचाने में मदद करना है।" पुर्तगाल ने अपने पहले मैच में लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो के खिलाफ 1-1 की निराशाजनक बराबरी खेली थी, लेकिन इस जीत के साथ उसने दमदार वापसी की है। अब पुर्तगाल का अंतिम ग्रुप मुकाबला शनिवार को कोलंबिया के खिलाफ होगा। वहीं कोलंबिया ने अपने पहले मैच में उज़्बेकिस्तान को 3-1 से हराया था।

सुरक्षा नियमों की वजह से सूर्यवंशी को पूरे दौरे के दौरान एक अलग चेंजिंग रूम का इस्तेमाल करना होगा

नई दिल्ली, 24 जून। वैभव सूर्यवंशी इस शुक्रवार इतिहास रचने के लिए तैयार हैं। उम्मीद है कि यह युवा खिलाड़ी बेलफ़ास्ट में

आयरलैंड के ख़िलाफ़ पहले टी-20 मैच में भारत के लिए अपना डेब्यू करेगा। हालांकि, टीम का हिस्सा होने के बावजूद, आईसीसी और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के नियमों की वजह से, इंग्लैंड के ख़िलाफ़ टी-20 सीरीज़ के दौरान इस 15 साल के खिलाड़ी को हर समय भारतीय ड्रेसिंग रूम में जाने की इजाज़त नहीं होगी। सुरक्षा नियमों की वजह से सूर्यवंशी को पूरे दौरे के दौरान एक अलग चेंजिंग रूम का इस्तेमाल करना होगा। आईसीसी के नियमों और ईसीबी की पॉलिसी के तहत, 16 साल से कम उम्र के खिलाड़ियों को वयस्क खिलाड़ियों के साथ चेंजिंग-रूम की सुविधाएँ शेयर करने की इजाज़त नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार उन्हें सिर्फ़ मैचों और टीम मीटिंग के दौरान ही टीम ड्रेसिंग रूम में जाने की इजाज़त होगी। बाकी समय में, वह ईसीबी की ओर से उन्हें दिए गए पर्सनल चेंजिंग रूम का इस्तेमाल करेंगे। सूर्यवंशी अपने माता-पिता के साथ यूनाइटेड किंगडम गए हैं, जो उन्हें नए माहौल में ढलने में मदद करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सूर्यवंशी को मैच के दौरान भारत के ड्रेसिंग रूम में जाने और टीम की बातचीत में शामिल होने की इजाज़त होगी, लेकिन उन पर यह पाबंदी तब लागू होगी जब वह हर मैच से पहले और बाद में कपड़े बदल रहे होंगे।

मुन्योज के गोल से कोलंबिया नॉकआउट चरण में, डीआर कांगो को 1-0 से हराया

न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी, 24 जून। डेनियल मुन्योज़ के दूसरे हाफ में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत कोलंबिया ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-के मुकाबले में बुधवार को डीआर कांगो को 1-0 से हराकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। लगातार दूसरी जीत के साथ कोलंबिया ने छह अंक जुटा लिए और एक मैच शेष रहते नॉकआउट चरण का टिकट हासिल कर लिया।

मुकाबले में कोलंबिया ने शुरुआत से ही गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके भी बनाए, लेकिन डीआर कांगो के गोलकीपर लियोनेल म्पासी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेम्स रोड्रिगेज, लुइस डियाज और जॉन एरियास के प्रयासों को विफल कर दिया। पहले हाफ में कोलंबिया को बढ़त नहीं मिल सकी और डीआर कांगो की रक्षापंक्ति लगातार दबाव झेलते हुए भी गोल बचाने में सफल रही।

आखिरकार 76वें मिनट में कोलंबिया को सफलता मिली। हुआन क्विंटेरो के सटीक पास पर डेनियल मुन्योज़ दाएं छोर से तेजी से पेनाल्टी क्षेत्र में पहुंचे और उनका निचला शॉट एक रक्षक से हल्का सा टकराकर गोल में चला गया। यही गोल मुकाबले का फैसला साबित हुआ। डीआर कांगो ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन कोलंबियाई रक्षा पंक्ति ने उन्हें कोई बड़ा मौका नहीं दिया।

इस जीत के साथ कोलंबिया छह अंकों के साथ नॉकआउट चरण में पहुंच गया है। अब उसका अंतिम ग्रुप मुकाबला पुर्तगाल से होगा। दूसरी ओर डीआर कांगो के खाते में दो मैचों के बाद केवल एक अंक है और उसे अपनी उम्मीदें जीवित रखने के लिए अंतिम मुकाबले में उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी। कोलंबिया ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया, जबकि डीआर कांगो के गोलकीपर लियोनेल म्पासी की शानदार बचावों के कारण मुकाबला लंबे समय तक गोलरहित बना रहा। हालांकि अंत में मुन्योज़ के गोल ने दक्षिण अमेरिकी टीम को बहुमूल्य जीत दिला दी।

वंशिका व शिवा ने जीता रजत, भारत शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली, 24 जून। जर्मनी के सुहल में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। भारत की वंशिका चौधरी और शिवा नरवाल की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम जूनियर स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश की झोली में एक और पदक डाल दिया।

भारतीय जोड़ी ने पूरे मुकाबले के दौरान संयमित और प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और अंततः रजत पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ भारत ने प्रतियोगिता में एक और महत्वपूर्ण पदक जोड़ लिया। इस पदक के बाद आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारत की कुल पदक संख्या 16 हो गई है। भारतीय दल के खाते में अब 5 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य पदक हैं।

व्यक्तिगत, टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारतीय दल पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। भारतीय निशानेबाजों की निरंतर सफलता ने एक बार फिर विश्व मंच पर देश की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

घाना की मजबूत रक्षा के आगे बेबस हुआ इंग्लैंड, खेला गोलरहित ड्रॉ

मैसाचुसेट्स, 24 जून। फीफा विश्व कप 2026 के ठ्ठप एल मुकाबले में घाना ने शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 0-0 की बराबरी पर रोक दिया। बोस्टन स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ियों के कई प्रयास घाना की सुदृढ़ रक्षा पंक्ति के सामने नाकाम रहे। हैरी केन और जूड बेलिंगहम की अगुवाई में इंग्लैंड ने पूरे मैच में आक्रमण करने की कोशिश की, लेकिन घाना के खिलाड़ियों ने अनुशासित खेल दिखाते हुए कोई मौका नहीं दिया। इस ड्रॉ के साथ घाना के दो मैचों में चार अंक हो गए हैं और वह केवल बेहतर गोल अंतर के आधार पर इंग्लैंड से पीछे है।

इंग्लैंड को मैच जीतने का सबसे बड़ा अवसर निर्धारित समय के अंतिम क्षणों में मिला। स्थानापन्न खिलाड़ी निको ओ'राइली ने दाएं छोर से आए क्रॉस पर शानदार हेडर लगाया, लेकिन गेंद गोलपोस्ट से टकराकर वापस आ गई। इसके बाद मिले मौके पर हैरी केन भी गेंद को गोल में नहीं पहुंचा सके और उनका शॉट बार के ऊपर चला गया।

दूसरे हाफ में इंग्लैंड के मुख्य प्रशिक्षक थॉमस टुखेल ने आक्रामकता बढ़ाने के लिए मॉर्गन रोजर्स और एबेरेची एज़े को मैदान पर उतारा, लेकिन इससे भी टीम के खेल में कोई खास बदलाव नहीं आया। घाना की टीम ने पूरे मुकाबले में संयमित खेल दिखाया और इंग्लैंड के लगातार हमलों को विफल करते हुए महत्वपूर्ण एक अंक हासिल किया। अब इंग्लैंड अपने अगले मुकाबले में न्यू जर्सी में पनामा से भिड़ेगा, जबकि घाना की टीम फिलाडेल्फिया में क्रोएशिया का सामना करेगी।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में गिल दूसरे स्थान पर, टेस्ट में हेनरी ने बुमराह की बराबरी की

नई दिल्ली, 24 जून। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने आईसीसी की ताज़ा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बराबरी कर ली है। दोनों के 870-870 रेटिंग अंक हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन का गिल को बड़ा फायदा मिला। उन्होंने पहले दो मुकाबलों में 84 और 154 रन की शानदार पारियां खेलीं, जबकि तीसरे मैच में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था। ताज़ा रैंकिंग में गिल अब शीर्ष पर मौजूद न्यूज़ीलैंड के डैरिल मिचेल से केवल 24 रेटिंग अंक पीछे हैं। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान श्रृंखला नहीं खेल सके, जिसके चलते वह एक स्थान नीचे खिसककर तीसरे नंबर पर पहुंच गए। रोहित शर्मा चौथे स्थान पर बरकरार हैं। इसके अलावा श्रेयस अय्यर एक स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि केएल राहुल दो स्थान फिसलकर 11वें स्थान पर आ गए हैं। ईशान किशन ने 21 स्थान की बड़ी छलांग लगाते हुए 43वां स्थान हासिल किया है। गेंदबाजों की रैंकिंग में भी भारतीय खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। अर्शदीप सिंह 16 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें, प्रसिद्ध कृष्णा 34 स्थान की छलांग लगाकर 58वें और वाशिंगटन सुंदर 17 स्थान ऊपर पहुंचकर संयुक्त रूप से 71वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उधर, न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 11 विकेट लेकर इतिहास रच दिया। हेनरी ने टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए जसप्रीत बुमराह की बराबरी कर ली। आईसीसी के अनुसार, हेनरी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले केवल तीसरे न्यूज़ीलैंड खिलाड़ी बने हैं।

सुपर लीग में उदयपुर, सीकर ने जीत दर्ज की, चूरू-नागौर मैच ड्रा, हिमांशु नेहरा 79/7 विकेट

जयपुर, 24 जून। उदयपुर और सीकर के मध्य आगामी दिनांक 26 -28 जून को सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेला जायेगा प्रतियोगिता का फाइनल मैच: सीकर - करौली मैच (सीकर पारी व 442 रनो से जीती), सीकर पहली पारी 747 /7 घोषित। करौली पहली पारी 192 आल आउट। टीम के लिए भूपेंद्र कुमार शर्मा 72 रन। सीकर के गेंदबाज हिमांशु नेहरा 79 /7 विकेट। करौली दूसरी पारी (फॉलोऑन) 113 आल आउट। टीम के लिए अमित कुमार भारद्वाज 48, शुभम कुमार वैष्णव 22, सचिन 19 व आशु शर्मा 11 रन। सीकर के गेंदबाज हिमांशु नेहरा 30 /7 व्, अंकित पचार 28 /3 विकेट। नागौर - चूरू मैच, नागौर पहली पारी 233 आल आउट। चूरू पहली पारी 250 आल आउट। नागौर दूसरी पारी 366 आल आउट। टीम के लिए गौरव चन्दर 101, दिव्य प्रताप राजपुरोहित 49 व अरुण कुमार शर्मा 28 रन। चूरू दूसरी पारी 240 /5, टीम के लिए शुभम सिंह पटवाल नाबाद 112, राजवीर सिंह 79 रन। नागौर के गेंदबाज महेंद्र महला व मोहित छांगरा 2 - 2 विकेट। बीकानेर -उदयपुर मैच (उदयपुर 10 विकेट से जीती) बीकानेर पहली पारी 220 आल आउट। उदयपुर पहली पारी 313 आल आउट। बीकानेर दूसरी पारी 113 आल आउट। टीम के लिए शरद जोशी 31, विशाल गोदारा 26 व सचिन लखेसर 18 रन। उदयपुर के गेंदबाज पुष्पेंद्र सिंह 44/4, हर्षित दक 6 /3, निखिल शुक्ला 41 /3 विकेट। उदयपुर दूसरी पारी 23 /0।

विम्बलडन 2026 के ऐतिहासिक आगाज के लिए तैयार सिनर और स्वियातेक

जिनेवा, 24 जून। विश्व के सबसे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट विंबलडन 2026 का आगाज़ इस बार एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनेगा। गत पुरुष एकल चैंपियन यानिक सिनर 29 जून को सेंटर कोर्ट पर पहला मुकाबला खेलेंगे और ऐसा करने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बन जाएंगे। पिछले वर्ष पुरुष एकल खिताब जीतने वाले 24 वर्षीय सिनर के लिए यह उपलब्धि बेहद खास है। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा कि सेंटर कोर्ट पर पहला मुकाबला खेलना उनके लिए रोमांचकारी क्षण होगा। उनके अनुसार विंबलडन का वातावरण दुनिया के किसी भी अन्य टेनिस कोर्ट से अलग है और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन चैंपियनशिप के पहले मुकाबले में वही सेंटर कोर्ट पर उतरेंगे। महिला वर्ग में गत चैंपियन इगा स्वियातेक दूसरे दिन सेंटर कोर्ट पर अभियान की शुरुआत करेंगी।

महिला टी-20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया की लगातार चौथी जीत, पाक को 113 रन से रौंदा

लीड्स, 24 जून। एलिस पेरी की शानदार अर्धशतकीय पारी और घातक गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार देर रात महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मुकाबले में पाकिस्तान को 113 रन से करारी शिकस्त देकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की कर ली है, जबकि पाकिस्तान को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 13.4 ओवर में मात्र 86 रन पर सिमट गई।

एशियाई खेलों की टीम से बाहर होने पर मनिका बत्रा ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 24 जून। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने एशियाई खेलों की भारतीय टीम में चयन नहीं होने के मामले पर भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) से जवाब मांगा है। मनिका ने कहा है कि यदि उन्हें चयन प्रक्रिया और अपने बाहर किए जाने के कारणों का स्पष्ट तथा तथ्यात्मक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया, तो वह कानूनी कार्रवाई का सहारा लेने के लिए मजबूर होंगी।

मनिका ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उनका उद्देश्य टीम में जगह हासिल करना नहीं, बल्कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि लगभग 20 वर्षों से देश का प्रतिनिधित्व करने के बाद वह केवल निष्पक्ष और ईमानदार जवाब चाहती हैं। विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज मनिका एशियाई खेलों की पांच सदस्यीय भारतीय महिला टीम में जगह नहीं बना सकीं। उन्होंने कहा कि यदि चयन समिति के निर्णय के पीछे कोई ठोस कारण हैं तो उन्हें सार्वजनिक किया जाना चाहिए। मनिका ने चयन समिति की मतदान प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। जानकारी के अनुसार अंतिम स्थान के लिए सुतिर्था मुखर्जी, स्वास्तिका घोष और मनिका बत्रा के बीच मुकाबला था। चयनकर्ताओं के बीच सहमति नहीं बनने पर मतदान कराया गया, जिसमें पांच मत मनिका के खिलाफ पड़े, तीन उनके पक्ष में रहे और एक सदस्य ने मतदान नहीं किया।

स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध हैं नेमार, लेकिन खेलना तय नहीं : अंचेलोटी

मियामी, 24 जून। ब्राज़ील के मुख्य कोच कार्लो अंचेलोटी ने मंगलवार को पुष्टि की है कि स्टार फुटबॉलर नेमार स्कॉटलैंड के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-सी मुकाबले के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा या नहीं, इस पर अभी फैसला नहीं हुआ है।

34 वर्षीय नेमार को लगभग तीन वर्ष बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी का मौका मिला है। हालांकि पिंडली की चोट के कारण वह अभी तक इस विश्व कप में मैदान पर नहीं उतर सके हैं।

मुकाबले से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अंचेलोटी ने कहा, नेमार उपलब्ध हैं। उन्होंने इस सप्ताह अच्छी तरह अभ्यास किया है और मैच के लिए तैयार हैं। उनकी वापसी से हम बेहद खुश हैं, क्योंकि उनकी गुणवत्ता टीम के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

उन्होंने आगे कहा, मैंने उन्हें करीब से जाना है। उन्होंने चोट से जल्द उबरने के लिए बेहद गंभीरता से मेहनत की है। यदि वह मैदान पर नहीं भी उतरते हैं, तब भी उनका अनुभव और खेल की समझ युवा खिलाड़ियों की मदद करती है।

नेमार के खेलने की संभावित अवधि के बारे में पूछे जाने पर अंचेलोटी ने मजाकिया अंदाज में कहा, वह 90 मिनट खेल सकते हैं, लेकिन चलते हुए। वह पूरी तरह फिट हैं और उन्होंने शानदार अभ्यास किया है।

ब्राज़ील ने अपने पहले दो मुकाबलों में मोरक्को से 1-1 की बराबरी की थी और हैती को 3-0 से हराया था। स्कॉटलैंड के खिलाफ जीत मिलने पर टीम अंतिम 32 में अपनी जगह सुनिश्चित कर लेगी।

आर.डी. बाहेती जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता

राशि, जियाना, गीतांशी और काव्या ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

जयपुर, 24 जून। आर. डी. बाहेती मेमोरियल जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 में बुधवार को अंडर-11 बालिका एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए, जिनमें राशि सिंघल, जियाना, गीतांशी टाँक और काव्या सैनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में राशि सिंघल ने मालविका को 15-6, 15-9 से, जियाना ने आरना जोशी को 15-5, 15-10 से, गीतांशी टाँक ने जीतीथा शर्मा को 15-8, 15-7 से तथा काव्या सैनी ने भाविका को 15-12, 15-7 से पराजित कर अंतिम चार में स्थान बनाया।

अंडर-15 बालिका एकल वर्ग में पद्मजा सिंह, ओजस्विता दुबे, रिद्धि सेठिया, तनिष्का शर्मा, मिराया फागेरिया, खुशी शर्मा, पर्ल पारिख एवं रिद्धि बत्रा ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं अंडर-17 बालिका एकल वर्ग में पद्मजा सिंह, रिद्धि सेठिया और अद्विता शर्मा ने अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

इसके अलावा अंडर-11 बालक एकल वर्ग के दो राउंड, अंडर-15 बालक एकल वर्ग के चार राउंड तथा अंडर-17 बालक एकल वर्ग के चार राउंड के मुकाबले भी खेले गए। अंडर-11 बालिका एकल वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंची खिलाड़ियों को जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दसोत ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आयोजन सचिव अतुल गुप्ता ने बताया कि गुरुवार को अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15 एवं अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग के एकल मुकाबले खेले जाएंगे। इसके साथ ही अंडर-17 मिश्रित युगल (मिक्स्ड डबल्स) स्पर्धा के मुकाबले भी आयोजित किए जाएंगे। आयोजन सचिव अतुल गुप्ता के अनुसार कल अंदर 15 अंदर 17 बालक बालिका वर्ग सिंगल्स के फाइनल तथा अंदर 17 मिक्स्ड डबल्स के फाइनल कल शाम 5:00 बजे खेले जाएंगे।

जनसुनवाई में आउट ऑफ टर्न नौकरी व अनुदान संबंधी मांगें रखी खिलाड़ियों ने : राजकेश मीणा

जयपुर, 24 जून। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद कार्यालय में बुधवार को परिषद के सचिव राजकेश मीणा की अध्यक्षता में विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस जनसुनवाई में विभिन्न खेल विधाओं के खिलाड़ियों और खेल संघ के पदाधिकारियों ने अपनी समस्याओं, लंबित खेल अनुदान और सरकारी नौकरियों से जुड़ी मांगों को लेकर सचिव को ज्ञापन सौंपे।

जनसुनवाई में राज्य सरकार की आउट ऑफ टर्न खेल नीति के तहत सरकारी नौकरी पाने का मुद्दा प्रमुख रहा। घुड़सवारी खेल से जुड़े खिलाड़ी युवराज सिंह, धुरवराज सिंह राजावत और मेघना शेखावत ने आउट ऑफ टर्न पॉलिसी के तहत त्वरित कार्रवाई करने और खेल कोटे का लाभ दिए जाने का अनुरोध किया। इसके साथ ही मेघना शेखावत ने अपनी खेल तैयारियों को बेहतर करने के लिए आवश्यक खेल उपकरणों हेतु भी अनुदान की मांग रखी। वहीं दूसरी ओर, नेटबॉल खेल से ताल्लुक रखने वाले खिलाड़ी देवेंद्र कुमार और अखिल यादव ने भी इसी नीति के अंतर्गत अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार देने की गुहार लगाई। इसी दौरान खेल क्षेत्र में हो रहे कथित फर्जीवाड़े के खिलाफ राजस्थान नेटबॉल संघ के सचिव बी.एल. शर्मा ने जनसुनवाई में लिखित शिकायत दी। नौकरियों के अलावा कई सीनियर और अंतरराष्ट्रीय

खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के बावजूद लंबे समय से प्रोत्साहन राशि और खेल अनुदान न मिलने का मुद्दा भी सचिव के सामने उठाया।

जयपुर में 29 जून को नाडा आयोजित करेगा एंटी-डोपिंग सेमिनार

राजस्थान के खेल जगत को डोपिंग के दुष्प्रभावों से बचाने और खिलाड़ियों व खेल प्रशिक्षकों को जागरूक करने के लिए राजधानी में एक बड़ा अभियान शुरू होने जा रहा है। आगामी 29 जून को सुबह 11:00 बजे से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संस्था के अधिकारियों द्वारा एक विशेष एंटी-डोपिंग शिक्षा एवं जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजकेश मीणा ने बताया कि इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के खेल ढांचे में शुद्धता बनाए रखना और जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को जागरूक करना है। इस विशेष कार्यक्रम के दौरान नाडा के विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा उपस्थित खेल प्रशिक्षकों को एंटी-डोपिंग शिक्षा और इसके कड़े नियमों के बारे में विस्तृत ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके साथ ही, सेमिनार में खिलाड़ियों को खेल के दौरान प्रतिबंधित दवाओं के सेवन, उनके अनजाने में होने वाले इस्तेमाल और उनके कारण करियर व स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही, सेमिनार में खिलाड़ियों को खेल के दौरान प्रतिबंधित दवाओं के सेवन, उनके अनजाने में होने वाले इस्तेमाल और उनके कारण करियर व स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि सेमीनार की महत्ता को देखते हुए खेल विभाग ने सभी खेल केंद्रों पर कार्यरत समस्त नियमित प्रशिक्षकों को इसमें शामिल होने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही एन.आई.एस. डिप्लोमा प्राप्त और अन्य इच्छुक खिलाड़ियों को भी इस सेमिनार में अनिवार्य रूप से भाग लेने के लिए निर्देशित किया गया है, ताकि राजस्थान के खेल तंत्र को डोपिंग मुक्त बनाया जा सके।

दिशा क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 24 जून। अंडर-12 चैंपियंस कप में दिशा क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 266 रन 8 विकेट के नुकसान पर बनाए। यशवर्धन ने 51, श्रेयांश सिंह ने 43 और समर ने 33 रनों का योगदान दिया। आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से तनिष्क और देयान ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब 20.3 ओवर में 76 रन पर ऑल आउट हो गई। दिशा क्रिकेट अकादमी की ओर से ध्रुव ने 6 और नंदीश ने 3 विकेट लिए। ध्रुव को मैन ऑफ़ द मैच चुना गया।

प्रधानमंत्री 4 जुलाई को आएंगे, मुख्यमंत्री तैयारी में जुटे

वे पचपदरा रिफाइनरी का उद्घाटन तथा जयपुर मैट्रो फेज़-2 का शिलान्यास करेंगे

जयपुर, 24 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा राजस्थान सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 4 जुलाई की राजस्थान यात्रा की तैयारी में जुट गये हैं। आज मुख्यमंत्री ने पचपदरा रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के संबंध में राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों बैठक ली। रिफाइनरी के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को रिफाइनरी का मॉडल भेंट किया व परियोजना की प्रगति व संचालन की

- **रिफाइनरी प्रबंधन ने मुख्यमंत्री की माइक्रो मॉनिटरिंग की सराहना की। उन्होंने कहा कि सतत मार्गदर्शन व प्रोत्साहन के कारण सही समय के अंतराल में रिफाइनरी संचालन के लिए पुनः तैयार हो गई। आधा दर्जन यूनिट कार्य कर रहे हैं।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को पचपदरा रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के संबंध में राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों बैठक ली। इस अवसर पर रिफाइनरी के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को रिफाइनरी का मॉडल भेंट किया।

विस्तृत जानकारी दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 जुलाई को बालोतरा के पचपदरा आएंगे। इस अवसर पर पचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन एवं जयपुर मेट्रो फेज-2 के शिलान्यास के साथ ही प्रधानमंत्री प्रदेशभर में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास की सौगात देंगे। इस दौरान विभिन्न सरकारी नौकरियों में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए जाएंगे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी सेवा में नियुक्ति पत्र प्राप्त करना प्रत्येक युवा के जीवन का गौरवपूर्ण क्षण होता है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलों में विशेष आयोजन के साथ नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं एवं आमजन को प्रधानमंत्री के मुख्य कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जोड़ा जाए, ताकि वे इस ऐतिहासिक अवसर के सहभागी बन सकें।

उन्होंने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी प्रदेश के औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन तथा रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना है। उन्होंने निर्देश दिए कि रिफाइनरी परिसर में सुरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री को एचआरआरएल प्रबंधन ने पचपदरा रिफाइनरी से निकल रहे विभिन्न प्रोडक्ट्स के सैम्पल भेंट किए। साथ ही, उन्होंने रिफाइनरी का मॉडल और इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाती हुई बुकलेट भी प्रस्तुत की।

इस दौरान एचआरआरएल प्रबंधन ने मुख्यमंत्री की माइक्रो मॉनिटरिंग की सराहना की। उन्होंने कहा कि एचआरआरएल एवं राज्य सरकार के अधिकारियों ने टीम भावना से निरंतर कार्य किया है। मुख्यमंत्री के सतत् मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के फलस्वरूप कुछ ही समय के अंतराल में रिफाइनरी संचालन के लिए पुनः तैयार हो गई है। आधा दर्जन से अधिक यूनिट्स कार्य कर रही हैं और कई प्रोडक्ट्स का उत्पादन प्रारंभ हो चुका है।

इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित एचआरआरएल एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, एचपीसीएल एवं विभिन्न जिलों से संभागीय आयुक्त, आईजी, जिला कलक्टर सहित अन्य अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़ें।

अरुणाचल में बाढ़ से पांच जिलों का सम्पर्क कटा

इटानगर, 24 जून। अरुणाचल प्रदेश के केयी पान्योर ज़िले में पोसा के नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (निपको) प्रोजेक्ट की कॉलोनी के आस-पास के इलाकों में बीती रात से बुधवार सुबह तक लगातार हुई भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गयी तथा क्षेत्र को पूरी तरह से नष्ट कर दिया।

अरुणाचल प्रदेश आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बाढ़ के संबंध में दी गयी जानकारी के अनुसार, आज दोपहर

- **नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन की कॉलोनी में 20 क्वाटरों को भारी क्षति पहुंची**

अचानक आई बाढ़ के चलते 3 बजे तक पांच लोग लापता हैं। निपको प्रोजेक्ट हेड के अनुसार, पांच लोगों के लापता होने की सूचना है। इस बीच कुल 17 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को एम्बुलेंस से ज़ीरो ले जाया गया है।

मानवाधिकार आयोग ने युवती के झुलसने का प्रसंज्ञान लिया

जगतपुरा में पुलिस द्वारा ठेला पलटने के कारण खौलते पानी से पीड़िता गंभीर रूप से जल गई थी

- **मानवाधिकार आयोग ने पुलिस कमिश्नर, कलैक्टर तथा डीसीपी पूर्व से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है, ताकि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही की जा सके।**

जयपुर, 24 जून। राज्य मानवाधिकार आयोग ने जगतपुरा के महल रोड इलाके में वीआईपी मूवमेंट के चलते पुलिस कार्रवाई के दौरान, फास्ट फूड विक्रेता युवती के झुलसने की घटना को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही आयोग ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए पुलिस कमिश्नर, कलेक्टर और डीसीपी पूर्व से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने ये आदेश घटना के संबंध में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर कार्रवाई करते हुए दिए।

आयोग ने संबंधित अधिकारियों से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगते हुए कहा है कि यदि घटना में कोई लोक सेवक जिम्मेदार मिले तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई के साथ ही प्राथमिकी दर्ज कराने की स्थिति भी स्पष्ट की जाए। साथ ही, पीड़िता को चिकित्सा सुविधा व मुआवजा देना भी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, आयोग ने प्रशासन को कहा है कि सभी पुलिसकर्मियों व लोक सेवकों को आमजन के प्रति संवेदनशील व मानवीय व्यवहार सुनिश्चित कराने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

आयोग ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट से पता चलता है कि बीएससी डिग्रीधारी रेशु की नौकरी न होने के कारण वह पिछले कुछ समय से वहां पर मोमोज का ठेला लगाकर अपनी बहनों का पालन-पोषण कर रही थी।

घटना के दिन वीआईपी काफिले के कारण पुलिस ने उसका ठेला पलट दिया, जिससे खौलता पानी उस पर गिरने से वह गंभीर रूप से जल गई। अस्पताल से लौटने के बाद, युवती अपनी बहन के साथ रामनगरिया थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने गई, लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई।

सुप्रीम कोर्ट प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की फीस में दखल नहीं देगा

अदालत ने कहा कि कोई यह मांग नहीं कर सकता कि प्राइवेट संस्थान सरकारी संस्थानों के बराबर फीस वसूलें

- **राजस्थान के एक मेडिकल छात्र की याचिका थी कि राज्य के प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की सालाना फीस 18-20 लाख से 25 लाख के बीच है, जो आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग की आठ लाख रुपये की सालाना आय सीमा के बिल्कुल विपरीत है।**

नई दिल्ली, 24 जून। चिकित्सा शिक्षा का सपना देखने वाले युवाओं के संघर्ष और सरकारी स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करने की दिशा में सुप्रीम कोर्ट से दो बड़े संदेश सामने आए हैं।

देश में डॉक्टरों की कमी और चिकित्सा शिक्षा की सुलभता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद मानवीय और व्यावहारिक रुख अपनाया है। एक तरफ जहां कोर्ट ने प्राइवेट मेडिकल कालेजों की फीस तय करने में दखल देने से मना कर दिया, वहीं दूसरी तरफ, सरकारी सेवा में कार्यरत डाक्टरों की विशेषज्ञता को जनहित के लिए अनमोल बताया।

कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि राजस्थान के प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में फीस बहुत ज्यादा है।

राजस्थान के एक मेडिकल छात्र ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का कहना था कि राजस्थान के प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की सालाना फीस 18.90 लाख से 25 लाख रुपये के बीच है, जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की आठ लाख रुपये की सालाना आय सीमा के बिल्कुल विपरीत है।

ऐसे में ईडब्ल्यूएस वर्ग का कोई मेधावी छात्र डॉक्टर कैसे बनेगा? याचिकाकर्ता छात्र ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के तहत राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी)-2025 में शामिल हुआ था।

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस दर्द को समझा, लेकिन व्यावहारिक पक्ष रखते हुए याचिका खारिज कर दी।

कोर्ट ने कहा, हमें इस देश में डॉक्टरों की जरूरत है। लेकिन इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी व्यक्ति यह मांग नहीं कर सकता कि स्व-वित्तपोषित (प्राइवेट) संस्थान भी सरकारी संस्थानों के बराबर ही फीस वसूलें।

कोर्ट ने छात्र को याद दिलाया कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए स्कॉलरशिप (छात्रवृत्ति) का विकल्प हमेशा खुला रहता है। इसी के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इन्कार कर दिया।

इसी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के सामने तमिलनाडु का एक और संवेदनशील मामला आया। तमिलनाडु मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन ने याचिका दायर कर मांग की थी कि शैक्षिणक वर्ष 2025-2026 के लिए खाली रह गईं 152 इन-सर्विस सुपर स्पेशियलिटी मेडिकल सीटों को अखिल भारतीय कोटा में सरेंडर करने से रोका जाए। इस मामले पर विचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत हो गया और केंद्र एवं तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया।

दुविधा में फंसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मोदी की ईरान की आखिरी आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा मई 2016 में हुई थी। उस दौरान उन्होंने खामेनेई और तत्कालीन राष्ट्रपति हसन रूहानी से मुलाकात की थी और चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। दो वर्ष बाद, फरवरी 2018 में राष्ट्रपति रूहानी प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर भारत आए थे और नई दिल्ली तथा हैदराबाद का दौरा किया था। मोदी और पेज़ेश्कियन की आखिरी मुलाकात अक्टूबर 2024 में रूस के कज़ान में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। उस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने पेज़ेश्कियन को भारत आने का निमंत्रण दिया था। नई दिल्ली के सूत्रों का कहना है कि भारत ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि इस राजकीय अंतिम संस्कार कार्यक्रम में उसका प्रतिनिधित्व कौन करेगा। वर्ष 2024 में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियान की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुई मृत्यु के बाद, तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तेहरान गए थे। उन्होंने विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आधिकारिक श्रद्धांजलि और शोक समारोह में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर शोक संदेश व्यक्त किया था। भारत ने 21 मई 2024 को एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा भी की थी। भारत ने 5 मार्च को औपचारिक रूप से खामेनेई के निधन पर शोक व्यक्त किया था। विदेश सचिव विक्रम मिसरी नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास गए थे और उन्होंने वहाँ आधिकारिक शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए थे।

कोलकाता में निर्माणाधीन गोदाम की छत गिरी, 4 की मौत

कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का अनुमान है कि 30 से अधिक मजदूर मलबे में फंसे हैं

कोलकाता, 24 जून। कोलकाता के तारातला इलाके में ब्रेस ब्रिज के पास निर्माणाधीन गोदाम की छत ढ हने से बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को तीन मंजिला निर्माणाधीन चाय गोदाम की तीसरी मंजिल की छत की ढ लाई के दौरान अचानक ढ ांचा भरभराकर गिर पड़ा। मलबे के नीचे कई मजदूर दब गए। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने हादसे में 4 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि अब तक 18 घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

- **निर्माणाधीन चाय गोदाम की तीसरी मंजिल की छत डल रही थी, जब पूरा ढांचा अचानक भरभरा कर गिर गया।**

घटना के बाद सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, कोलकाता पुलिस, अग्निशमन विभाग और कोलकाता नगर निगम की संयुक्त टीमें युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रही हैं। मलबे में फंसे सभी श्रमिकों को जल्द बाहर निकालने के लिए गैस कटर, क्रेन, एंबुलेंस और अन्य आधुनिक बचाव उपकरणों की मदद ली जा रही है। घटनास्थल से दबे हुए मजदूरों की आवाजें सुनाई देने की भी सूचना है। बचावकर्मी बाहर से उनके नाम पुकारकर उनकी स्थिति का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बंदरगाह की जमीन पर उक्त चाय गोदाम का निर्माण किया जा रहा था। छत ढ हने के समय बड़ी संख्या में मजदूर वहां कार्यरत थे। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मलबे के नीचे अभी भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने 30 से अधिक मजदूरों के अंदर फंसे होने की आशंका जताई है, हालांकि प्रशासन की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

संसद का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिवसेना (यूबीटी) के पास संसद में अपना पार्टी ऑफिस नहीं होगा। आमतौर पर संसद भवन में उन्हीं राजनीतिक पार्टियों को ऑफिस की जगह दी जाती है, जिनके पास पांच या उससे ज्यादा सांसद होते हैं। शिवसेना (यूबीटी) के पास केवल चार सांसद होने की वजह से उनसे पार्टी ऑफिस लिया जा सकता है। इसके साथ ही, अहम मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाई जाने वाली सर्वदलीय बैठकों में शिवसेना (यूबीटी) की भागीदारी पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि पांच से कम सांसदों वाली पार्टियों को आम तौर पर ऐसी बैठकों में नहीं बुलाया जाता है। संसद के भीतर राजनीतिक दलों को ऑफिस की जगह आवंटित करने वाला कोई तय कानूनी नियम नहीं है। इसके बजाय, यह लंबे समय से चली आ रही संसदीय परंपराओं, दिशानिर्देशों और हाउस कमेटी की कार्यप्रणाली पर आधारित है।

नौ दिन देर से मानसून मध्य प्रदेश पहुँचा

- **यूपी, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, हरियाणा व दिल्ली में प्री-मानसून वर्षा का दौर जारी**

नई दिल्ली, 24 जून। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार दक्षिण-पश्चिम मानसून बुधवार को मध्य प्रदेश में प्रवेश कर गया। मौसम विभाग ने आधिकारिक तौर पर मानसून के आगमन की घोषणा करते हुए बताया कि यह बालाघाट, डिंडौरी, अनूपपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन और बड़वानी के रास्ते प्रदेश में पहुंचा है। इस बार मानसून सामान्य तिथि 15 जून के मुकाबले नौ दिन की देरी से आया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों में मानसून तेजी से आगे बढ़ेगा और मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों को अपनी चपेट में ले लेगा। मानसून के प्रवेश के साथ ही, बैतूल और बुरहानपुर सहित कई जिलों में बारिश का दौर शुरू हो गया है।

मानसून की एंट्री के साथ मौसम विभाग ने भोपाल सहित, 42 जिलों में तेज हवाओं, गरज-चमक और बारिश की चेतावनी जारी की है। राजधानी भोपाल, रायसेन, सीहोर, इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, धार, खरगोन, बड़वानी, आलीराजपुर, हरदा, नर्मदापुरम, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, सिवनी, रीवा, सिंगरौली, मऊगंज और अन्य जिलों में मौसम सक्रिय रहने का अनुमान है। देश के 6 राज्यों-उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश जारी है। मंगलवार को बिहार में बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हुई थी। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण पश्चिम मानसून तेलंगाना, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ इलाकों में आगे बढ़ गया है। अगले 2-3 दिनों में उत्तर प्रदेश में पहुंच सकता है।

ममता बनर्जी अपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थी। उस समय शुभेन्दु अधिकारी ने ही मुझे संभाला और भरोसा दिलाया था।"

तृणमूल कांग्रेस की तेजतर्रार नेता महुआ मोइत्रा ने अपने चुनावी सफर की शुरुआत करीमपुर से की थी, जहां उन्होंने 2016 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। उन्होंने बताया कि उस समय वे राजनीति में नई थीं और कोई भी वरिष्ठ तृणमूल नेता उनके लिए प्रचार करने नहीं आया था। लेकिन, शुभेन्दु अधिकारी उनकी पहली चुनावी रैली में मौजूद थे।

उन्होंने कहा, "जब मैंने पहली बार करीमपुर से चुनाव लड़ा था, तब मेरे लिए प्रचार करने कोई नहीं आया था। मेरी पहली रैली शुभेन्दु अधिकारी ने की थी। आज भी आप तस्वीरें देख सकते हैं, वहां सिर्फ मैं और शुभेन्दु अधिकारी थे।"

शुभेन्दु अधिकारी ने 2020 में ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव को लेकर पैदा हुए मतभेदों के बाद, तृणमूल कांग्रेस छोड़ दी थी। बाद में वे भाजपा में शामिल हो गए और इस वर्ष बंगाल चुनाव में पार्टी को निर्णायक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

महुआ मोइत्रा ने स्वीकार किया कि अब उनकी शुभेन्दु अधिकारी से पहले जैसी बातचीत नहीं होती, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि व्यक्तिगत रिश्ते राजनीतिक सीमाओं से ऊपर होते हैं।

उन्होंने कहा, "आज शुभेन्दु किसी दूसरी पार्टी में हैं, इसलिए अब हमारी बातचीत नहीं होती। लेकिन उन्होंने जो मदद मुझे दी थी, उसे मैं कभी नहीं भूल सकती।"

यह बयान ऐसे समय आया है, जब ममता बनर्जी अपनी पार्टी को एकजुट बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही हैं। महुआ मोइत्रा को ममता ने पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति में शामिल किया था।

दूसरी ओर, बागी विधायकों ने ममता बनर्जी को तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष पद से और अभिषेक बनर्जी को राष्ट्रीय महासचिव के पद से हटा दिया है। उन्होंने पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह पर दावा करने के लिए चुनाव आयोग का भी रुख किया है।

भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिशन प्रमुखों को भेजे गए उपहार में आम की चार प्रमुख किस्में- केसर, दशहरी, बंगनपल्ली और लंगड़ा शामिल हैं। इसके साथ एक व्यक्तिगत संदेश भी भेजा गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आम अपने क्षेत्र की विशेष पहचान, स्वाद और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। यह पहल भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को दर्शाती है और दुनिया के साथ भारतीय संस्कृति के सौहार्द और मिठास को साझा करने का एक प्रयास है।

मेयर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निकालने के लिए पंप लगाए गए हैं। साथ ही, नालों में फंसे कचरे को भी हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा, "बृहन्मुंबई महानगरपालिका युद्धस्तर पर काम कर रही है।" इस बीच, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने सत्तारूढ़ महायुति सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सुशासन के बजाय, राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता दे रही है। ज्ञातव्य है कि महायुति गठबन्धन में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला शिवसेना गुट भी शामिल है, जिसने ठाकरे गुट के छह सांसदों को अपने साथ कर लिया था। एक्स पर किए गए एक पोस्ट में आदित्य ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पर आरोप लगाया कि उसने "बीएमसी का सारा फंड खत्म कर दिया है।" उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी ने पिछली सरकार, यानी ठाकरे-नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार की सलाह के बावजूद, बारिश का पानी जमा करने वाले टैंक नहीं बनवाए।

केदारनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब तक कुल 13,21,067 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित की जा रही हैं और श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार जारी है।

केन्द्रीय सरकार को अगूँठा दिखाने की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वित्त मंत्री के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य पर लगभग 8.15 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज था। फिलहाल राज्य के पास इस कर्ज के बोझ को सार्थक ढंग से कम करने की बहुत कम गुंजाइश है। यह कर्ज राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 40 प्रतिशत है।

राज्य की वित्तीय स्थिति असल में एक "डैथ ट्रैप" में फंस गई है, जिसे "ऋण जाल" कहा जाता है। यानी, राज्य पुराने कर्ज और उसके ब्याज का भुगतान करने के लिए नया कर्ज ले रहा है। अनुमानत: राज्य को हर वर्ष एक लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि पुराने कर्ज और ब्याज के भुगतान में खर्च करनी पड़ती है। परिणामस्वरूप, अतिरिक्त उधारी का बड़ा हिस्सा कर्ज चुकाने में चला जाता है, न कि ऐसे निवेशों में, जो राज्य की आय बढ़ा सकें।

इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह थी कि बेकार चीजों पर सब्सिडी और अनुदानों का बोझ लगातार बढ़ता गया। इस तरह, जो कम फंड मौजूद थे, उनमें से भी, इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने पर खर्च करने के बजाय, इमाम भत्ता, पुजारी भत्ता और दुर्गा पूजा क्लबों को अनुदान जैसी योजनाओं पर खर्च किया गया। इससे राज्य की वित्तीय स्थिति कमज़ोर होती चली गई और अब उसके पुनर्गठन की आवश्यकता है।

तथापि, वित्त मंत्री के पास इस प्रक्रिया को सीधे तौर पर अभी शुरू करने की बहुत कम गुंजाइश थी। इसलिए यह बजट, फिस्कल स्ट्रक्चर और सरकारी फायनैंस को लंबे समय तक रीस्ट्रक्चर करने की शुरुआत के बजाय एक होल्डिंग ऑपरेशन है।

भाजपा सरकार राज्य कर्मचारियों और सरकार के बीच महंगाई भत्ते के पेमैंट को लेकर लंबे समय से चल रही लड़ाई के बाद सत्ता में आई। राज्य कर्मचारियों को केन्द्रीय कर्मचारियों की तुलना में काफी कम डीए मिल रहा था। यह संघर्ष समय के साथ अधिक तीखा होता गया।

स्थिति तब और बिगड़ गई जब, तत्कालीन मुख्यमंत्री ने डीए की मांग कर रहे कर्मचारियों की तुलना "भौंकते कुत्तों" से कर दी। इससे कर्मचारियों को केवल आर्थिक नुकसान ही नहीं हुआ, बल्कि उन्होंने स्वयं को अपमानित भी महसूस किया।

मुख्यमंत्री ने आंदोलनरत कर्मचारियों से वादा किया था कि यदि वे सत्ता में आए तो इस मुद्दे पर फैसला करते समय वे उनके साथ "सम्मानजनक व्यवहार" करेंगे।

अब यह वादा पूरा करने का समय आ गया है। बजट में कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में 20 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव किया गया है, जिसने आंदोलनरत कर्मचारियों की अपेक्षाओं को भी पीछे छोड़ दिया। निश्चित रूप से वर्तमान वित्तीय स्थिति इतनी उदारता की अनुमति नहीं देती, लेकिन सरकार के पास शायद कोई दूसरा विकल्प भी नहीं था।

इसी प्रकार भाजपा ने राज्य की महिलाओं को हर महीने 3000 रुपये की सहायता देने का वादा किया था। तृणमूल सरकार अपनी योजना के तहत महिलाओं को 1500 रुपये देती थी। शुरुआत में इस योजना से महिलाओं के बीच पार्टी को समर्थन मिला था, लेकिन भाजपा ने इसकी दोगुनी राशि देने का वादा कर बढ़त बना ली। बजट में पात्र महिलाओं को 3000 रुपये प्रतिमाह देने का प्रावधान किया गया है।

सकारात्मक बात यह है कि पुरानी योजना का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो रहा था। सत्ता में आने के बाद नई सरकार ने पाया कि बड़ी संख्या में फर्जी लाभार्थी इस योजना का लाभ ले रहे थे। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह थी कि कई पुरुष महिलाओं के लिए निर्धारित इस सहायता राशि को अपने बैंक खातों में प्राप्त कर रहे थे। यह कैसे संभव हुआ, यह अभी भी रहस्य बना हुआ है।

कुछ अनुदानों में कटौती की गई है, जबकि कई नई योजनाएं शुरू की गई हैं। हालांकि वित्त मंत्री और नई सरकार ने इनका बोझ कम करने के लिए इन्हें विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं से जोड़ने की रणनीति अपनाई है। पूर्ववर्ती तृणमूल सरकार ने केन्द्र के प्रति विरोध के कारण कई केन्द्रीय योजनाओं को राज्य में लागू नहीं होने दिया था। यह वैसा ही था, जैसे किसी और को नुकसान पहुंचाने के लिए खुद को नुकसान पहुंचाना।

राज्य की कल्याणकारी योजनाओं को केन्द्र की योजनाओं के साथ जोड़कर बजट ने फंडिंग का बोझ केन्द्रीय स्कीमों पर डालकर राज्य के फायनैंस पर उनके असर को कम करने की कोशिश की है। तथाकथित "डबल इंजन सरकार" मॉडल के साथ यह उम्मीद की जा सकती है कि केन्द्र पश्चिम बंगाल की वित्तीय स्थिति सुधारने के प्रति अधिक सहानुभूतिपूर्ण रुख अपनाएगा।

मुफ्त योजनाओं और अनुदानों की चर्चा से अलग हटकर देखें तो नई सरकार ने राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कुछ ऐसे कदम भी उठाए हैं, जिन्हें दीर्घकालिक महत्व का माना जा सकता है। इनमें से कई कदम बजट से बाहर के हैं, लेकिन भविष्य में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

ऐसी ही एक घोषणा यह है कि 100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली परियोजनाओं के लिए निवेशकों को नगर निकायों और जिला स्तर की अनेक अनुमतियों के लिए अलग-अलग चक्कर नहीं लगाने होंगे। उच्च स्तर से स्वीकृति मिलते ही अन्य आवश्यक अनुमतियां स्वत: स्वीकृत मानी जाएंगी। यह बड़े निवेशों के लिए एकल-खिड़की मंजूरी (सिंगल विंडो क्लियरैंस) प्रणाली की तरह है।

केन्द्र की नीतियों के अनुरूप राज्य ने विभिन्न स्थानों पर कम से कम चार नए हवाई अड्डे स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। इनका वित्त-पोषण छोटे हवाई अड्डों और राष्ट्रीय संपर्क बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजनाओं के तहत किया जाएगा। इसके अलावा, उत्तर बंगाल के बागडोगरा हवाई अड्डे के विस्तार का भी प्रस्ताव है।

बंगाल के तटीय क्षेत्र में कांदी जिले में एक बड़े समुद्री बंदरगाह के विकास का प्रस्ताव है। राज्य के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर उत्तर बंगाल के जिलों में, एम्स जैसे कई चिकित्सा संस्थान स्थापित करने की भी योजना है। नई सरकार पर्यटन विकास के लिए भी कई परियोजनाएं शुरू करने का प्रस्ताव कर रही है, क्योंकि इस क्षेत्र में राज्य के पास अपार संभावनाएं हैं।

क्षेत्रों को बेहतर ढंग से जोड़ने और लोगों और वस्तुओं की आवाजाही को बेहतर बनाने के लिए बड़ी और छोटी सड़कों के विस्तृत नेटवर्क के निर्माण का भी प्रस्ताव है। ऐसे निवेशों का अर्थव्यवस्था पर बहुत बड़ा और कई गुना असर पड़ सकता है।

हालांकि भाजपा का यह पहला बजट अनेक सीमाओं से घिरा हुआ है, फिर भी इसमें नई सरकार की ओर से कुछ आशाजनक कदम दिखाई देते हैं। सबसे सुखद बात यह है कि लगभग पचास वर्षों के बाद राज्य सरकार औद्योगीकरण और विकास की एक नई शुरुआत की ओर देखती नज़र आ रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908